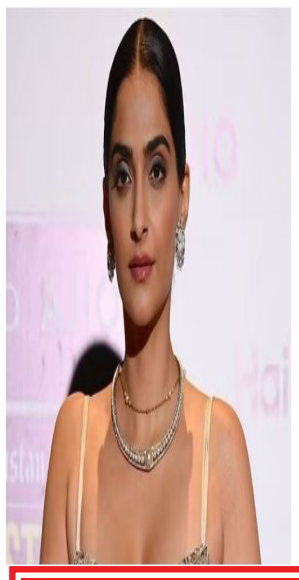

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -86 | प्रयागराज, मंगलवार 10 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मक्का में 15 लाख हज यात्रियों पर कौन कर सकता है हवाई हमला, सऊदी ने क्यों लगाया अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम

नयी दिल्ली। 4 जून से सऊदी अरब में हज शुरू हो गया। 5 जून को सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिनमें मक्का स्थित काबे के आसपास अमेरिका का पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम तैनात दिखाया गया है। मिलिट्री हेलिकॉप्टर भी आसमान की निगरानी कर रहा है।इन तस्वीरों के साथ लिखा गया है- 'एयर डिफेंस फोर्सेजष्ठ वो आंख जो कभी पलक नहीं झपकाती। जिसका मिशन खुदा के मेहमानों की हिफाजत करना है। इस्लामी कैलेंडर के 12वें महीने जिल-हिज्जा की 8वीं से 12वीं तारीख तक सऊदी अरब में हज की धार्मिक प्रक्रिया चलती है। इस बार 4 से 9 जून तक ये होगा। इनके लिए 1 जून तक ही 14 लाख रजिस्टर्ड हजयात्री मक्का पहुंच चुके थे। इनमें से 1.75 लाख लोग भारत से पहुंचे हैं। हज मुसलमानों का एक जरूरी धार्मिक कर्तव्य माना जाता है। हर वो मुस्लिम जो शारीरिक, आर्थिक और मानसिक तौर पर सक्षम और स्वस्थ है, उसे जीवन में कम से कम एक बार हज के सफर पर जाना जरूरी होता है। हज के दौरान मुस्लिम मक्का की मस्जिद अल-हराम यानी काबा के चारों ओर परिक्रमा करते हैं और अल्लाह की इबादत में समय बिताते हैं। सऊदी अरब की डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर दो पोस्ट कीं। एक में मक्का में तैनात मिसाइल डिफेंस सिस्टम को दिखाया गया है। इसके ठीक पीछे सऊदी का मशहूर क्लॉक टावर दिखाई दे रहा है। ये अल-हराम मस्जिद, यानी काबा के ठीक सामने है। दूसरी पोस्ट में सेना का एक हेलिकॉप्टर दिखाई दे रहा है। ये भी काबा और उसके आसपास के इलाके की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। इससे पहले सऊदी अरब के पब्लिक सिक्योरिटी डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अल-बसामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि हज यात्रियों की सुरक्षा के लिए सऊदी अरब मुस्तैद है और इसके लिए जॉइंट डिफेंस सिस्टम तैनात किया गया है। इसके तहत क्राउड मैनेजमेंट, सिक्योरिटी और इमरजेंसी से निपटने के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। ड्रोन और पांच हजार कैमरे लगाकर हज यात्रियों की निगरानी की जा रही है। इस दौरान सऊदी की

एयर फोर्स भी मक्का में एक्टिव है। सऊदी की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एयर फोर्स हवाई सीमाओं की निगरानी, एयर ट्रैफिक पर कंट्रोल से लेकर जमीनी सेना को लॉजिस्टिक्स मुहैया करवा रही है। वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मक्का में मौजूद हज यात्रियों पर हूती लड़ाकों के हमले की आशंका है। इससे निपटने के लिए ही जमीन से हवा में मार करने वाला अमेरिका का पैट्रियट एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात किया गया है।: सऊदी अरब ने पैट्रियट एमआईएम 104 मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम को मक्का में तैनात किया है। इसे अमेरिकी कंपनियों- रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन ने मिलकर तैयार किया है। इसका 'पैत्रियोट' नाम इसके रडार सिस्टम- पर रखा गया है। ये रडार सिस्टम एक साथ कई हवाई खतरों को ट्रैक कर सकता है। हूती यमन के अल्पसंख्यक जैदी समुदाय के लोगों का हथियारबंद समूह है। ये मूल रूप से शिया मुसलमानों का एक वर्ग है। 1990 के दशक में यमन के तत्कालीन राष्ट्रपति अली अब्दुल्लाह सालेह के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ ये ग्रुप बना था। हुसैन अल हूती ने इसकी नींव रखी। हूती सिर्फ यमन तक सीमित नहीं हैं। वे फिलिस्तीन में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह जैसे मिलिटेंट ऑर्गनाइजेशंस को सपोर्ट करते हैं। साथ ही इजराइल, अमेरिका और पश्चिमी देशों का विरोध करते हैं। 2003 में हूतियों ने नारा दिया- 'अल्लाह महान है। अमेरिका-इजराइल का खात्मा हो, यहूदियों का खात्मा हो और इस्लाम की जीत हो।' 2015 में हूतियों ने यमन की सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। इसमें हूतियों की ही जीत हुई। अभी यमन में एक अस्थिर सरकार है, जबकि राजधानी सना समेत एक बड़े इलाके पर हूतियों का कब्जा है।दरअसल, यमन के गृहयुद्ध में सऊदी अरब यमन की सरकार का समर्थन करता रहा है, जबकि ईरान हूतियों की मदद करता है। इसकी वजह शिया देश ईरान और सुन्नी देश सऊदी अरब में वर्चस्व की पुरानी लड़ाई है। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में सीनियर फेलो सुशांत सरीन कहते हैं, 'सऊदी अरब हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी यानी उसके द्वारा समर्थित मिलिटेंट ऑर्गनाइजेशन मानता है। ईरान ने हूतियों के जरिए एक तरह से यमन पर कब्जा कर रखा है। लाल सागर के रास्ते होने वाले समुद्री व्यापार पर भी उसका असर रहता है। ईरान के बढ़ते वर्चस्व को सऊदी अपने लिए खतरा मानता है। वहीं सऊदी की सीमा यमन से लगती है, जहां से हूती हवाई हमले करते रहे हैं।'सऊदी अरब के खिलाफ ईरान की लड़ाई में हूती ईरान का साथ देते हैं। अमेरिका और सऊदी का आरोप है कि ईरान हूतियों को मिसाइल्स और आधुनिक हथियार मुहैया करवाता है। 2017 में हूतियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर ईरान की दी हुई बैलिस्टिक मिसाइल्स दागी थीं, जिन्हें हवा में ही खत्म कर दिया गया। 2019 में सऊदी के तेल के कारखानों पर मिसाइल हमले हुए, जिसकी जिम्मेदारी हूती विद्रोहियों ने ली। अब तक हूती सऊदी अरब पर कम रेंज की हजारों मिसाइल्स दाग चुके हैं। सऊदी के अलावा हूतियों ने इजराइल और यूएई पर भी मिसाइल अटैक किए हैं। जनवरी 2024 में हूतियों ने लाल सागर में अमेरिका और ब्रिटेन के जहाजों पर हमले शुरू किए थे। इसके जवाब में अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूतियों के ठिकाने पर हवाई हमले किए। हूतियों ने कई बार सऊदी अरब के कई शहरों पर मिसाइल हमले करने का दावा किया है। सऊदी अरब ने भी दो बार ये दावा किया कि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाकर मिसाइल अटैक किए, जिन्हें नाकाम कर दिया गया। हालांकि, हूतियों ने इससे इनकार किया। अक्टूबर 2016 में सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने 500 किमी दूर यमन के सादा प्रांत से मक्का पर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे मक्का से लगभग 65 किमी दूर हवा में ही खत्म कर दिया गया। हूतियों से जुड़ी न्यूज एजेंसी सबा ने कहा था कि मिसाइल सऊदी के जेद्दा शहर के एयरपोर्ट पर गिरी। हालांकि, सऊदी ने इसका खंडन किया था। तब हूती लीडर मोहम्मद अल-बेखेती का कहना था, 'हम नागरिकों को निशाना नहीं बनाते। हम बदले में कभी भी पाक इलाकों को निशाना नहीं बनाएंगे। यमन के लोगों के खिलाफ सऊदी अरब के जुर्म उजागर होने के बाद वह दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहा है।' इसी तरह 22 मई 2019 को सऊदी अरब ने दावा किया कि हूतियों ने मक्का और जेद्दा को निशाना बनाकर दो बैलिस्टिक मिसाइल्स दागीं, जिन्हें हवा में ही खत्म कर दिया गया। तब मक्का में लाखों हज यात्री मौजूद थे। हालांकि, सऊदी अरब के इस दावे को झूठा करार देते हुए हूती लीडर अब्दुल मलिक अल-हूती ने कहा कि ये हमारे लोगों पर किए गए सऊदी अरब के जुल्म को छिपाने और मक्का की धार्मिक स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश है।स्ट्रैटजी एक्सपर्ट सुशांत सरीन मानते हैं कि ये एक काल्पनिक सवाल है, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हूती अचानक मक्का पर हमला कर सकते हैं। वे कहते हैं, 'अगर कभी ऐसा हुआ तो दुनियाभर के आम मुसलमानों में गुस्सा पनपेगा।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में सड़कों पर आगजनी:प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी झंडे पर थूका और आग लगाई; सैकड़ों गाड़ियों को आग के हवाले किया

नयी दिल्ली। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में तीन दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गया है। उपद्रवियों ने पूरे शहर में कई सड़कों पर आगजनी की है। इस दौरान कई गाड़ियों को आग के हवाले किया है। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी मेक्सिको का झंडा लेकर प्रदर्शन करते आए। हालात को काबू करने के लिए अमेरिकी नेशनल गार्ड्स ने भारतीय समयानुसार रविवार देर रात प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले-रबर बुलेट्स दागीं और भीड़ को पीछे धकेला। घटना मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर के बाहर हुई, जहां प्रदर्शनकारी जुटे थे। कुछ प्रदर्शनकारी 'गो होम' और 'शेम' के नारे लगाने लगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध प्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिल्स में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। हालांकि, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर कैरेन बैस ने नेशनल गार्ड्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य की नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।इससे पहले भारतीय समयानुसार रविवार सुबह भी प्रदर्शन हुए थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और पटाखे चलाए। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट पर आंसू गैस और पैट्रोल बम दागे। कई सरकारी इमारतों और गाड़ियों पर स्प्रे-पेंट से नारे लिखे, एक स्ट्रिप मॉल में आग लगा दी और कई दुकानों में तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारियों ने मेक्सिको का झंडा लेकर 'आईसीई लॉस एंजिल्स से बाहर जाओ' जैसे नारे भी लगाए। इसके बाद 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया।ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी के तहत आईसीई को हर दिन बिना दस्तावेज वाले 3000 आप्रवासियों को रिकॉर्ड संख्या में गिरफ्तार और डिपोर्ट करने का लक्ष्य है। छापेमारी की एक वजह कुछ व्यपारियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करना भी है। अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है।

दरअसल, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने दावा किया कि एक हजार प्रदर्शनकारियों ने एक फेडरल ऑफिस को घेरकर आईसीई अधिकारियों पर हमला किया। इन प्रदर्शनकारी मुख्य तौर से आप्रवासी समुदाय के समर्थक, स्थानीय निवासी, और आप्रवासी अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन जैसे कोएलिशन फॉर ह्यूमन इमिग्रेंट राइट्स और नेशनल डे लेबरर ऑर्गनाइजिंग नेटवर्क के सदस्य हैं।मिलिट्री स्टाइल में की गई छापेमारी आईसीई, होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट, एफबीआइ और ड्रग इन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के एजेंट्स ने मिलिट्री स्टाइल में छापेमारी की। एजेंट्स ने भारी हथियारों और सिक्योरिटी गियर जैसे गैस मास्क पहने थे। उन्होंने फ्लैश-बैंग ग्रेनेड, आंसू गैस और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। वेस्टलेक डिस्ट्रिक्ट में दो होम डिपो स्टोर, फैशन डिस्ट्रिक्ट में अंबियांस अपैरल, साउथ लॉस एंजिल्स में एक वेयरहाउस और एक डोनट शॉप पर छापेमारी की गई।ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को रिकॉर्ड संख्या में निर्वासित करने और अमेरिका-मेक्सिको सीमा बंद करने का वादा किया है।

ठाणे-ट्रेन से गिरकर 4 यात्रियों की मौत की खबर,5 घायल, सभी ट्रेन के गेट पर बैठे थे भीड़ ज्यादा होने की वजह से हादसा

ठाणे। ठाणे के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर आज सुबह लोकल ट्रेन से 9 यात्री नीचे गिर गए। इनमें 8 पुरुष, 1 महिला शामिल हैं। इनमें से 4 की मौत होने की खबर है। 5 घायल बताए जा रहे हैं। ये सभी ट्रेन के गेट पर बैठे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना कसारा-सीएसएमटी लोकल ट्रेन की है। सुबह ऑफिस जाने के समय भीड़ ज्यादा होने से यह हादसा हुआ। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। रेलवे प्रशासन और पुलिस घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। हादसे की जांच शुरू हो गई है। मामले के चलते लोकल ट्रेनों की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मुंब्रा रेलवे हादसे पर सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल धनराज नीला ने बताया, 'यह हादसा मुंब्रा और दिवा स्टेशनों के बीच डाउन/फास्ट लाइन पर हुआ। कसारा से आ रही लोकल ट्रेन और सीएसएमटी की ओर जा रही एक अन्य ट्रेन के यात्रियों ने फुटबोर्ड पर यात्रा करते हुए एक-दूसरे को टक्कर मार दी, जिससे कुछ लोग गिर गए।'

यूपी समेत 6 राज्यों में भी चढ़ेगा पारा, राजस्थान में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट, धूलभरी आंधी चलेगी,देश में श्रीगंगानगर सबसे ज्यादा गर्म 47.4 सेल्सियस रहा तापमान

नयी दिल्ली। देश का उत्तर पश्चिमी इलाका इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रविवार को राज्य का श्रीगंगानगर सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां 47.4 सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक 11 जून तक बीकानेर संभाग में पारा 45 से 47 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। 10 जून के बीच 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी हवाएं चल सकती हैं।राजस्थान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर में भी आज तापमान बढ़ सकता है। दिल्ली में सोमवार को तापमान 43 डिग्री रहने और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है। मानसून की बात करें तो यह अभी भी बिहार, बंगाल की सीमा पर अटका है। मध्य प्रदेश में 15 जून तक इसके पहुंचने की संभावना है। दक्षिणी राज्यों दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण आज कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है।भारत मौसम विभाग ने बताया है कि 1901 में जबसे रिकॉर्ड रखा जा रहा है, तबसे मई 2025 सबसे ज्यादा बारिश वाला मई महीना रहा है। इस साल देश में औसतन 126.7 मिमी बारिश हुई, जो कि लंबे समय के औसत 61.4 मिमी से 106फीसदी ज्यादा है। आईएमडी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मई 2025 में पूरे भारत में औसतन 126.7 मिमी और मध्य भारत में 100.9 मिमी बारिश हुई, जो 1901 के बाद सबसे ज्यादा है।1 जून की शाम को चाटेन में एक मिलिट्री कैंप भूस्खलन की चपेट में आ गया। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण क्षेत्र में सड़क संपर्क टूट जाने के कारण उत्तरी सिक्किम के चाटेन में फंसे कम से कम 28 लोगों और 20 जवानों को रविवार को एयर लिफ्ट किया गया। लापता सैनिकों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। रेस्क्यू से पहले खराब मौसम के कारण उत्तरी सिक्किम के लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग शहरों में करीब 2,000 पर्यटक कई दिनों तक फंसे रहे थे।10 जून- राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है। लू चल सकती है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है। 11 जून- राजस्थान,पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है।मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में सोमवार को आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत बाकी जिलों में गर्मी का असर रहेगा। 10 और 11 जून को ग्वालियर-चंबल संभाग में हीटवेव यानी, लू चलने का अनुमान है। इससे पहले रविवार को प्रदेश में दिन का तापमान ?44 डिग्री पार पहुंच गया, जबकि 21 शहर ऐसे रहे, जब तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया।

'नसबंदी में गलती सरकार की तो खर्चा भी उठाए':प्रयागराज में 11 साल बाद अदालत से इंसाफ; महिला बोली- नमक रोटी खाई, हार नहीं मानी

प्रयागराज। प्रयागराज से 41 किमी दूर बहरिया ब्लॉक में कलीपुर छाता गांव है। यहां अनीता और उनके पति विनय कुमार एक झोपड़ीनुमा घर में रहते हैं। दोनों पेशे से दिहाड़ी मजदूर हैं। इनके 6 बच्चे, जिसमें दो बेटी और चार बेटे हैं।25 अक्टूबर, 2013 को अनीता ने मऊआइमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नीलिमा से नसबंदी कराई। बताया गया कि नसबंदी सफल हो गई है।

तीन महीने बाद अनीता को अचानक पेट दर्द उठा। कमजोरी महसूस होने लगी। फिर 31 जनवरी, 2014 को अल्ट्रासाउंड हुआ। पता चला कि अनीता 16 हफ्ते 6 दिन की गर्भवती हैं. उन्होंने बताया 'सरकारी सिस्टम की लापरवाही के खिलाफ मैंने 11 साल लड़ाई लड़ी। नसबंदी के बाद भी गर्भवती हो गई थी। पांच बच्चे पहले से थे। मजदूरी कर नमक-रोटी खाकर बच्चों को पालती। ऐसे में छठा बच्चा कैसे पाल लेती? डॉक्टर बोले- अबॉर्शन करा दो। लेकिन, बच्चे को गर्भ में कैसे मार दूं। कर्जा लेकर दवा कराई और केस भी लड़ा। छठी बच्ची हुई। नसबंदी में चूक सरकार की ओर से हुई है तो उसका खर्च भी सरकार ही उठाए।'ये बातें प्रयागराज की उस महिला ने कहीं, जिसे 4 जून को स्थायी लोक अदालत से न्याय मिला। कोर्ट ने नसबंदी के बावजूद मां बनने पर सरकार पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पैदा हुई बेटी के भरण-पोषण के लिए सरकार को 5 हजार रुपए हर महीने 18 साल की उम्र तक या ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी होने तक देने होंगे। अनचाहे गर्भ से महिला को हुई मानसिक तकलीफ के लिए 20 हजार रुपए अदा करने होंगे। अनीता गर्भ की बात सुनकर सन्न रह गई। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह और बच्चों की जिम्मेदारी उठा सकें। डॉक्टर ने उन्हें गर्भ गिराने की सलाह दी, लेकिन जब तक वह अबॉर्शन के लिए रुपए का इंतजाम करतीं, गर्भ में पल रहा बच्चा 6 माह का हो चुका था। फिर उन्हें बच्चे को जन्म देना पड़ा। अब वह बेटी अंजलि 11 साल की हो चुकी है।लड़की पैदा हुई तो अनीता और विनय ने अप्रैल-2014 में प्रयागराज के चीफ मेडिकल अफसर को पक्षकार बनाते हुए स्थायी लोक अदालत में शिकायत दर्ज कराई। डॉक्टरों की चूक के लिए मुआवजे की मांग की।बातचीत में विनय कुमार ने कहा- मेरा बड़ा बेटा कृष्णा 8वीं तक पढ़ा, जो अब दिल्ली में कमाता है। उससे छोटा मुकेश 10वीं तक पढ़ा, अब सूरत में कमाता है। उससे छोटा हरिकेश 9वीं और अंकित 8वीं में पढ़ते हैं। बेटी अंतिमा 5वीं में पढ़ती है। सबसे छोटी बेटी अंजलि क्लास-2 में है।उन्होंने कहा- मेरे बड़े दोनों बेटे ज्यादा नहीं पढ़ पाएं, लेकिन सबसे छोटी बेटी अंजलि पढ़ने में तेज है। बेटी को चाहे कर्जा लेना पड़े, लेकिन जितना पढ़ना चाहेगी, उसे पढ़ाएंगे। अभी वो डॉक्टर बनने को कहती है। हम चाहते हैं कि वो पुलिस में भी जाए। जहां तक पढ़ेगी, हर हाल में पढ़ाएंगे। अनीता ने कहा- कोर्ट केस लड़ने के लिए पैसे नहीं थे। दूसरे से उधार लेकर जाती थी। मनरेगा में कभी एक महीने बाद तो कभी छह महीने बाद मजदूरी मिलती थी। कई बार कोर्ट से आती तो बच्चे भूखे दरवाजे पर मिलते, बहुत मुश्किलों का सामना किया। मजदूरी और कोर्ट आने-जाने के बाद घर पहुंचने में देर रात हो जाती। पैसे भी न रहते, कई बार नमक-रोटी खाकर सो जाते।नसबंदी के बावजूद गर्भ ठहरा तो अनीता और विनय ने डॉक्टर से मदद मांगी। डॉक्टर अबॉर्शन के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बता रहे थे। फिर दोनों मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज के पास पहुंचे। विनय बताते हैं कि सीएमओ के यहां कई चक्कर लगाया, कुछ समाधान नहीं मिला। तब वकील सुधाकर मिश्रा की मदद से स्थायी लोक अदालत का दरवाजा खटखटाया। वकील सुधाकर मिश्रा ने बताया- अदालत से नोटिस भेजे जाने के बाद भी 8 साल तक सीएमओ दफ्तर से नोटिस का जवाब नहीं दिया गया। लगातार लापरवाही बरतने पर अदालत ने मामले में सीएमओ की जवाबदेही तय करने का नोटिस भेजा तो पहली बार सीएमओ 29 जुलाई, 2022 को अदालत में हाजिर हुए। लोक अदालत ने सुलह की पेशकश करते हुए अनीता और स्वास्थ्य महकमे को आपसी समझौता करने का एक मौका दिया। जिसमें अनीता ने अपने वकील के जरिए बेटी अंजलि के पढ़ाई परवरिश और शादी के खर्च के रूप में 5 लाख रुपए की मांग की। इस पर हेल्थ अफसरों ने सरकारी तौर पर 60 हजार रुपए से अधिक के मुआवजा न दे पाने की बात कही। मजबूरन अदालत ने समझौता न हो पाने की स्थिति में कोर्ट कार्रवाई जारी रखी।

वकील सुधाकर मिश्रा बताते हैं, 11 साल के इस मुकदमे में करीब 130 बार सुनवाई हुई। पांच बार पीठासीन अधिकारी बदले गए। राज्य सरकार और सीएमओ कार्यालय की ओर से लगातार मामले को टालने की कोशिशें होती रहीं। लेकिन, अनीता ने हार नहीं मानी। कभी पैदल चलकर तो कभी कर्ज लेकर वह अपने पति के साथ हर तारीख पर पेश होती रहीं।अनीता ने कोर्ट में कहा- डॉक्टर की गलती से मेरी जिंदगी फिर से उलझ गई। अब इस बच्चे का खर्च मैं कैसे उठा पाऊंगी? नसबंदी में चूक सरकार की ओर से हुई है तो उसका खर्च भी सरकार ही उठाए।

इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग के जहाज को कब्जे में लिया:5 बोट ने समंदर में घेरा, सभी कार्यकर्ता हिरासत में; इजराइल लेकर जा रहे

नयी दिल्ली। इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता और नोबेल पीस प्राइज विजेता ग्रेटा थनबर्ग और उनके जहाज को कब्जे में ले लिया है। सोमवार तड़के इजराइल की 5 स्पीड बोट्स ने जहाज को घेर लिया। इसके बाद सैनिकों ने जहाज पर चढ़कर उसे अपने कंट्रोल में ले लिया। यह जहाज गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहा था। मैडलीन नाम के इस जहाज पर 12 लोग सवार हैं। सभी सेना की हिरासत में हैं। अब इस जहाज को गाजा की जगह इजराइल ले जाया जा रहा है। ग्रेटा और उनके साथियों ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि इजराइली सैनिकों ने उन्हें और उनके साथियों को इंटरनेशनल वाटर्स में अगवा कर लिया है। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही थीं।थनबर्ग अपनी टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थीं। ग्रेटा ने रवाना होने से पहले बयान दिया- 'अगर इंसानियत में उम्मीद बची है, तो हमें फिलिस्तीन के लिए आवाज उठानी होगी। यह मिशन मुश्किल और खतरनाक हो सकता है, लेकिन गाजा में जो हो रहा है, उस पर चुप रहना उससे भी ज्यादा बुरा है।'

हाईकोर्ट के सामने वकीलों की मेज कुर्सियां हटाईं गईं,फ्लाईओवर के नीचे बनी दुकानों को भी हटाया गया,रात प्रशासन ने की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। हाईकोर्ट के सामने फ्लाईओवर के नीचे वकीलों की कुर्सी मेजों को देर रात नगर निगम और पुलिस टीमों ने हटा दिया। साथ ही हाईकोर्ट के आसपास अतिक्रमण कर बनाई गईं दुकानों को भी आधी रात हटा दिया गया। यह मामला काफी दिनों से चर्चा में था।सैकड़ों वकीलों ने फ्लाईओवर के नीचे कुर्सियां, मेज आदि लगाकर एक तरह से बैठने का स्थान बना लिया था। वादकारियों से वहीं पर बातचीत होती थी। इससे आसपास का पूरा इलाका भरा रहता था। इसे हटाने की कोशिश कई बार हुई लेकिन वकीलों के विरोध की वजह से प्रशासन को हाथ पीछे खींचने पड़े।अब इसे लेकर आधी रात कार्रवाई की गई। हाईकोर्ट फ्लाईओवर के नीचे रखी सैकड़ों अधिवक्ताओं की कुर्सी व मेज को देर रात हटा दिया गया। नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे अतिक्रमण कर खोली गईं दुकानों को भी हटाया। इस दौरान नगर निगम व पुलिस अधिकारियों के साथ ही कई थाने की फोर्स व पीएसी के जवान तैनात रहे।फ्लाईओवर के नीचे रात करीब 12:30 बजे नगर निगम का दस्ता पहुंचा। साथ में नगर निगम के अधिकारी भी पहुंचे। कुछ ही क्षण में पुलिस अधिकारियों के साथ सिविल लाइंस, कैंट, धूमनगंज समेत कई थाने की पुलिस व पीएसी के जवान भी आ गए। नगर निगम की टीम ने फ्लाई ओवर के नीचे सैकड़ों की संख्या में रखी कुर्सी व मेज को उठाकर नगर निगम के वाहन में लादना शुरू कर दिया।

बच्ची से रेप मामले में बीकेयू का रेल रोको प्रदर्शन,किसान यूनियन की एसआईटी जांच की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज।

कौशांबी के सैनी थाना क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची से रेप मामला तूल पकड़ता जा रहा है। किसान यूनियन ने पीड़िता के पक्ष में आवाज उठाई है। उन्होंने सैय्यद सरावां रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोककर विरोध प्रदर्शन किया। यूनियन नेताओं का कहना है कि बच्ची स्वयं घटना का वर्णन कर रही है। इसे साजिश बताना गलत होगा। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने जल्दबाजी में बच्ची के पिता को जेल भेज दिया। मामले में एक पक्ष के युवक की कथित आत्महत्या हुई है। किसान यूनियन ने इस पर दुख जताया है। साथ ही कहा कि इस आधार पर पीड़ित परिवार को जेल भेजना उचित नहीं है। यूनियन का मानना है कि एकल अधिकारी की जांच में राजनीतिक दबाव की संभावना रहती है। इसलिए उन्होंने एसआईटी जांच की मांग की है। पांच-छह वरिष्ठ अधिकारियों की टीम से निष्पक्ष जांच की उम्मीद है। दोनों पक्ष अब पुलिस और प्रशासन की अगली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

प्रयागराज में झुलसाने लगी जून की धूप,19 जिलों में येलो अलर्ट जारी,11 जून के बाद मिल सकती है राहत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शहर में सूर्य की तपिश इतनी तेज थी कि कामकाजी लोग जल्दी लौटने की फिराक में दिखे। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, गर्म हवाओं और चिलचिलाती धूप ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया।सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और बाजारों में भी चहल-पहल कम रही। युवा, खासतौर पर छात्राएं और महिलाएं, मुंह ढककर, दुपट्टे और छातों से धूप से बचाव करती नजर आईं।मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, आने वाले तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने बताया कि नौतपा की अपेक्षाकृत राहत भरी अवधि के बाद अब गर्मी ने एक बार फिर विकराल रूप धारण कर लिया है। जून के पहले सप्ताह में जहां लोगों ने यह उम्मीद जताई थी कि इस बार गर्मी थोड़ी नरम रहेगी, वहीं अब तापमान और लू की चुभन ने शहरवासियों की परेशानियां बढ़ा दी हैं।सोमवार को प्रयागराज का अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जो सीजन का एक बड़ा उछाल माना जा रहा है।सुबह के समय ही 9 से 11 जून के बीच प्रयागराज के आस पास के जिलों में गर्म पछुआ हवाएं चलेंगी, जिससे लू का प्रकोप और बढ़ सकता है।राज्यभर के 23 से अधिक जिलों में पारा 40 डिग्री पार कर गया है और प्रयागराज भी उन्हीं में शामिल है। मौसम विभाग ने 19 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिनमें प्रयागराज, बांदा, कौशांबी, फतेहपुर, चित्रकूट, मिर्जापुर और झांसी जैसे जिले शामिल हैं।गर्मी के इस कहर के बीच राहत की उम्मीद 11 जून के बाद जताई जा रही है। पूर्वानुमान के अनुसार, तब पछुआ हवाओं की जगह पुरवइया चलने लगेगी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी के आसार बन सकते हैं, जिससे मौसम में कुछ नरमी आ सकती है। लेकिन फिलहाल, डॉक्टरों की सलाह है प्रयागराजवासियों को चाहिए कि तेज धूप से बचाव करें, धूप में अनावश्यक न निकलें और पानी की कमी न होने दें। लू से बचाव के लिए बच्चों और बुजुर्गों को विशेष ध्यान में रखें, क्योंकि यह मौसम सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

प्रयागराज में ट्रक चालकों से लूटपाट करने वाले पकड़े गए:मेजा में ग्रामीणों ने दौड़ाकर दबोचा, पूछताछ में कई साथियों के नाम उजागर

प्रयागराज। प्रयागराज के मेजा में रविवार रात एक लुटेरे गिरोह के सदस्य को स्थानीय ग्रामीणों ने पकड़ लिया। कोनिया भटौती इलाके में गिरोह ने एक ट्रक चालक से 17,000 रुपये की नकदी और 22,000 रुपये का मोबाइल छीन लिया था। चालक के साथ मारपीट भी की गई। इसी रात गिरोह ने दो और राहगीरों को भी अपना निशाना बनाया। जब वे कोनिया भटौती गांव के पास एक और वारदात की फिराक में थे, ग्रामीणों ने शोर मचाकर उन्हें खदेड़ना शुरू किया। अधिकांश बदमाश बाइक पर फरार हो गए। लेकिन एक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान पकड़े गए अपराधी ने अपने साथियों के नाम बताए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में ग्रामीण आरोपी से पूछताछ करते दिख रहे हैं। बाद में ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया।मेजा थाना क्षेत्र के कोहड़ार वाया मेजा रोड राजमार्ग पर चोरी और लूटपाट की घटनाएं आम हो गई हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई जा रही स्पेशल ट्रेन में एसी खराब, जमकर बवाल:प्रयागराज में यात्रियों ने चेन खींची, तीन घंटे रुकी ट्रेन

प्रयागराज। प्रयागराज के छिवकी जंक्शन के प्लेट फार्म नंबर 4 पर 6.50 पर पहुंची। हॉली डे स्पेशल ट्रेन 01124 के बी 3 के बोगी में बैठे यात्रियों ने एसी खराब होने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे स्टेशन अधीक्षक और आरपीएफ ने किसी तरह भीड़ को शांत कराया इसके बाद मैकेनिक को बुलवाकर एसी को सही कराया इसके बाद ट्रेन 10.00 बजे रवाना हो सकी। इस दौरान करीब तीन घंटे ट्रेन प्लेटफार्म पर रुकी रही।

रविवार की रात छिवकी के प्लेट फार्म नंबर 4 पर मऊ से मुंबई जाने वाली हॉली डे स्पेशल ट्रेन 01124 अपने समय 6.50 पर पहुंची। कुछ देर के बाद अपने निर्धारित समय पर ट्रेन चल दी। स्टेशन को छोड़ने के बाद स्टार्टर तक निकल गई। कुछ दूर चलते ही ट्रेन की एसी बी थर्ड बोगी में अचानक ऐसी खराब हो गई और कूलिंग करना बंद कर दिया। इसके बाद बोगी में बैठे यात्रियों को परेशानियां होने लगी। यात्रियों ने तत्काल चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। उस दौरान ट्रेन प्लेटफार्म को आधी रास्ते तक छोड़ चुकी थी। आधी ट्रेन प्लेटफार्म पर ही रुकी हुई थी। ट्रेन में बैठे यात्रियों ने बाहर निकाल कर प्लेटफार्म पर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामा की सूचना स्टेशन अधीक्षक राकेश राय और आरपीएफ इंस्पेक्टर छिवकी रवि प्रकाश कुजूर को मिली तो,वह मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को शांत करने का प्रयास किया। वही तत्काल मैकेनिक को बुलाकर एसी को मरम्मत करने का कार्य शुरू कर दिया गया। जिसके बाद ट्रेन को 10.00 बजे रवाना किया गया। इस अफरा तफरी और हंगामे के बीच तीन घंटे तक तीन प्लेट फार्म पर खड़ी रही।स्टेशन अधीक्षक राकेश राय ने बताया कि ट्रेन 6.50 पर छिवकी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंची थी। अचानक ऐसी के बी थ्री कोच में कूलिंग की समस्या आ गई। जिसके बाद यात्री ट्रेन से बाहर निकाल कर प्लेटफार्म पर आ गए थे। हंगामा जैसी कोई बात नहीं है। बोगी में लगे ऐसी को मरम्मत कर दिया गया जिसके बाद ट्रेन 10.00 बजे रवाना हो सकी।

यूपी की बड़ी खबरें:दूल्हे की दाढ़ी देख दुल्हन ने शादी से किया इनकार कहा- क्लीन शेव वाला लड़का चाहिए

लखनऊ। सीतापुर में दूल्हे के क्लीन शेव न होने पर दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। लड़का ढाढ़ी रखकर बारात लेकर पहुंच गया था। लड़की ने जैसे उसे देखा उसने कहा- मैं शादी नहीं करूंगी। मुझे क्लीन शेव वाला लड़का चाहिए। इसके बाद हंगामा हो गया।लड़की और लड़के पक्ष ने दोनों को समझाने में की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। बिना दुल्हन के बारात वापस लौट गई। मामला थाने तक पहुंच गया। पुलिस दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश कर रही है। अभी किसी की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। पिसावां के रहने वाले ननक्के ने अपनी बेटी अनीता की शादी हरदोई के मिहीपुर गांव निवासी राम गुलाम के बेटे विमल से तय की थी। विमल दिल्ली में स्पोर्ट कंपनी में सिलाई का काम करता है। 35 हजार रुपए की सैलरी है। तय समय और दिन के अनुसार 7 जून शाम को बारात पहुंची।घरातियों ने उनका स्वागत किया। जनवासे पर बारातियों को नाश्ता कराया गया। घरातियों ने डीजे, लाइट, खाना, और गिफ्ट सभी के इंतजाम कर रखे थे। इसके बाद बारात उठी। सभी बाराती नाचते गाते लड़की के घर पहुंचे। वहां द्वार पूजा का कार्यक्रम शुरू हुआ।लड़की को जब यह पता चला कि दूल्हा ढाढ़ी रखकर आया है तो उसने अपने परिवार वालों से शादी से करने से इनकार कर दिया। यह बात लड़की पक्ष ने लड़के वालों को बताई। उसकी दाढ़ी पर आपत्ति जताई। कहा- दाढ़ी वाले युवक से अपनी बेटी की शादी नहीं करेंगे।लड़के वालों ने समझाने का प्रयास किया कि शादी के बाद दूल्हा दाढ़ी कटवा देगा, लेकिन लड़की अड़ी रही। शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद दूल्हा और बाराती बिना शादी किए वापस लौट आए। पुलिस को भी सूचना दी। थाने में दोनों पक्षों को बुलाया गया। वहां समझौते का प्रयास हो रहा है।दुल्हन के पिता ननक्के ने बताया- बाराती शराब के नशे में धुत थे। पूजा के दौरान दूल्हे के पिता ने दहेज में अतिरिक्त मांग करते हुए बाइक की डिमांड रख दी। जिस पर हमारे परिवार ने मांग पूरी करने में असमर्थता जताई। इस पर लड़के वालों ने पक्ष आक्रोशित हो गया। इतनी ही नहीं शादी से पहले वर पक्ष ने दूल्हे के नाम पर 10 बीघा जमीन होने का दावा किया गया था, जो दावा झूठा निकला। उसके नाम कोई जमीन नहीं थी।वहीं दूल्हे विमल ने बताया- लड़की वालों ने दाढ़ी को मुद्दा बना दिया। मामला बढ़ता देख यह आश्वासन दिया गया कि शादी के बाद सुबह दाढ़ी कटवा दी जाएगी, लेकिन इस पर भी लड़की वाले तैयार नहीं हुए। थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष से थाने में शिकायत नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि दो पक्ष थाने पर मौजूद हैं। दोनों पक्षों में समझौता कराने का प्रयास किया जा रहा है।

अग्रवाल समाज की कार्यकारिणी के नए पदाधिकारियों ने ली शपथ:प्रयागराज में समाज की तरफ से दस हजार सदस्यों को जोड़ने का रखा लक्ष्य

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार को अग्रवाल समाज प्रयागराज के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोन कटरा स्थित रॉयल गार्डेन में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और अग्रसेन वंदना के साथ हुई। इसके बाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया और समाज की नई कार्यकारिणी के संगठनात्मक दृष्टि के साथ ही भविष्य की योजनाओं को समाज के सामने प्रस्तुत किया।अग्रवाल समाज की नई कार्यकारिणी के गठन और उनके शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज राजेश कुमार अग्रवाल रहे। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट आरके अग्रवाल व पद्मश्री डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल रहे। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि उनकी प्राथमिकता दस हजार सदस्यों को समाज से जोड़ना है। समारोह के दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, महामंत्री अभिषेक मित्तल, कोषाध्यक्ष मनीष गोयल, सह-कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, उपाध्यक्षगण, मंत्रीगण, सहमंत्रीगण तथा कार्यकारिणी सदस्यगण ने विधिवत शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष पियूष रंजन अग्रवाल ने अपने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांत समाज को समरसता, सेवा और समृद्धि की ओर ले जाते हैं। यह पद केवल सम्मान नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और उत्तरदायित्व का प्रतीक है।अग्रवाल समाज की नई कार्यकारिणी ने बताया कि वर्तमान में आजीवन सदस्यों की संख्या महज 1500 है। जिसको एक साल में दस हजार तक करने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा आगामी कार्ययोजनाओं की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि अग्रसेन भवन निर्माण, भव्य अग्रसेन जयंती समारोह, अग्रोहा धाम यात्रा, विवाह परिचय सम्मेलन, नियमित रक्तदान एवं चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर कई अन्य लोगों का भी चयन किया गया।

प्रयागराज में बिजली विभाग की मनमानी:किसान को ट्रांसफॉर्मर के लिए झूठा बयान देने का दबाव,मना करने पर नहीं हुई सेवा

प्रयागराज। प्रयागराज के गौहनिया में बिजली विभाग के कर्मचारियों की मनमानी का मामला सामने आया है। एक किसान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। गौहनिया पावर हाउस के जूनियर इंजीनियर अवधेश वर्मा और लाइनमैन पंकज कुमार पर आरोप है कि वे किसान विजय को झूठा बयान देने के लिए दबाव डाल रहे हैं। जेई ने कहा कि अगर वह उनके पक्ष में बयान देगा, तभी उसका ट्रांसफॉर्मर लगेगा। किसान ने झूठा बयान देने से इनकार कर दिया। इसके बाद लाइनमैन पंकज ने ट्रांसफॉर्मर लगाने से मना कर दिया। सुबह 9 बजे आई ट्रांसफॉर्मर की गाड़ी दोपहर 3 बजे बिना काम किए वापस लौट गई। किसान ने मीडिया को बताया कि उस पर खबर का खंडन करने का दबाव बनाया जा रहा है। ट्रांसफॉर्मर न लगने से उसकी धान की नर्सरी नष्ट हो रही है। क्षेत्र के हजारों किसान बिजली विभाग के इस रवैये से परेशान हैं।

बरात जा रहे बुजुर्ग की सड़क पर मिली लाश,प्रयागराज में 70 वर्षीय व्यक्ति को बेसुध हालत में पाया, अस्पताल में मृत घोषित

प्रयागराज। प्रयागराज के घूरपुर प्रतापपुर मार्ग पर एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। सोनौरी गांव के पास रात 12:30 बजे स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति को सड़क पर बेसुध पड़ा देखा। लालापुर पुलिस को सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा टीम के साथ मौके पर पहुंचे।मृतक की पहचान बनवारी भारतीय के रूप में हुई, जो बारा खास का निवासी था। वह अपने गांव के दीपक भारती की बरात में छरहरा गए थे। पुलिस ने बताया कि उनके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले। एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक मजदूरी करते थे और उनके दो पुत्र समयलाल और छोटू भी मजदूरी का काम करते हैं। परिवार ने मौत पर संदेह जताया है। पुलिस का मानना है कि रास्ते में अचानक हालत बिगड़ने से उनकी मृत्यु हुई। मौत का सही कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

यूपी में टीचरों के अंतरजनपदीय तबादले की प्रक्रिया आज से,परिषदीय शिक्षकों का 4 साल बाद हो रहा ट्रांसफर, ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज। प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षक व शिक्षिकाओं के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण चार वर्ष बाद फिर से होने जा रहा है। इसके लिए आज 9 जून से शिक्षक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। 12 जून तक ऑनलाइन आवदेन करने की प्रक्रिया चलेगी। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से अंतर्जनपदीय तबादले के संबंध में प्रदेश के सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किया है। लंबे अंतराल के बाद होने जा रहे ओपेन स्थानांतरण के लिए 6 से 7 जून तक आरटीई मानकों के आधार पर छात्र-शिक्षक अनुपात की गणना करते हुए शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की आवश्यकता वाले एवं आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले जिलों को चिह्नित किया गया और करते हुए सूची ऑनलाइन प्रदर्शित की गई।बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि शिक्षक- शिक्षिकाएं 9 से 13 जून तक ऑनलाइन आवेदन की छायाप्रति संबंधित बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करेंगे। बीएसए के स्तर से 14 जून को ऑनलाइन सत्यापन एवं डेटा लॉक किया जाएगा। एनआईसी लखनऊ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से 16 जून को स्थानांतरण करते हुए सूची जारी की जाएगी। अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के लिए सेवा अवधि की बाध्यता नहीं है। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद अंतर्जनपदीय स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके लिए शिक्षक काफी दिनों से मांग कर रहे थे।

मंडल की टीम में बीजेपी ने साधे समीकरण, प्रयागराज महानगर के 15 में से 13 मंडलों के पदाधिकारियों की सूची जारी,महिलाओं को तवज्जो

प्रयागराज। भाजपा महानगर के 15 मंडलों में से 13 मंडलों के पदाधिकारियों की सूची रविवार देर शाम जारी हो गई है। भाजपा महानगर की 16 सदस्यीय नई टीम में संगठन ने 3-3 महिलाओं को भी स्थान दिया है। जाति, वर्ग का ध्यान रखने के साथ पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को भी समायोजित करने की कोशिश की गई है। भाजपा के वेणी माधव और शिवकुटी मंडल में नए अध्यक्षों का चुनाव नहीं होने के कारण इन दोनों मंडलों में पुरानी कार्यकारिणी ही काम कर रही है।जिन 13 मंडलों के पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है उनमें विश्वविद्यालय, भारद्वाज, प्रीतमनगर, राजरूपपुर, सदर गंगापट्टी, सदर यमुना पट्टी, सिविल लाइंस, नैनी, मीरापुर आदि मंडल शामिल हैं। इन मंडलों में 6 उपाध्यक्ष, 6 मंत्री, 2 महामंत्री व एक कोषाध्यक्ष शामिल हैं।भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि आने वाले दिनों में विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक अभियान और 2027 के विधानसभा चुनाव में सफलता की चुनौती उनके कंधों पर है। उन्हें विश्वास है कि सभी पदाधिकारी संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। इस मौके पर डॉ. शैलेश कुमार पाण्डेय, कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, रवि केसरवानी, प्रमोद मोदी, विजय श्रीवास्तव, विजय पटेल, राजेश केसरवानी, विवेक मिश्रा, अजय सिंह, विवेक गौड़, सुजीत कुशवाहा व अन्य रहे।

प्रयागराज में अतीक गैंग के मेंबर पर केस दर्ज,जबरन जमीन कब्जा कर बैनामा कराने का आरोप, पुलिस कर रही जांच

प्रयागराज। म्योर रोड राजापुर के रहने वाले अजय कुमार ने जबरन जमीन का बैनामा करने का आरोप लगाते हुए कैंट थाने में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।आरोप है कि बेली निवासी मोहम्मद राशिद पर पहले से जमीनों पर कब्जा करने और गुंडा एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। वह अतीक गैंग का सक्रिय सदस्य है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।राजापुर के रहने वाले अजय कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी राजापुर देहमाफी में एक हजार वर्गमीटर जमीन है। कुछ महीने पहले मोहम्मद राशिद ने जबरन डरा धमकाकर उसकी 600 वर्गमीटर जमीन कुछ लोगों को बेच दी।बैनामा के समय फर्जी तरीके से अलग-अलग चेक के माध्यम से भुगतान दर्शाया गया है। जबकि उसे एक भी फूटी-कौड़ी नहीं मिली। आरोप है कि अजय जब भी रुपए मांगने जाता है।तो राशिद जान से मारने की धमकी देकर भगा देता है। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मोहम्मद राशिद के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

अयोध्या में 8 साल बाद बढ़ा जमीन का सर्किल रेट,राम मंदिर के आसपास प्लॉट 3 गुना महंगा हुआ, रिकाबगंज में रेट सबसे हाई

अयोध्या। अयोध्या में 8 साल के बाद जमीन का सर्किल रेट 35फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। यह बढ़ोतरी जमीन के उपयोग और जगह के आधार पर अलग-अलग है। नए सर्किल रेट के अनुसार जमीन की रजिस्ट्री आज सोमवार से शुरू हुई है। सबसे महंगी जमीन रिकाबगंज में 27 हजार 900 रुपए वर्ग मीटर है। राम मंदिर से करीब 5 किमी दूर माझा तिहुरा में पहले सर्किल रेट 1700 रुपए प्रति वर्ग मीटर था, इसे बढ़ाकर 5100 रुपए प्रति वर्ग मीटर किया गया है। राम मंदिर से करीब डेढ़ किमी दूर माझा बरेटा में पहले सर्किल रेट 5100 रुपए प्रति वर्ग मीटर था, इसे बढ़ाकर 7200 रुपए वर्ग मीटर किया गया है।राम मंदिर से 2 किमी दूर दर्शन नगर कुशवाहा में पहले सर्किट रेट 3900 रुपए वर्ग मीटर था, इसे बढ़ाकर अब 4900 रुपए वर्ग मीटर किया गया है।राम मंदिर से 5 किमी दूर सराय राशि माझा में पहले सर्किल रेट 1700 रुपए वर्ग मीटर था, इसे बढ़ाकर 3800 रुपए वर्ग मीटर किया गया है। राम मंदिर से 5 किमी दूर रामपुर हलवारा में पहले सर्किल रेट 1700 रुपए वर्ग मीटर था, इसे बढ़ाकर 3800 रुपए वर्ग मीटर किया गया है।जिला मजिस्ट्रेट निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया- अगस्त 2023 में हमारे प्रस्ताव पर आपत्तियां मिलीं। इस पर विचार करने के बाद हमने सर्किल रेट में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। लोगों की मांग थी कि कई क्षेत्रों में हमारे प्रस्तावों से ज्यादा बढ़ोतरी की जाए। प्रशासन ने सर्वे कराया। फिर बाजार दरों का ध्यान रखते हुए यह बढ़ोतरी की गई।सहायक महानिरीक्षक निबंधन वाईपी सिंह ने बताया- बढ़े सर्किल रेट से करीब 35फीसदी राजस्व बढ़ने की संभावना है। यह बढ़ोतरी आवासीय क्षेत्र में 10 से 40फीसदी, व्यवसायिक संपत्तियों में 20 से 50फीसदी और कृषि क्षेत्र में 5 से 50फीसदी की है। प्रशासन के पास 200 से 300फीसदी तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव आया था। आपत्तियों आदि के निस्तारण के बाद औसत वृद्धि 35फीसदी होने की जानकारी सहायक महानिरीक्षक ने दी है। 2017 से इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई थी। सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव 4 सितंबर 2024 को मांगे गए थे। तब से आठ साल बीत गए, अब इसे मंजूरी मिली है।सर्किल रेट किसी भी एक क्षेत्र के प्लाट, निजी घर या किसी जमीनी संपत्ति का वह न्यूनतम मूल्य होता है, जो वहां के प्रशासन द्वारा निर्धारित होता है। किसी भी दशा में उस संपत्ति के सर्किल रेट से कम स्टांप ड्यूटी पर रजिस्ट्री नहीं हो सकती है।

प्रयागराज में बच्चों की थिएटर वर्कशॉप,अभिभावकों ने भी किया मंच पर अभिनय, बच्चों के साथ प्रस्तुत किए दो नाटक

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज में चल रही रंगमंचीय कार्यशाला में बच्चों को थिएटर की विभिन्न विधाओं की शिक्षा दी जा रही है। 'थिएटर इन एजुकेशन' के विशेषज्ञ कुलदीप सिंह इस कार्यशाला का निर्देशन कर रहे हैं।कार्यशाला में बच्चे आत्मविश्वास, संवाद कौशल और अभिव्यक्ति की कला सीख रहे हैं। रविवार को आयोजित विशेष 'पैरेंट्स सेशन' में अभिभावकों ने बच्चों के साथ सक्रिय भागीदारी की।कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा स्वागत गीत से हुई। इसके बाद बच्चों ने 'संयुक्त परिवार' और 'स्कूल की शोले' नामक दो नाटक प्रस्तुत किए। इन नाटकों में सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों को सरल तरीके से दर्शाया गया।कई अभिभावक मंच पर आए और बच्चों के साथ अभिनय किया। इस साझा मंचन ने बच्चों और अभिभावकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत किया। यह कार्यशाला बच्चों के व्यक्तित्व विकास के साथ परिवार में संवाद को भी बढ़ावा दे रही है।सांस्कृतिक केंद्र के अनुसार, भविष्य में भी ऐसे सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इनके माध्यम से थिएटर को शिक्षा और सामाजिक विकास से जोड़ा जाएगा।

प्रयागराज में प्राथमिक शिक्षक भर्ती पर आंदोलन जारी,12वें दिन छात्रों ने नींबू-मिर्च से उतारी आयोग की नजर, 13 जून तक का अल्टीमेटम

प्रयागराज। प्रयागराज में नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर डीएलएड प्रशिक्षुओं का आंदोलन 12वें दिन में पहुंच गया है। सोमवार को प्रदर्शनकारी छात्रों ने प्रतीकात्मक विरोध किया। उन्होंने चयन आयोग की नजर उतारने के लिए मटके पर काला कपड़ा बांधा। साथ ही नींबू-मिर्च लटकाया और लोहबान जलाया। डीएलएड प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह के अनुसार, 28 मई को आयोग उपसचिव ने 10 दिन में निर्णय लेने का आश्वासन दिया था। लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद भी कोई बातचीत नहीं हुई है।धरनास्थल पर छात्र-छात्राएं धूप और गर्मी की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। विरोध में विनय सिंह, राहुल पांडेय, चक्रधर कुमार, रोहित तिवारी, राहुल यादव, राहुल पाल, अनुराग मौर्या, जूही द्विवेदी, नेहा और रूपा समेत कई छात्र शामिल हैं।रजत सिंह ने चेतावनी दी है कि 13 जून तक सकारात्मक निर्णय नहीं आया तो प्रदेशभर के डीएलएड छात्रों को प्रयागराज बुलाया जाएगा।छात्रों का कहना है कि यह सिर्फ नौकरी की नहीं, भविष्य और भरोसे की लड़ाई है। वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

प्रिया-रिंकू की सगाई में 'पंडितजी' ही सिर्फ अगड़े, बीजेपी से एक ही दलित मंत्री पहुंचे, अखिलेश परिवार के साथ 01:10 घंटे तक रहे

लखनऊ। सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह की सगाई के लिए तारीख, समय और वेन्यू (राजधानी लखनऊ का सेंट्रम होटल) तय था। सब कुछ उसी हिसाब से शानदार तरीके से हुआ, लेकिन इस सगाई समारोह की चर्चा राजनीतिक गलियारों में भी खूब हो रही है।राजनीति के जानकार कह रहे हैं कि यह महज एक निजी कार्यक्रम नहीं बल्कि राजनीतिक, सामाजिक समीकरण और विपक्ष की नई ताकत का बड़ा मंच बन गया। इस सगाई समारोह में सपा के पीडीए-पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक मॉडल की खुली झलक दिखी, जिसे समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पूरे परिवार के साथ पहुंचकर मजबूती दी।कार्यक्रम में मीडिया का प्रवेश वर्जित था, लेकिन इसके बावजूद कैमरों और खबरों से यह सबसे ज्यादा चर्चित कार्यक्रम बन गया। अखिलेश यादव, उनकी पत्नी सांसद डिंपल यादव, राज्यसभा सांसद जया बच्चन, रामगोपाल यादव सभी एक साथ पहुंचे। 1 घंटे 10 मिनट तक की उपस्थिति यह जताने के लिए काफी थी कि यह महज व्यक्तिगत रस्म नहीं, एक राजनीतिक रणनीति भी है।बीजेपी की तरफ से कार्यक्रम में केवल केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान पहुंचे। न कोई बड़ा-अगड़ा चेहरा, न कोई राजनीतिक शो- यह साफ संकेत है कि सपा सामाजिक घटनाक्रमों में पूरी ताकत के साथ फ्रंटफुट पर है।'सांसद प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज केराकत से सपा विधायक हैं। जब मीडिया में यह बात निकलवा बैठे कि 8 जून को रिंग सेरेमनी है, तभी से पत्रकारों की नजर इस कार्यक्रम पर टिकी रही। 8 जून को कैमरे सेंट्रम होटल मौजूद रहे। चाहे प्रवेश न हो, लेकिन बाहर से ही यह साफ हो गया कि सपा इसे पर्सनल नहीं, पॉलिटिकल बना चुकी है।वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ कलहंस कहते हैं, 'जब कोई नेता पूरे कुनबे के साथ किसी कार्यक्रम में पहुंचता है, तो उसका मकसद सिर्फ बधाई नहीं होता। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सगाई को एक मंच की तरह इस्तेमाल किया, जहां दलितों में युवा नेतृत्व को प्रोजेक्ट करने और अपने विकल्प को मजबूत करने का मैसेज साफ तौर पर दिया गया।'बहुजन राजनीति के नए चेहरों में चंद्रशेखर आजाद जहां अलग लाइन पर चल रहे हैं, वहीं अखिलेश यादव ऐसे मौकों से एक अलग संदेश दे रहे हैं कि सपा दलित नेतृत्व को अपने फ्रेम में गढ़ना चाहती है। प्रिया सरोज जैसी युवा सांसदों के जरिए सपा यह दिखा रही है कि अब दलित और पिछड़ा गठजोड़ सिर्फ गठबंधन का खेल नहीं, पार्टी की कोर स्ट्रैटजी है।पूर्वांचल की सांसद और पश्चिम यूपी के क्रिकेटर का यह संबंध केवल निजी नहीं, बल्कि एक भौगोलिक और सामाजिक सेतु बन गया है। अलीगढ़ से लेकर जौनपुर तक के प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने इसे 'यूपी-वाइड सियासी मैसेज' में बदल दिया।लखनऊ कैंट निवासी पंडित उमेश त्रिवेदी ने पूरी विधि-विधान से यह सगाई कराई। शुभ मुहूर्त 12:30 से 4:00 बजे तक पूजा-पाठ, मंत्रोच्चार और अंत में अंगूठी पहनाने की रस्म के साथ सगाई संपन्न हुई। वहीं, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला क्रिकेटर रिंकू सिंह की तरफ से इनवाइट थे।

संभल में मुसलमानों ने दरगाह पर बुलडोजर चलवाया:मस्जिद कमेटी बोली- मंदिर-मस्जिद सब टूटेंगे, सड़क चौड़ी होनी चाहिए

संभल। मुसलमान बुलडोजर चलवाकर दरगाह को गिरवा रहे हैं। हयातनगर के बहजोई रोड पर बनी दरगाह सड़क के रास्ते में आ रही थी। मस्जिद कमेटी ने रविवार को पहले इसे मजदूरों से तुड़वाया। फिर सोमवार को पूरी तरह हटाने के लिए बुलडोजर मंगवा लिया।सोमवार सुबह करीब 10 बजे हयातनगर थाना क्षेत्र के बहजोई रोड पर बनी दरगाह तोड़ी जाने लगी। इसे गिराने के लिए खुद मस्जिद कमेटी ने बुलडोजर मंगवाया। यह दरगाह बीच रास्ते पर बनी हुई है, जिससे चौड़ीकरण में दिक्कत आ रही थी। प्रशासन ने दरगाह को हटाने के लिए पिछले महीने नोटिस जारी किया था। मुस्लिम कमेटी के लोगों ने कहा कि हम बकरीद तक का इंतजार कर रहे थे। ईद उल-अजहा बीत जाने के बाद हम लोग खुद ही दरगाह को हटवा रहे हैं। इससे पहले हिंदू समाज के लोगों ने भी दरगाह के सामने बने मंदिर को खुद हटवाया था। यह मंदिर भी चौड़ीकरण में बाधा बन रहा था।दरगाह को हटाने के लिए प्रशासन ने एक महीने पहले नोटिस जारी किया था। मस्जिद कमेटी के लोगों ने कहा कि सड़क चौड़ी होनी चाहिए। इसलिए रास्ते में मस्जिद आए या मंदिर, दोनों ही टूटेंगे। मौके पर पुलिस प्रशासन की टीमें मौजूद हैं।मस्जिद कमेटी के सदस्य अकील अहमद ने बताया, अधिकारियों ने हमसे कहा था कि ये निर्माण के बीच में आ रहा है। इसे हटवाइए, मंदिर भी टूटेगा, मस्जिद भी टूटेगी। जब अधिकारी कह रहे हैं तो तुड़वाना ही पड़ेगा। आगे दरगाह है, पीछे मस्जिद है। जो एरिया निर्माण के बीच में आ रहा है। हम लोग उसे हटवा रहे हैं। बाकी एरिया पीछे की ओर शिफ्ट हो जाएगा।एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा ने बताया, पीडब्ल्यूडी की ओर से नोटिस दिया गया था, इसलिए दरगाह तोड़ी जा रही है। सड़क के हिस्से में जितना रकबा आ रहा है, उतना ही टूटेगा। अगर आगे की इमारत पूरी आ रही है तो पूरी ही टूटेगी। इसमें दरगाह के अलावा कुछ मस्जिद का हिस्सा भी है। मंदिर का भी आगे का कुछ हिस्सा सड़क चौड़ीकरण के लिए जा रहा है।

झांसी में मां-बेटे को लूटने वाले बदमाश का एनकाउंटर,पैर में गोली लगी, 1 माह पहले लुटेरों का पीछा कर रहे बेटे की एक्सीडेंट में हो गई थी मौत

झांसी। मां-बेटे को लूटने वाले बदमाश का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। उसके पैर में गोली लगी है। एक माह पहले उसने दो साथियों के साथ मिलकर वारदात की थी। तब मां बेटे बैंक से पैसा निकालकर बाइक से घर लौट रहे थे। छीना-झपट्टी में मां गिर गई, जबकि बेटे ने बदमाशों के पीछे बाइक दौड़ा दी थी। रास्ते में एक्सीडेंट में बेटे की मौत हो गई थी। तब से पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। रविवार रात को मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ा गया। जबकि उसके दो साथी शनिवार को पकड़े गए थे। उनसे लूट के अलावा चोरी की दो वारदात ट्रेस हुई है। तीनों से 49 हजार रुपए, तमंचा, कारतूस व बाइक बरामद हुई है।एसपी ग्रामीण डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि रविवार रात को मुखबिर ने सूचना दी कि चोरी व लूट करने वाला बदमाश गुरसराय रोड से होकर गुजरने वाला है। इस पर चिरगांव पुलिस और स्वाट टीम गुरसराय रोड पर डबरा मोड़ के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बदमाश बाइक पर आते हुए दिखाई दिया। रोकने पर वह बाइक मोड़कर भागने लगा।घेराबंदी की तो फायरिंग करने लगा। काउंटर अटैक में उसके पैर में गोली लगी है। इससे वह घायल हो गया। आरोपी ने अपना नाम सरकार सिंह (20) पुत्र रम्मू बहेलिया बताया। वह एरच के दूढी गांव का रहने वाला है। उसे मेडिकल कॉलेज में एडमिट करवाया गया है। शनिवार को उसके साथी कन्नासी उर्फ नेना बहेलिया व एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया था।तीनों आरोपियों से पूछताछ में 3 वारदात ट्रेस हुई। चिरगांव में लूट के अलावा आरोपी ने समथर और मोंठ थाना क्षेत्र में चोरी की दो वारदातों को अंजाम दिया था। आरोपी सरकार सिंह से चोरी के 25 हजार रुपए, घटना में इस्तेमाल तमंचा और बिना नंबर की बाइक बरामद हुई है। वहीं, नेना बहेलिया व बाल अपचारी से 24 हजार रुपए, तमंचा, कारतूस, लूटे हुए दो आधार कार्ड बरामद हुए हैं।5 मई को मोंठ के अमरा गांव निवासी ओमवती अपने बेटे प्रेमनारायण उर्फ मोहित के साथ चिरगांव गई थी। यहां बैंक ऑफ इंडिया से 67 हजार रुपए निकाले। जबकि वह 25 हजार रुपए पहले से लिए थी।

पूर्व सीएम के कारोबारी रिश्तेदार, उनके बेटे-बहन की मौत:शाहजहांपुर में ट्रक से टकराई कार, युवक ने 500 रुपए लेकर हॉस्पिटल का रास्ता बताया

लखनऊ। शाहजहांपुर में होंडा सिटी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में गोरखपुर

के होटल कारोबारी, उनकी बहन और ढाई साल के बेटे की मौत हो गई। पत्नी और ड्राइवर और भांजा गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि 10 फीट की कार पिचक कर महज 7 फीट रह गई।कार का अगला हिस्सा ट्रक में चिपक गया। परिवार के सभी लोग गाड़ी में फंस गए। पीछे एक अन्य कार में चल रहे परिजनों ने लोहे की सरिया से गेट तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। घटना सोमवार सुबह 6:30 बजे रोजा थाना क्षेत्र में जमुका के पास की है। होटल कारोबारी के चचेरे भाई ने बताया कि एक युवक ने 500 रुपए लेने के बाद हॉस्पिटल का रास्ता बताया।होटल कारोबारी अपने परिवार और रिश्तेदार के साथ दो कार से गर्मी की छुट्टियों में नैनीताल घूमने जा रहा थे। होंडा सिटी कार में होटल कारोबारी, उनकी पत्नी, ढाई साल का बेटा और बड़ी बहन और भांजा बैठा हुआ था। कार ड्राइवर चला रहा था। जबकि दूसरी कार में अन्य रिश्तेदार थे। हादसे के बाद थोड़ी देर में घटनास्थल पर पहुंचे। होटल कारोबारी यूपी के पूर्व सीएम कमलापति त्रिपाठी के रिश्तेदार थे, जबकि उनकी बहन गोरखपुर के डिप्टी सीएमओ की पत्नी हैं।गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र के मलालो निवासी होटल कारोबारी शिवम (36) अपने परिवार और अन्य रिश्तेदारों के साथ दो कार से रविवार सुबह 4 बजे नैनीताल घूमने के लिए निकले। होंडा सिटी कार में शिवम अपनी पत्नी शालिनी पांडेय, ढाई साल के बेटे माधवन, थाना खैराबाद के मालवीस नगर निवासी बहन श्वेता द्विवेदी (42), उनके बेटे शिवांश (7) के साथ थे।कार उनका ड्राइवर अंगद चला रहा था। जबकि दूसरी कार में उनके चचेरे भाई अमृतेश और अन्य रिश्तेदार थे। पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह शिवम की होंडा सिटी कार साढ़े छह बजे शाहजहांपुर के रोजा थाना क्षेत्र में जमुका के पास रोड के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी 5 लोग अंदर फंस गए। अमृतेश ने बताया- हमने सरिया लेकर कार में फंसे लोगों को निकाला और अपनी इनोवा कार से राजकीय मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। जहां शिवम, उनके ढाई साल के बेटे माधवन और बहन श्वेता को मृत घोषित कर दिया गया। शिवम की पत्नी शालिनी, श्वेता के बेटे शिवांश और ड्राइवर अंगद का इलाज चल रहा है।अमृतेश ने बताया- हादसे के बाद किसी ने भी हमारी मदद नहीं की। अस्पताल का रास्ता कई लोगों से पूछा, पर किसी ने नहीं बताया। एक राहगीर ने काफी खुशामद करने के बाद 500 लिए और तब जाकर अस्पताल का एड्रेस बताया।पुलिस ने बताया- शिवम का परिवार गोरखपुर में काफी प्रतिष्ठित है। वहां इनका शिवाय नाम से एक होटल है। शिवम के पिता कृष्ण कुमार पूर्व सीएम कमलापति त्रिपाठी के फुफेरे भाई हैं। शिवम के जीजा कमलेश शुक्ला देवरिया से कांग्रेस के पूर्व विधायक रह चुके हैं। उन्होंने हादसे के बाद शाहजहांपुर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की। वहीं बहन श्वेता के पति डॉ. डॉ. नीरज द्विवेदी गोरखपुर में डिप्टी सीएमओ हैं।राजकीय मेडिकल कॉलेज से शिवांश (7) को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। उसकी हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। शिवम की पत्नी शालिनी के मल्टीपल फ्रैक्चर हैं। उसका राजकीय मेडिकल कॉलेज में ही इलाज चल रहा है। ड्राइवर अंगद की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। शिवम के पिता कृष्ण कुमार ने बताया- श्वेता के बच्चों की गर्मी की छुट्टियां थीं, वह पति के साथ अपने मायके में आई थी। इसी दौरान नैनीताल का प्लान बना। जहां से हरिद्वार जाने का भी प्लान था। दो गाड़ियों में रविवार सुबह 4 बजे पूरा परिवार गोरखपुर से रवाना हुआ था।पुलिस ने 15 मिनट में शुरू किया रेस्क्यू शुरुआती जांच में सामने आया है कि ट्रक सड़क किनारे खड़ा था, जिसका कुछ हिस्सा रोड पर था। होंडा सिटी कार ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। रोजा थाना पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और 15 मिनट के अंदर रेस्क्यू शुरू किया गया।हादसे के दौरान पीछे चल रही इनोवा कार में सवार अन्य परिजन कुछ ही देर में घटना स्थल पर पहुंच गए। बुरी तरह से घायल शिवम व अन्य को देखकर चीखने लगे। रोते-बिलखते हॉस्पिटल पहुंचे। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में बीमार पति को छोड़ गई पत्नी, मौत:झांसी में नर्स ने फोन किया तो बोली- मुझे कोई मतलब नहीं, मैं नहीं आऊंगी

झांसी। मेडिकल कॉलेज में एक महिला अपने बीमार पति

और 11 साल के बेटे को छोड़कर चली गई। जब वह काफी देर तक नहीं लौटी, तब नर्स ने उसे फोन लगाया। इस पर उसने जवाब दिया कि मुझे कोई मतलब नहीं, मैं नहीं आऊंगी। बच्चे ने भी उससे बात की, लेकिन महिला नहीं आई। आखिरकार बीमार पति ने 2 दिन बाद दम तोड़ दिया।पति को टीबी की बीमारी थी। उसकी 5 दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ी। महिला ने पति को महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। 3 दिन बाद अस्पताल से उसे डिस्चार्ज कर दिया गया, लेकिन पत्नी उसे घर नहीं ले गई। फिर बहन ने फोन पर बात करके उसे डिस्चार्ज कराया। वार्ड बॉय उसे सीढ़ियों तक छोड़कर गया। लेकिन जब तक बहन उसे लेने पहुंची, तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया।सीएमएस डॉ. सचिन माहुर ने बताया- बड़ागांव में रहने वाले सुनील गुप्ता (45) को 2 जून को घरवालों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। उनको टीबी की बीमारी और खून की कमी थी। मरीज को मेडिसिन वार्ड-6 में भर्ती किया गया था। देख--रेख के लिए पत्नी रुकी थी। साथ में 11 साल का बेटा भी था। 5 जून को घरवालों को लगा कि सुनील नहीं बचेंगे। उन्होंने घर ले जाकर सेवा करने के लिए छुट्?टी मांगी। इस पर डॉक्टरों ने डिस्चार्ज कर दिया। लेकिन, उससे पहले ही पत्नी, पति और बेटे को छोड़कर चली गई। जब वह काफी देर तक नहीं लौटी, तो नर्स ने पत्नी से फोन पर बात की। तब उसने आने से मना कर दिया। बोली- मुझे कोई मतलब नहीं। इसके बाद दोबारा से सुनील को वार्ड में रखा गया। उसका फिर से इलाज शुरू किया गया। बेटा भी अपने रिश्तेदारों को बुलाने की कोशिश करता रहा, लेकिन कोई नहीं आया। 7 जून को सुनील गुप्ता की बहन से फोन पर नर्स की बात हुई। बहन ने कहा- मेरे भाई को वार्ड के नीचे भिजवा दीजिए, हम लेने आ रहे हैं। इसके बाद सुनील को वार्ड बॉय व्हीलचेयर से नीचे लेकर गया। बाद में वहां सुनील ने दम तोड़ दिया। इसके बाद बहन आई और शव लेकर चली गई।सुनील की मौत के बाद परिजनों ने आरोप लगाए थे कि 5 जून को डिस्चार्ज होने के बाद से मरीज वार्ड के बाहर पड़ा था। उसे इलाज नहीं मिला। इसलिए सुनील की मौत हो गई। इस पर सीएमएस डॉ. सचिन माहुर ने 8 जून को जांच की। सीएमएस डॉ. माहुर ने बताया- 7 जून तक मरीज का इलाज चला। बहन के कहने पर वार्ड बॉय मरीज को बाहर छोड़ने गया। इसके सीसीटीवी भी हैं। घरवाले झूठे आरोप लगा रहे हैं।

संत की लाश पड़ी रही, जमीन के लिए लड़ते रहे:यूपी में मंदिर की 50 करोड़ की जमीन, प्रशासन ने अपने कब्जे में ली

मैनपुरी।ये कहना है बाबा सुरेंद्र दास के समर्थक राम किशन दास का। मैनपुरी में राम जानकी मंदिर के महंत 70 साल के बाबा सुरेंद्र दास की मौत के बाद से विवाद चल रहा है। महंत की लाश पड़ी रही और दोनों गुट मारपीट करते रहे। बाबा सुरेंद्र दास अंतिम संस्कार करने को लेकर एक पक्ष धरने पर बैठ गया। बाद में जमीन के कागज दिखाने पर मंदिर के बगल वाली जमीन पर बाबा सुरेंद्र दास का अंतिम संस्कार हुआ, लेकिन मंदिर के आसपास माहौल अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस फोर्स तैनात है। बाबा सुरेंद्र दास के समर्थक राम किशन दास- 'वो लोग आश्रम में कब्जा करना चाहते हैं। हमारे सुरेंद्र दास बाबा तो 6-7 साल की उम्र से यहां पर रह रहे थे। ये पूरी 18 बीघा जमीन इन्हीं के नाम है। यहां पर जो रघुनंदन दास रहता है वो तो हिस्ट्रीशीटर है। औरैया से यहां पर लाया गया था। बस इनकी तो एक ही इच्छा कैसे इस जमीन पर प्लॉटिंग हो जाए और ये लोग मालामाल हो जाएं।' बाबा सुरेंद्र दास अंतिम संस्कार करने को लेकर एक पक्ष धरने पर बैठ गया। बाद में जमीन के कागज दिखाने पर मंदिर के बगल वाली जमीन पर बाबा सुरेंद्र दास का अंतिम संस्कार हुआ, लेकिन मंदिर के आसपास माहौल अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस फोर्स तैनात है। घटना की सच्चाई जानने के लिए दैनिक भास्कर टीम मैनपुरी से 36 किलोमीटर दूर किशनी थाना क्षेत्र के रामजानकी मंदिर पहुंची। जटपुरा चौराहे पर ये मंदिर बना हुआ है। मंदिर के पास का एरिया डेवलप है। 400 दुकानें बनी हुई हैं। चौराहे से जाने वाली तीन सड़कों पर तो निर्माण हो रखा है, लेकिन मंदिर वाली सड़क पर अभी कुछ नहीं बना हुआ है। मंदिर से जुड़ा यह विवाद 5 साल पहले शुरू हुआ। जब मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र में बने राम जानकी मंदिर की जमीन पर भू-माफिया की नजर पड़ी। ये एरिया पहले डेवलप नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे क्षेत्र का विकास हुआ और जमीन की कीमत बढ़ती चली गई। यहां जमीन की कीमत 5 से लेकर 8 हजार रुपए प्रति स्क्वायर फीट है। आज मंदिर की 18 बीघा जमीन की कीमत लगभग 50 करोड़ आंकी जा रही है।इस मामले में कोई भी कुछ भी खुलकर नहीं बोल रहा है। लोगों का कहना है- इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया- आज से 50-60 साल पहले इस जमीन की कोई कीमत नहीं थी। लेकिन धीरे-धीरे विकास यहां तक पहुंचा। आज जीरो रेट वाली

सड़क का दाम करोड़ों तक पहुंच गया है। हम बोलेंगे तो दिक्कत हो जाएगी। बहुत कहने पर चौराहे के पास दुकान लगाए सुशीला देवी ने हमसे बात की। उन्होंने बताया- वो 25 साल पहले यहां आई थी। तबसे वो बाबा सुरेंद्र दास और उनके गुरु को यहां पर देख रही हैं। गुरु की मौत के बाद बाबा सुरेंद्र दास ही यहां पर सब देखते हैं। वहीं पूजा-पाठ, साफ-सफाई सब करते थे। इसे ज्यादा सुशीला ने हमें कुछ नहीं बताया।ये मंदिर साल 1960 में बना था। तब यहां पर बाबा हरभजन दास रहते थे, उनके पास बस एक झोपड़ी थी। काफी समय बाद क्षेत्र के लोगों ने चंदा लगाकर उनके लिए एक कमरा बनवाया था। साल 1980 में उनकी मौत के बाद उनके शिष्य सरयू दास को मंदिर की कमान सौंप दी गई। 30 साल तक वो यहीं पर रहे। सरयू दास के रहते ही सुरेंद्र दास यहां पर आ गए थे। उस समय वो बच्चे थे, लेकिन मंदिर और बाबा की खूब सेवा करते थे। साल 2010 में सरयू दास की मृत्यु के बाद सुरेंद्र ही मंदिर के महंत बने।ये पूरी जमीन साल 1960 में ही मंदिर के महंत के नाम कर दी गई थी। जो भी इस मंदिर का महंत बनेगा, उसके नाम मंदिर की जमीन हो जाएगी। उस हिसाब से इस समय ये जमीन बाबा सुरेंद्र दास की थी। मंदिर की जमीन पर कोई भी किसी भी तरह का कार्यक्रम नहीं कर सकता था। बस उस पर खेती-किसानी की जाती थी। जिससे मंदिर के आयोजनों का खर्चा निकलता। लेकिन भू-माफिया की नजर पड़ते ही विवाद शुरू हो गया। ये भी बताया जाता है कि कुछ लोगों ने तो सुरेंद्र बाबा से जमीन उनके नाम करने की बात कही। बदले में मोटी रकम देने का लालच भी दिया, लेकिन वो नहीं माने। इस मंदिर की 4 बीघा जमीन बाबा सुरेंद्र दास के नाम है। वो इसी डर से वो जमीन भी मंदिर के नाम नहीं कर रहे थे। उनको लगता था कहीं मंदिर की जमीन पर कब्जा हो गया तो कम से कम थोड़ी जमीन तो उनके पास रहेगी।आसपास के लोगों के मुताबिक, 5 साल से यहां विवाद ज्यादा बढ़ गया था। आए दिन कोई न कोई विवाद खड़ा हो जाता था। डर की वजह से लोगों ने मंदिर तक जाना बंद कर दिया था। अभी 2 साल पहले एक बहुत बड़े भू-माफिया ने यहां पर औरैया के रघुनंदन को महंत बनाकर बैठा दिया और बाबा सुरेंद्र को मंदिर से बाहर निकाल दिया। आरोप है कि रघुनंदन हिस्ट्रीशीटर है। उस पर केस भी दर्ज हैं। वो भू-माफिया बहुत पावर फुल है, इस वजह से कोई उसका विरोध नहीं कर पाया। लेकिन बाबा सुरेंद्र दास फिर भी लड़े। उन्होंने मंदिर वापस पाने की बहुत कोशिश की। थाने के चक्कर काटे। पुलिस से मदद मांगी, सीएम तक से शिकायत की, लेकिन उन्हें कहीं से राहत नहीं मिली। वो अपने शिष्यों के पास रहने लगे। कभी-कभी वो मंदिर आते तो उनको अंदर नहीं जाने दिया जाता था। वो बहुत दुखी रहते थे। उनको यहां पर बहुत अपमानित किया जाता। इस पूरे मामले में क्षेत्र का एक भाजपा नेता भी शामिल है।5 जून को रघुनंदन को महामंडलेश्वर बनाने के लिए मंदिर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बात की जानकारी जब बाबा सुरेंद्र को लगी तो वो परेशान हो गए। वो अपने एक शिष्य के साथ भागवत कथा में शामिल होने गए थे। जहां पर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जब तक वो अपने आश्रम तक पहुंचते, उनकी मौत हो गई। बाब सुरेंद्र दास के अनुयायियों का आरोप है कि बाबा की मौत उनकी जमीन पर कब्जा करने पर हार्ट अटैक से हुई है।बाबा सुरेंद्र दास के समर्थक राम किशन दास का कहना है- हमारे बाबा की मौत अपमान और उनकी जमीन पर कब्जा होने की चिंता से हुई। वो इस बात से बहुत परेशान रहते थे। इन लोगों ने मरने के बाद भी उनको जो सम्मान मिलना चाहिए था, वो नहीं दिया। हम लोग पुलिस से मांग करते हैं, सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई हो।बाबा सुरेंद्र दास (70) किशनी थाना क्षेत्र की चौकी कुसमरा क्षेत्र के गांव नगला अहिर के निवासी थे। उन्होंने लगभग 5-6 साल की उम्र में अपने घर को छोड़ दिया था। उसके बाद वह ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए अपने गुरु जी सरयू दास के पास आकर रहने लगे थे। इन्होंने अपना पूरा जीवन राम जानकी मंदिर की सेवा पर ही लगा दिया था। उनका एक भतीजा रमेश, उनसे मिलने आता रहता था।सीओ भोगांव सत्य प्रकाश शर्मा ने बताया- राम जानकी मंदिर पर दो बाबाओं के अनुयायियों के बीच विवाद था। बाबा रघुनंदन दास मंदिर के अंदर थे और बाबा सुरेंद्र दास का शव मंदिर के बाहर रखा हुआ था। दोनों के अनुयायियों के बीच शव के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद हुआ था। सभी को समझाकर मामला शांत करा दिया गया है। बाबा रघुनंदन दास को भी मंदिर से बाहर कर दिया गया है। मंदिर के अध्यक्ष तहसीलदार किशनी हैं। शव यात्रा के दौरान पत्थर फेंकने और हंगामा करने के आरोप में अब तक 13 लोगों पर शांति भंग की कार्रवाई की जा चुकी है।

पार्क में बुर्का पहनकर अय्याशी करोगी:बरेली में हैदरी दल की लड़कियों से गुंडागर्दी

बरेली। समय- सात जून की दोपहर, स्थान- बरेली का गांधी उद्यान पार्क, कुछ युवक व युवतियां यहां पर बैठकर आपस में बातें कर रहे हैं। उनमें सभी धर्मों के लोग हैं। तभी यहां पर 8-10 लड़के आ धमकते हैं। यह लोग अपने आपको हैदरी दल का सदस्य बताते हैं और युवतियों को धमकाकर उनका बुर्का निकलवाने का प्रयास करते हैं। अभद्रता करते हैं। मुस्लिमों का नाम खराब करने की बात कहकर गाली-गलौज करते हैं। इस सबका वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर देते हैं। बरेली में बेटियों के साथ शर्मनाक और घिनौनी करतूत के बाद शनिवार को ही यह संगठन सुर्खियों में आया है। ये संगठन अपने आपको इस्लाम का सरपरस्त बताता है। एक हिंदू वादी नेता की शिकायत पर पुलिस ने इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस आरोपियों को ढूंढ़ रही है। लेकिन लड़कियां इनकी वजह से दहशत में हैं। दैनिक भास्कर ने पूरे मामले की पड़ताल की। आप भी जानिए कौन है हैदरी दल जो बेटियों परेशान कर रहा, अचानक कहां से आया, क्या थीम है पिछले दिनों में क्या- क्या किया।हैदरी दल बरेली के नाम से बने संगठन ने इंस्टाग्राम पर दो दिन पहले ही पिर्र्र्र्ङगत्त्व के नाम से अकाउंट बनाया है। इसमें 8 पोस्ट की गई हैं, जिनमें 4 फॉलोअर्स हैं। सभी आठों पोस्ट नफरत से भरी हुई हैं। इसमें 'लव जिहाद' की तरह 'भगवा लव ट्रैप' का नाम दिया गया है। इस हैदरी दल का काम बेटियों को परेशान करना है। इस्लाम के नाम पर ये दल मुस्लिम बेटियों को पार्कों में पकड़कर परेशान करता है। बेटियों को बेइज्जत करता है और इस्लाम की दुहाई देता है। 'हिजाब उतारकर बैठोगी ? ये तुम्हारे मां-बाप की जागीर नहीं है। ये फातिमा की जागीर है।

थाना अनपरा द्वारा शांतिभंग के दृष्टिगत 03 अभियुक्तगण के विरूद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) निर्देशन व क्षेत्राधिकारी पिपरी के

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाए जाने के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 09/06/2025 को थाना अनपरा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत शांति भंग करने वाले 03 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध शांति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत धारा 170/126/135 बीएनएस की निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 1. सत्यनारायण पुत्र बिहारीलाल निवासी रणहोर थाना अनपरा सोनभद्र उम्र 32 वर्ष। 2. पारसनाथ पुत्र राजाराम निवासी रणहोर थाना अनपरा सोनभद्र उम्र 42 वर्ष।3. बबलू यादव पुत्र शुक्लाराम यादव निवासी रेहटा थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार करने वाली टीम-1. प्रभारी निरीक्षक शिव प्रताप वर्मा थाना अनपरा , 2. उप निरीक्षक रमाकांत पाल थाना अनपरा, 3. उपनिरीक्षक सच्चिदानंद दास थाना अनपरा , 4. हेड कांस्टेबल रामनिवास यादव थाना अनपरा ,5. कांस्टेबल अजीत यादव थाना अनपरा जनपद सोनभद्र, 6. कांस्टेबल रमेश गौड़ थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।

शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिये दिशा-निर्देश-डीएम

अपने-अपने सर्किल में पड़ने वाले तहसील पर सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं

सोनभद्र। 'सम्पूर्ण समाधान जाए, जिससे फरियादियों को

दिवस' के अवसर पर जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील दुद्धी पर जन शिकायतों को सुना गया तथा 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके।इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार द्वारा तहसील ओबरा पर व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारि सिटी सीओ डॉक्टर चारू द्विवेदी सदर सीओ रणधीर मिश्रा सदर तहसील परिसर में 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

शिक्षक एमएलसी चुनाव पदाधिकारी को मिली जिम्मेदारीः रामनिहोर, समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न

सोनभद्र। बैठक में अपना दल चुनाव को देखते हुए आप लोग

एस के विधानसभा रावटसगंज के अध्यक्ष आनंद पटेल ने अपने दर्जनों कर्ताओं के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली समाजवादी पार्टी सांसद छोटेलाल सिंह खरवार समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव एमएलसी स्नातक आशुतोष सिंहा एवं वरिष्ठ नेताओं द्वारा माला पहना कर जोरदार स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के एक-एक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि आगामी विधानसभा स्नातक एवं शिक्षक एक-एक मतदाताओं से मिलकर उनके नाम को मतदाता सूची में नाम डलवाने का काम करें और इसी के साथ समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करें और संगठन को मजबूत करने का काम करें। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि समाजवादी पार्टी के एक-एक पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के मेहनत से हम आज उच्च सदन तक पहुंचा हूं इसलिए समाजवादी पार्टी के सिपाहियों की जिम्मेदारी है कि आगामी चुनाव को देखते हुए संगठन को मजबूत करने का काम करें क्योंकि केंद्र एवं प्रदेश कि भाजपा सरकार हर वर्ग का शोषण करने का काम कर रही है । भाजपा सरकार में कानून नहीं रह गया है। बैठक को संबोधित करते हुए स्नातक एमएलसी आशुतोष सिंहा ने कहा कि आप लोगों की जिम्मेदारी है कि आगामी स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव को देखते हुए आप लोग एक-एक मतदाताओं का नाम बढ़ाने का काम करें और संगठन को मजबूत करने का काम करें।बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव विजय यादव पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव अनिल प्रधान चौधरी यशवंत सिंह पटेल सुनील गौड़ वेदमणी शुक्ला राम प्यारे सिंह पटेल मुनीर अहमद डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल अशोक पटेल रमेश सिंह यादव त्रिपुरारी गौड़ मन्नू पांडे कुमारी मंदाकिनी पांडे कुमारी निधि पांडे बाबूलाल यादव विजय शंकर जायसवाल अवध नारायण यादव परमेश्वर यादव बबलू धागर सत्यम पांडे फारूक अली जिलानी परशुराम यादव संतोष पासवान चंद्र भूषण यादव रमजान अली रामेश्वर भाई पटेल बुद्धि नारायण यादव राम लखन जगत पटेल अजय अमरेश दशरथ गीता केसरी सुनील कुमार राव केदार यादव जनक धारी के सात सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुंडा ने जल जंगल जमीन के लिए अंग्रेजों लड़ गएःजाटव आरपी गौतम

सोनभद्र। रामगढ़ शिल्तम एक ऐसी पार्टी है जो पूरे प्रदेश और न्याय की बात करती है। कार्यक्रम

पटना में भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन अंजनी पटेल (जिलाध्यक्ष अपना दल एस) के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि के रूप में अपना दल एस के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष जाटव आरपी गौतम व विशिष्ट अतिथि नेम सिंह बहेलिया राष्ट्रीय सचिव अनुसूचित जाति जनजाति मंच, व प्रमुख वक्ता मिर्जापुर छानबे विधायक रिंकी कोल उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष जाटव आर.पी. गौतम व विशिष्टअतिथि गण भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्प अर्पितकर, दीप प्रज्वलित कर शुरूआत किया गया। भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि, भगवान बिरसा मुंडा जी जल जंगल जमीन को बचाने के लिए अंग्रेजों से लड़ने का काम किया था, एक नई दिशा देने का काम किया है स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जिन्होंने 25 साल से भी कम उम्र की आयु में राष्ट्र के नाम अपना पूरा जीवन कुर्बान कर दिया था भगवान एक इंसान थे इंसान से भगवान बनने का उनका जो संघर्ष था, उन्होंने जल जंगल जमीन पर जो अंग्रेजी शासन के खिलाफ अपनी मुहिम को इतना तेज किया कि अंग्रेज सरकार को पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से अपना दल एस ने मुझे प्रदेश अध्यक्ष बना करके जाटव समाज, दलित समाज का पूरे प्रदेश में सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अपना दल एस पार्टी ही देश में दलित, आदिवासी, पिछड़े समाज की सदैव आवाज उठाती है। और बहन अनुप्रिया पटेल जी सामाजिक न्याय और परिवर्तन की सदैव बात करती है।

वहीं विशिष्ट अतिथि नेम सिंह बहेलिया (राष्ट्रीय सचिव अनुसूचित जाति जनजाति मंच), ने कहा कि,भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के नेता थे जो आदिवासी समाज के हक और अधिकार के लड़ाई लड़ी, किसी क्रम में अपना बैलेंस प्रत्येक वर्ष के बाद इस वर्ष भी भगवान बिरसा मुंडा जी का जयंती रूप में मना रही है और सोनभद्र के आयोजन समिति को बधाई देता हूं।

वही मिर्जापुर विधायक रिंकी कोल ने कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को उनसे सीखने की जरूरत है जिस प्रकार से उन्होंने अपने 25 वर्ष की आयु में ही अपने आदिवासी समाज की हक और अधिकार की लड़ाई लड़ी जिस प्रकार अपने प्राणों का आहूति दी थी। वे एक प्रेरणा के स्रोत हैं हम सभी को सीखना चाहिए, और अपना दल एस पूरे प्रदेश में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है, आने वाले पंचायत चुनाव में हमारे सभी कार्यकर्ता चुनाव लड़ेंगे। वही सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विधि मंच अभिषेक चौबे ने कहा कि प्रदेश की अपना दल एस एक ऐसी पार्टी है जो पूरे प्रदेश में आदिवासी समाज, दलित समाज पिछड़े समाज की आवाज उठाने का काम करती है। हमारी पार्टी कभी धर्म और जाती की राजनीति नहीं करती है, हमारी पार्टी सामाजिक की अध्यक्षता कर रहे हैं जिलाध्यक्ष सोनभद्र अंजनी पटेल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय नेतृत्व ने नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष जाटव आरपी गौतम और राष्ट्रीय सचिव अनुसूचित जाति जनजाति मंच नेम सिंह बहेलिया और 96 विधायक रिंकी कोल का आगमन सोनभद्र के लिए सौभाग्य है और भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस पर उपस्थित जन समूह का अभिवादन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महासचिव मुकेश पटेल तरंग , व राजकुमार बौद्ध ने किया, बिरसा मुंडा के शहादत दिवस कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों में, राष्ट्रीय कार्यकरणीय सदस्य दिनेश बीयार , राष्ट्रीय महासचिव व्यापार मंच, ज्यूतनारायण पटेल , पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यनारायण पटेल , प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच आनंद पटेल दयालु , प्रदेश सचिव युवा मंच आलोक कुमार पांडे प्रदेश सचिव युवा मंच अभिषेक पटेल प्रदेश सचिव विधि मंच विवेक पांडे प्रदेश कार्यकारी सदस्य महिला मंच प्रीति सिंह प्रदेश सचिव संख्यक मंच महताब आलम , जिला उपाध्यक्ष गण सुरजीत पटेल, विनोद यादव , अरुण पटेल प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष सोनभद्र प्रवीण त्रिपाठी, जिला सचिव गण बाबूराम पटेल, श्याम सुंदर पटेल , विजय पटेल सतीश पटेल , राकेश पटेल, रामधनी पटेल , पूर्व जिला सचिव गण वीरेंद्र पटेल, इंदल पाल,जिला मीडिया सचिव विकास पटेल, अंशु तिवारी, धर्मराज सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

बरसात से पूर्व सभी नालियों की हो बेहतर सफाईःरूबी प्रसाद

जनता की समस्या सुन निस्तारण को दिए निर्देश

सोनभद्र। नगर पालिका परिषद का निस्तारण करते हुए संबंधित

में सोमवार को नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा जनता दर्शन में वार्ड से आए नगर वासियों की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निस्तारित के लिए दिए आवश्यक दिशा निर्देश। वही अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि जनता दर्शन में आए फरियादियों की समस्याओं अधिकारियों को भी दिशा निर्देशित किए गए हैं वहीं रूबी प्रसाद ने बताया कि बरसात से पूर्व रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र के सभी विस्तरी क्षेत्र सहित वार्डन के बड़ी नालियां व छोटे नाल की दूसरी सफाई अभियान को लेकर अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव व जेई मनीष कुमार अन्य नगर पालिका कर्मचारियों के साथ साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है जल्द से जल्द सड़क नाली की पूरी साफ सफाई कर दी जाएगी नाले नाली के ऊपर खुला ढक्कन ढकने को संबंधित ठेकेदार को दिशा निर्देशित कर दिए गए हैं जल्द से जल्द ढक्कन उपलब्ध कराकर जहां-जहां खुले नाली पाया जाए वहां वह ढकने का काम कर दिया जाएगा इसके साथ ही सभी वार्ड के सभासदों को वार्ता करके बताया गया है कि अपने-अपने वार्डों की नाली व साफ-सफाई की विशेष निगरानी करें और कुछ अशुद्ध उनको नजर आए तो तत्काल अवगत कारण जिस की उसका निजात समय रहते किया जा सके । इस मौके पर मनोज चौबे संजय जयसवाल अजीत सिंह विमलेश सुजीत संत सोनी आकाश अमित दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

बिरसा मुंडा ने देश के लिए एक बड़ा इतिहास लिख दियाःजीत सिंह खरवार

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल , उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग जीत सिंह खरवार व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के साथ स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी समाज को उनकी जीवनी से प्रेरणा लेनी चाहिए। बिरसा मुंडा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का सभी को संकल्प लेना चाहिए साथ ही पूरे देश में सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश भगवान बिरसा मुण्डा ने दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, उसी समय बिरसा मुंडा भारत में गुलामी के खिलाफ लड़ रहे थे। अमर शहीद बिरसा मुंडा को झारखंड ही नही पूरे देश-दुनिया में धरती आबा के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने जनजातीय समाज की पहचान बचाने के लिए संघर्ष किया। बिरसा मुंडा ने ईसाई धर्म के खिलाफ बिरसाइत धर्म की शुरुआत की। उन्होंने सिर्फ 25 वर्ष की उम्र में ही देश के लिए एक बड़ा इतिहास लिख दिया। उनका प्रभाव इतना ज्यादा था कि सरदार आंदोलन के योद्धा भी उलगुलान से जुड़ गए। उन्होंने जमीन के लिए लड़ाई लड़ी। बिरसा मुंडा की लोकप्रियता से अंग्रेज बहुत परेशान थे। आज हम सभी को भगवान बिरसा मुण्डा से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जीत सिंह खरवार ने कहा कि बिरसा मुंडा बहुत कम समय में इतने लोकप्रिय हो गए कि अंग्रेज उनसे डरने लगे। ब्रिटिश सरकार ने उन पर 500 रुपए का इनाम घोषित कर दिया था। उन्हें 1895 में पहली बार और 1900 में दूसरी बार गिरफ्तार किया गया। 9 जून 1900 को रांची जेल में उनकी मौत हो गई. 9 जून को बिरसा मुंडा का 125 वां शहादत दिवस है। 9 जून 1900 को रांची जेल में उनकी मौत हो गई। इस मौके पर प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा नागेश्वर गोंड ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातू में हुआ था। डोंबारी बुरू पहाड़ी पर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी अंतिम लड़ाई खूंटी जिले में एक पहाड़ी है, जिसका नाम डोंबारी बुरू है। यह पहाड़ी झारखंड की पहचान और संघर्ष का प्रतीक है। इसी पहाड़ी पर बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ अंतिम लड़ाई लड़ी थी। 9 जनवरी 1900 को सइल रकब पहाड़ी (डोंबारी बुरू) पर बिरसा मुंडा के समर्थकों पर पुलिस ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। यह बिरसा मुंडा के समर्थकों की शहादत की भूमि है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा अमरेश चेरो ने कहा कि इतिहासकार इसे जालियांवाला बाग हत्याकांड के पहले सबसे बड़ा नरसंहार मानते हैं। हालांकि, इस घटना में बिरसा मुंडा बच गए थे। सैकड़ों लोगों की शहादत के बावजूद, अब तक सिर्फ छह लोगों की ही पहचान हो पाई है। डोंबारी बुरू के पत्थर पर उनके नाम लिखे गए हैं। इनमें हाथीराम मुंडा, हाड़ी मुंडा, सिंगराय मुंडा, बंकन मुंडा की पत्नी, मझिया मुंडा की पत्नी और डुंगडुंग मुंडा की पत्नी के नाम शामिल हैं। वीर शहीदों की याद में 9 जनवरी को यहां हर साल मेला लगता है। और साथ ही आये हुए सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर जिला महामंत्री शंभू सिंह गोंड, जिला उपाध्यक्ष शिवरतन गोंड, जिला मंत्री ज्योति खरवार, बिन्दु अगरिया, रामलाल अगरिया, नार सिंह पटेल, प्रिया सोनकर, कैलास तिवारी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष बलराम सोनी, बृजेश श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव राजन पाण्डेय, सुदामा गोंड सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

24दिव्यांगजनो का दिव्यांगता प्रणाम पत्र निर्गत किया गया

विकास खण्ड परिसर गया। चिन्हांकन शिविर में मुख्य दिव्यांगजन सशक्तीकरण

रावट्सगंज में दिव्यांगजन चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में 24 दिव्यांगजनो का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किया गया, 17 दिव्यांगजनो का सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन किया गया, 06 दिव्यांग बच्चो का विद्यालयो में पंजीकरण हेतु चिन्हांकन किया अतिथि महोदय शैलेन्द्र यादव, अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा प्रतिभाग करते हुए विभिन्न दिव्यांगजन/दिव्यांग बच्चो से वार्ता करते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया गया। शिविर में श्रीमती विद्या देवी, जिला अधिकारी, उत्कर्ष सक्सेना, खण्ड विकास अधिकारी व जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय के श्री विनय, अभय सिंह, राकेश सोनकर, श्रीमती सोनी राय खण्ड विकास कार्यालय के विभिन्न कार्मिक व जिला प्रोबेशन कार्यालय की श्रीमती आकांक्षा उपाध्याय इत्यादी कार्मिक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी सोनभद्र व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से तहसील दुद्धी पर 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं

(आधुनक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शिकायतों के निष्पक्ष व दिवस' के अवसर पर अपने-अपने सर्किल में पड़ने वाले तहसील पर सुनी सुना गया तथा 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार द्वारा तहसील ओबरा पर व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने सर्किल में पड़ने वाले तहसील पर 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

न्यायोचित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश-अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा तहसील ओबरा पर सुनी गयी जनता की समस्याएं-जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा 'सम्पूर्ण समाधान गयी फरियादियों की समस्याएं- 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर जिलाधिकारी सोनभद्र श्री बद्रीनाथ सिंह व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील दुद्धी पर जन शिकायतों को

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।उत्तर प्रदेश

सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 09.06.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

सोनभद्र डीएम के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंटःअपराधी फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर लोगों को ठगने की कोशिश में, साइबर सेल कर रही जांच

सोनभद्र। साइबर अपराधियों ने की फर्जी आईडी बनाकर लोगों को झांसे में

जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बना लिया है। अपराधी इस अकाउंट से लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज रहे हैं। फर्जी अकाउंट में डीएम की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया है।इरशाद अहमद ने ट्विटर पर सोनभद्र पुलिस और यूपी पुलिस से इसकी शिकायत की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी डीएम के नाम लेने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, फर्जी फेसबुक एकाउंट पर जिलाधिकारी की प्रोफाइल फोटो लगाई गई है। साइबर थाना प्रभारी सदानंद ने बताया कि अपराधियों का मकसद डीएम की पहचान का गलत इस्तेमाल कर लोगों को गुमराह करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एकाउंट डीएम सोनभद्र द्वारा नहीं चलाया जा रहा है।

डब्लू.डब्लू.ई में आर-ट्रुथ की वापसी में इस शख्स का रहा अहम रोल, फैंस के डिमांड पर लिया गया ये फैसला

नयी दिल्ली। डब्लू.डब्लू.ई को आर ट्रुथ को वापस लाने के लिए बहुत प्रयास करने पड़े। कंपनी के अध्यक्ष निक खान को भी इसमें शामिल होना पड़ा। आर ट्रुथ ने डब्लू.डब्लू.ई में अपना समय खत्म होने की घोषणा की थी। यह घोषणा उन्होंने सैटरडे नाइट मेन इवेंट में डब्लू.डब्लू.ई चैंपियन जॉन सीना के खिलाफ एक बड़े मैच में भाग लेने के कुछ दिनों बाद की थी। ट्रुथ के इस खुलासे के बाद फैंस और पूरे रेसलिंग जगत से उन्हें बहुत समर्थन मिला। ऐसा लगता है कि डब्लू.डब्लू.ई ने उनकी बात सुनी। मनी इन दा बैंक में आर-ट्रुथ ने चौंकाने वाली वापसी की। उन्होंने जॉन सीना पर हमला किया और रात का सबसे जोरदार स्वागत पाया। हालांकि, ऐसा लग रहा था कि ट्रुथ को वापस जाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। फिर निक खान ने बातचीत में भाग लिया। फाइटफुल सलेक्ट के अनुसार,डब्लू.डब्लू.ई ने आर-ट्रुथ को वापस लाने के लिए जो प्रयास किए, उसमें निक खान का शामिल होना बहुत महत्वपूर्ण था। ट्रिपल एच का यह कहना कि ट्रुथ का जाना शो का हिस्सा था, सच नहीं था। यह कोई नाटक नहीं था। जब डब्लू.डब्लू.ई ने पहली बार ट्रुथ से वापसी के बारे में बात की, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। फिर डब्लू.डब्लू.ई के अध्यक्ष निक खान ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद चीजें आगे बढ़ीं। खान का बातचीत में शामिल होना बहुत कम होता है। लेकिन कंपनी और लॉकर रूम के लिए यह बहुत जरूरी था।डब्लू.डब्लू.ई के एक बड़े अधिकारी ने कहा कि ट्रुथ की वापसी एक अच्छा संकेत है। इससे पता चलता है कि मैनेजमेंच फैंस और लॉकर रूम की बात सुन रहा है। जीसीडब्लू और टीएनए जैसी कंपनियां डब्लू.डब्लू.ई से उनके जाने के बाद ट्रुथ को बुक करने की सोच रही थीं। लेकिन अब उनकी योजनाएं रुक जाएंगी। यह पता नहीं है कि ट्रुथ का डब्लू.डब्लू.ई के साथ नया सौदा कितने समय तक चलेगा।

सिर्फ युजवेंद्र चहल ही नहीं, ये तीन खिलाड़ी भी आईपीएल फाइनल हारने वाली तीन टीमों का हिस्सा रहे

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का शोर थम चुका है। पंजाब किंग्स को खिताबी मुकाबले में 3 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार मिली थी। पंजाब के लिए गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन पूरे टूर्नामेंट में कमाल करने वाले बल्लेबाज फेल रहे। इसका नतीजा हुआ कि टीम को 6 रनों से हार मिली। पंजाब की प्लेइंग इलेवन में युजवेंद्र चहल भी शामिल थे। पंजाब किंग्स तीसरी टीम है, जिसका हिस्सा रहते हुए चहल को खिताबी मुकाबले में हार मिली।युजवेंद्र चहल 2016 में आरसीबी का हिस्सा थे। टीम को खिताबी मुकाबले में तब सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। इसके बाद चहल राजस्थान रॉयल्स में चले गए। 2022 सीजन का खिताबी मुकाबला राजस्थान और गुजरात टाइटंस के बीच हुआ था। वहां गुजरात ने बाजी मार ली। अब चहल तीसरी टीम की तरफ से फाइनल हार गए हैं। 2013 में चहल आईपीएल का खिताब जीत चुके हैं। तब वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे।युजवेंद्र चहल पहले खिलाड़ी नहीं हैं, जिन्हें तीन टीम से खेलकर फाइनल में हार मिली है। रविचंद्रन अश्विन ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी थे। वह चेन्नई सुपर किंग्स के साथ फाइनल हारे। इसके बाद 2020 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे। दोनों को फाइनल में हार मिली थी। इस लिस्ट में राहुल त्रिपाठी का नाम भी शामिल है। भारतीय टीम के लिए खेल चुके त्रिपाठी भी फाइनल हारने वाली तीन टीम का हिस्सा रहे हैं। 5 भारतीय खिलाड़ी जिन्होंने टेस्ट डेब्यू में शतक लगाया, चंद मैचों में खत्म हो गया करियर। आईपीएल में वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स में थे। उनकी टीम मुंबई इंडियंस से हार गई थी। इसके बाद वह 2021 में सीएसके से हारने वाली केकेआर की टीम में भी थे। 2024 सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए वह केकेआर से हारने वाली टीम में भी थे। अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन भी तीन टीम से फाइनल हारे हैं। 2010 में मुंबई इंडियंस, 2018 में सनराइजर्स हैदराबाद और 2020 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए।

नेशंस लीग जीतकर इमोशनल हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डा फूट-फूटकर रोने लगे, कहा- देश से बढ़कर कुछ नहीं

नयी दिल्ली। स्पेन को नेशंस लीग के फाइनल में हराकर पुर्तगाल ने खिताब अपने नाम किया। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो उस समय भावनाओं पर काबू नहीं रख पाये। जब स्पेन के खिलाफ नेशंस लीग फुटबॉल के फाइनल में पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने अल्वारो मोराटा की चौथी पेनल्टी बचाई और फिर रुबेन नेवेस ने अपनी टीम की पांचवीं पेनल्टी को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित कर दी। टीम की जीत तय होते ही रोनाल्डो की आंखों में खुशी के आंसू छलक आये। उन्होंने कहा कि देश के लिए ट्रॉफी जीतने से बड़ा कुछ भी नहीं।पुर्तगाल के इस 40 साल के कप्तान ने कहा, 'मैंने अपने क्लबों के साथ कई खिताब जीते हैं, लेकिन पुर्तगाल के लिए जीतने से बड़ा कुछ नहीं है।' रोनाल्डो ने इस प्रतियोगिता में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। रविवार को खेले गये फाइनल में उन्होंने मैच के 61वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर किया जिससे यह मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में खिंचा। पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से जीत दर्ज की।रोनाल्डो के लिए यह एक और खिताब, अंतरराष्ट्रीय गोल के रिकॉर्ड में सुधार में कहीं बढ़ कर था।वह मैच से पहले वार्म अप के लिए मैदान में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे। पुर्तगाल के समर्थकों ने जोर से शोर मचाकर उनका स्वागत किया। स्टेडियम में ज्यादातर समर्थकों ने उनके नाम की जर्सी पहन रखी थी।उन्होंने इससे पहले सेमीफाइनल में निर्णायक गोल कर जर्मनी के खिलाफ पुर्तगाल को 25 साल में पहली जीत दिलाई थी। उन्होंने इसके बाद फाइनल में भी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का रिकॉर्ड 138वां गोल कर प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। देश के लिए 221 वां मैच खेल रहे रोनाल्डो के 61वें मिनट में किये गये गोल से पहले स्पेन की टीम 2-1 से आगे थी। वह हालांकि थकान के हावी होने के बाद मैच के 88वें मिनट में मैदान से बाहर चले गये।रोनाल्डो ने कहा कि वह इस मुकाबले में चोट के साथ पहुंचे थे। उन्होंने कहा, 'मैंने वार्मअप के दौरान ही चोट को महसूस कर लिया था। मैं इस चोट को पिछले समय से यह महसूस कर रहा था। राष्ट्रीय टीम के लिए अगर मुझे अपना पैर तोड़ना पड़ता तो भी मैं संकोच नहीं करता।''रोनाल्डो ने कहा, 'यह इस ट्रॉफी के लिए था, मुझे खेलना था और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।' उन्होंने कहा, 'मैं कई देशों में रहा हूं, मैंने कई क्लबों के लिए खेला है, लेकिन जब बात पुर्तगाल की आती है, तो यह हमेशा एक खास एहसास होता है।'साऊदी अरब के अल-नासर के साथ उनका अनुबंध जून के अंत तक ही है और क्लब फुटबॉल को लेकर उनका भविष्य अनिश्चित है। उन्होंने सऊदी प्रो लीग में टीम के आखिरी मैच के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'यह अध्याय समाप्त हुआ।' रोनाल्डो को क्लब विश्व कप में खेलने के लिए कई टीमों से लुभावने प्रस्ताव मिल रहे है लेकिन उन्होंने इसमें खेलने की अटकलों को शनिवार को ही खारिज कर दिया था। वह हालांकि पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे।

आईपीएल 2026 से आरसीबी के बैन होनी की अफवाह... बढ़ गया बवाल, अब क्या होगा?

बेंगलुरु। बेंगलुरु में आरसीबी की आईपीएल 2025 जीत के जश्न में एक दुखद घटना घटी। परेड में भगदड़ मचने से ग्यारह लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। यह घटना भीड़ को संभालने में लापरवाही और खराब व्यवस्था के कारण हुई। पुलिस ने आरसीबी, इवेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले को गिरफ्तार किया गया है। केएससीए के दो अधिकारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है। पीड़ितों के परिवारों ने अदालत में मुआवजे की मांग की है। बीसीसीआई ने कहा है कि परेड आरसीबी का निजी कार्यक्रम था। जांच जारी है और आरसीबी पर बैन लगने की अफवाहें भी हैं।बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का जुलूस खुशी की बजाय मातम में बदल गया। इस दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें ग्यारह लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। यह घटना इसलिए हुई क्योंकि वहां बहुत ज्यादा भीड़ थी और भीड़ को संभालने के लिए सही इंतजाम नहीं किए गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वहां से निकलने के लिए सही रास्ते नहीं थे। आपातकालीन चिकित्सा सेवा भी ठीक से उपलब्ध नहीं थी। आयोजकों और अधिकारियों के बीच तालमेल की कमी भी देखी गई। इन कमियों के कारण भगदड़ मची और इतना बड़ा हादसा हो गया।बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ दर्ज की गई है। पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले को गिरफ्तार कर लिया है। केएससीए के दो अधिकारियों, सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ईएस जयराम ने भी इस्तीफा दे दिया है। उन पर राजनीतिक और जनता का बहुत दबाव था। इस हादसे के बाद लोगों में बहुत गुस्सा था। कई पीड़ितों के परिवारों ने अदालत में मामला दर्ज कराया है। वे चाहते हैं कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और उन्हें मुआवजा मिले।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस घटना पर सफाई दी है। बीसीसीआई का कहना है कि यह परेड आरसीबी का निजी कार्यक्रम था। बीसीसीआई ने इसे आयोजित नहीं किया था। बीसीसीआई के सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा कि यह 'एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना' थी। उन्होंने यह भी कहा, 'किसी स्तर पर बीसीसीआई को कुछ करना होगा। हम चुप नहीं रह सकते।'सैकिया ने आगे कहा, 'यह आरसीबी का निजी मामला था, लेकिन बीसीसीआई भारत में क्रिकेट के लिए जिम्मेदार है। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।' आईपीएल, बीसीसीआई की सबसे कीमती संपत्ति है। इस घटना ने बीसीसीआई को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। लोग जवाबदेही की मांग कर रहे हैं, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी को सजा देने से व्यावसायिक और कानूनी परिणाम हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर आरसीबी पर बैन लगने की अफवाहें भी फैल रही हैं। लोग कह रहे हैं कि आरसीबी को 2026 छ्ल्ब सीजन के लिए बैन किया जा सकता है। आईपीएल के इतिहास में पहले भी टीमों पर बैन लग चुका है। 2015 में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स को स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

जीतो या हारो मुझे फर्क नहीं पड़ता... रिटायर हुए एक हफ्ता पूरा नहीं हुआ, अब अपने ही देश से हुई नफरत?

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सबको चौंका दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, इसके पीछे की वजह उन्होंने खुद बताई है। क्लासेन ने कहा कि उन्हें लंबे समय से इस बात की परवाह नहीं थी कि दक्षिण अफ्रीका जीतता है या हारता है। साथ ही, कोच के बदलने और कॉन्ट्रैक्ट में दिक्कत आने से भी उन्होंने यह फैसला लिया। 33 साल के क्लासेन ने साउथ अफ्रीका के लिए 4 टेस्ट, 60 वनडे और 58 टी20 मैच खेले। उन्होंने तीनों फॉर्मेट में 3,000 से ज्यादा रन बनाए।हेनरिक क्लासेन ने आखिरकार अपने संन्यास के फैसले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा था जब उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि साउथ अफ्रीका की टीम जीत रही है या हार रही है। क्लासेन ने यह भी कहा कि वह 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेलना चाहते थे। लेकिन, वाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर के जाने और सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के कारण उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहना पड़ा।क्लासेन ने कहा, 'मुझे लंबे समय से ऐसा लग रहा था कि मुझे अपने प्रदर्शन की कोई परवाह नहीं है। मुझे इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता था कि टीम जीत रही है या हार रही है। यह गलत जगह थी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले रॉब के साथ मेरी लंबी बातचीत हुई। मैंने उनसे कहा कि मेरे दिल में जो चल रहा है, उसे लेकर मैं अच्छा महसूस नहीं कर रहा हूं। मैं इसका ज्यादा आनंद नहीं ले रहा था।'क्लासेन ने आगे कहा, 'हमने अच्छे से बात की। हमने 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप तक सब कुछ अच्छे से प्लान किया था। इसलिए जब उन्होंने कोच के पद से इस्तीफा दे दिया और सीएसए के साथ कॉन्ट्रैक्ट को लेकर बातचीत योजना के अनुसार नहीं हुई, तो मेरे लिए यह फैसला लेना बहुत आसान हो गया।'गौरतलब है कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस साल आईपीएल के ठीक बाद, विकेटकीपर बल्लेबाज ने साउथ अफ्रीका के लिए वाइट-बॉल फॉर्मेट से भी संन्यास ले लिया। क्लासेन ने 60 वनडे मैचों में 2141 रन बनाए। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे। खासकर, वह बीच के ओवरों में स्पिनरों पर खूब हमला करते थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में 174 रनों की शानदार पारी खेली थी।

बीसीसीआई ने टीम इंडिया के मैचों में अचानक कर दिया बड़ा बदलाव, नोट कर लीजिए मुकाबलों की नई तारीख

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को टीम इंडिया के घरेलू मैचों और साउथ अफ्रीका 'ए' टीम के भारत दौरे के मैचों के वेन्यू में कुछ बदलाव किए गए हैं। वेस्ट इंडीज और साउथ अफ्रीका के साथ होने वाले टेस्ट, वनडे और टी20आई मैचों के लिए नए वेन्यू तय किए गए हैं। इसके अलावा, इंडिया 'ए' और साउथ अफ्रीका 'ए' के बीच होने वाले मैचों के वेन्यू में भी बदलाव हुआ है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में कुछ काम चलने की वजह से इंडिया वुमेन और ऑस्ट्रेलिया वुमेन के वनडे सीरीज के वेन्यू भी बदले गए हैं।बीसीसीआई ने बताया कि टीम इंडिया 2025 में अपने घर में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से भिड़ेगी। यह मुकाबला टेस्ट, वनडे और टी20आई फॉर्मेट में होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 अक्टूबर 2025 को अहमदाबाद में शुरू होगी। पहले यह टेस्ट सीरीज कोलकाता में होने वाली थी, लेकिन अब यह दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर 2025 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। पहले यह मैच दिल्ली में होने वाला था।बीसीसीआई ने खबर दी कि चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में पिच और मैदान को ठीक किया जा रहा है। इसलिए इंडिया वुमेन और ऑस्ट्रेलिया वुमेन के बीच होने वाली वनडे सीरीज को चेन्नई से हटा दिया गया है। अब पहले दो वनडे मैच न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में होंगे। तीसरा और आखिरी वनडे मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका 'ए' टीम भारत 'ए' के साथ दो मल्टी-डे मैच और तीन वनडे मैच खेलेगी। यह सीरीज 30 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। मल्टी-डे मैच पहले की तरह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई), बेंगलुरु में ही होंगे। लेकिन, वनडे मैच अब चिन्नास्वामी स्टेडियम की जगह राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जाएंगे।साउथ अफ्रीका टीम भारत दौरे पर आएगी। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से 18 नवंबर 2025 तक कोलकाता में सुबह 9:30 बजे खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से 26 नवंबर 2025 तक गुवाहाटी में सुबह 9:30 बजे होगा। पहला वनडे 30 नवंबर 2025 को रांची में दोपहर 1:30 बजे खेला जाएगा। दूसरा वनडे 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में दोपहर 1:30 बजे होगा। तीसरा वनडे 6 दिसंबर 2025 को विजाग में दोपहर 1:30 बजे खेला जाएगा। पहला टी20आई 9 दिसंबर 2025 को कटक में शाम 7:00 बजे खेला जाएगा। दूसरा टी20आई 11 दिसंबर 2025 को न्यू चंडीगढ़ में शाम 7:00 बजे होगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर 2025 को धर्मशाला में शाम 7:00 बजे खेला जाएगा। चौथा टी20आई 17 दिसंबर 2025 को लखनऊ में शाम 7:00 बजे होगा।

जसप्रीत बुमराह नहीं होते तो खत्म हो जाता करियर? टीम इंडिया के स्टार ने इस खिलाड़ी को बाल-बाल बचा लिया!

नयी दिल्ली। कैमरन ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक 'विशेष' संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हुआ था। यह चोट हालांकि नौ से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया।ग्रीन ने संवाददाताओं से कहा, 'जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे।' ग्रीन ने कहा, 'ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।'ग्रीन 2023 आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उस समय बुमराह सर्जरी से उबरने के लिए टीम से बाहर थे। वह इस सर्जरी के कारण 2022 टी20 विश्व कप खेलने से भी चूक गये थे। उन्होंने हालांकि सर्जरी के बाद शानदार वापसी की और भारत को 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद पिछले साल टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। बुमराह इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच मैचों में 32 विकेट लेकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने।26 साल के ग्रीन को जेसन बेहरेनडॉर्फ इसी तरह की सर्जरी से गुजरने वाले अन्य गेंदबाजों से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। ग्रीन ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' के 'अनप्लेएबल पॉडकास्ट' को बताया, '(ऑपरेशन का) मुख्य कारण हड्डी के कुछ अतिरिक्त भाग को अलग करना था। जाहिर है कि मेरे 'एल4' में थोड़ी परेशानी थी और रीढ़ के उस हिस्से पर अतिरिक्त हड्डी विकसित हो गई थी।' उन्होंने कहा, 'मझे इस हड्डी के कारण झुकने में भी परेशानी हो रही थी। इस अतिरिक्त हड्डी का दूसरी हड्डियों पर दबाव पड़ा जिससे वहां भी समस्या हो गयी। यह पीठ की चोट के मामले में बेहद दुर्लभ है।ग्रीन के इस सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है। वह ग्लूस्टरशायर के लिए पांच काउंटी क्रिकेट मैचों में तीन शतकों के दम पर टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पीठ की चोट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि मुझे बल्लेबाज बनने के लिए केवल चार मौके मिले हैं।'उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा खेल उस समय (टीम में बतौर बल्लेबाज शामिल होगा) और अच्छा रहता है। मैं हमेशा गेंदबाजी करता रहूंगा, लेकिन ऐसी स्थिति में आपको अपने खेल के सिर्फ एक पहलू पर पूरा ध्यान लगाना होता है।' उन्होंने कहा, 'जब आप गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर रहे होते हैं, तो आपको खुद को फिट और खेलने के लिए तैयार रखने के लिए गेंदबाजी के लिहाज से बहुत कुछ करना पड़ता है। इससे बल्लेबाजी थोड़ी प्रभावित होती है। ऐसे में सिर्फ बल्लेबाजी करना निश्चित रूप से अच्छा है।'

सैथ रॉलिंस इन 2 तरीरों से कर सकते हैं कैश इन खतरे में जॉन सीना की चैंपियनशिप

नई दिल्ली: डब्लू.डब्लू.ई मनी इन द बैंक 2025 में कई चौंकाने वाली चीजें हुईं। सैथ रॉलिंस ने दूसरी बार मनी इन द बैंक ब्रीफकेस जीता। पॉल हेमैन, ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड के साथ मिलकर काम करने के बाद, द विजनरी सैथ रॉलिंस में छा गए हैं। उन्होंने हील बनकर ये सफलता हासिल की है। इस आर्टिकल में हम देखेंगे कि सैथ रॉलिंस अपने मनी इन द बैंक कॉन्ट्रैक्ट को कैसे कैश इन कर सकते हैं। वो जॉन सीना और जे उसो जैसे चैंपियंस को हराकर टाइटल जीत सकते हैं। सेठ रॉलिंस ने पहली बार मनी इन द बैंक लैडर मैच 2014 में जीता था। उन्होंने 2015 में रेसलमेनिया 31 में अपना कॉन्ट्रैक्ट कैश इन किया। उस समय ब्रॉक लेसनर, रोमन रेंस के खिलाफ वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप डिफेंड कर रहे थे। रॉलिंस ने मैच में एंट्री की और इसे ट्रिपल थ्रेट मैच बना दिया। द विजनरी ने लेसनर और रेंस दोनों को हराकर पहली बार टाइटल जीता। उनके इस कैश-इन को द हीस्ट ऑफ द सेंचुरी कहा जाता है।सैथ रॉलिंस, जॉन सीना पर कैश इन कर सकते हैं: जॉन सीना रेसलिंग को बर्बाद करने के मिशन पर हैं। कोडी रोड्स की वापसी के साथ, वे फिर से एक-दूसरे के साथ झगड़ा कर रहे हैं। द अमेरिकन नाइटमेयर कोडी रोड्स ने मनी इन द बैंक 2025 में जॉन सीना को टैग टीम मेन इवेंट में पिन करके एक बड़ा बयान दिया। सीना पर टैग मैच में जीत के साथ, कोडी रोड्स ने अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। वे दोनों नाइट ऑफ चैंपियंस या समरस्लैम 2025 में सिंगल्स रीमैच में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। सैथ रॉलिंस मैच के अंत में अपना कॉन्ट्रैक्ट कैश इन करके परिणाम बदल सकते हैं। वो नए चैंपियन बन सकते हैं और द हीस्ट ऑफ द सेंचुरी को फिर से दोहरा सकते हैं।जे उसो पर कैश इन कर सकते हैं. जे उसो मंडे नाइट राव के आने वाले एपिसोड में गुंथर के खिलाफ अपने टाइटल को डिफेंड करने के लिए तैयार हैं। वहां बहुत हंगामा होने की संभावना है। खासकर तब जब सैथ रॉलिंस ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड के साथ उसी शो में हों। वो किसी भी समय मैच पर हमला कर सकते हैं। एक चौंकाने वाले मोड़ में सैथ रॉलिंस जे उसो के गुंथर के खिलाफ एक मुश्किल मैच लड़ने और जीतने के बाद अपना कॉन्ट्रैक्ट कैश इन करके वर्ल्ड हैवीवेट टाइटल जीत सकते हैं।

'पॉटरी कला' को 'नया योग' क्यों कहा जा रहा है?

इस रविवार, वाट्सएप मैसेज का बैकलॉग चेक करते समय मैंने अपने एक दोस्त के स्टेटस पर तस्वीर देखी। वह क्ले से बनी कुछ सजावटी व प्राचीन चीजों के बीच खड़ा था। जब मैंने ये जानने के लिए तस्वीर पर क्लिक किया कि वो कहां है, तो मैं हैरान रह गया। सफेद पैंट-शर्ट पहने हुए उसके हाथ क्ले में भिड़े थे और वह लालटेन पकड़े था। जब मैंने उसे फोन किया, तो उसने मुझे एक और तस्वीर भेजी। इसमें हमारे कुछ अन्य परिचित भी उसके साथ रविवार की एक पॉटरी क्लास में पोज दे रहे थे। हर कोई पिछले तीन रविवार की क्लास में खुद की बनाई कलाकृति पकड़े था। पहले हफ्ते में उन्होंने कला सीखी, दूसरे हफ्ते में कप, गिलास या फूलदान बनाया और एक हफ्ते तक सूखने दिया। इस रविवार को उन्होंने उसे रंगा। उनके चेहरों पर सुंदर-उपयोगी वस्तुएं बनाने की खुशी झलक रही थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि सिरेमिक व पॉटरी (क्ले या मिट्टी से कलात्मक चीजें बनाना) की दुनिया युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। यह स्थिरता व आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है, जो उनकी व्यस्त जिंदगी में ताजगी भरी राहत प्रदान करती है। आज के समय में जब वेलनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं, प्राचीनतम कलाओं में से एक पॉटरी एक बार फिर से लोकप्रिय हो रही है। कई युवा मानते हैं कि यह कला, मानसिक शांति और आराम का सही मिश्रण है, जो योग या ध्यान के समान एक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करती है। चाहे आप रचनात्मक पुनरुत्थान की तलाश में हों, तनाव से राहत चाहते हों, या आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम खोज रहे हों, पॉटरी एक नया क्लासरूम बन गया है। पिछले आठ-दस वर्षों में यह अपमार्केट सर्कल में एक ट्रेंड बन गया है। 1

युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं? पहला कारण इसकी पहुंच है और दूसरा ध्यान केंद्रित करने वाला गुण। पहले क्ले पकाने के लिए भट्ठी एक बड़ी बाधा थी, पर आज ये छोटे एयर कंडीशंड स्टूडियो में उपलब्ध हैं। दबाव में काम करने वाले अधिकांश युवा समझ चुके हैं कि पॉटरी के चिकित्सीय लाभ हैं। मेरे एक मित्र ने कहा, 'ये ध्यान की तरह है, जो आपको दिनचर्या से अलग करने में मदद करता है। 'अधिकांश शिक्षित लोग इस प्राचीन कला की ओर लौट रहे हैं क्योंकि यह न केवल विज्ञान है, जिसमें सामग्री, ऑक्साइड, फायरिंग, ग्लेजिंग का ज्ञान जरूरी है, बल्कि कला भी है, जिसमें पेंटिंग है। आप ताज्जुब कर रहे होंगे कि आखिर क्यों पॉटरी लोकप्रिय वेलनेस ट्रेंड बनता जा रहा है? इसके पीछे कई कारण हैं। 1. माइंडफुलनेस व मेडिटेशनः मिट्टी के साथ काम करने के लिए फोकस की जरूरत है, इससे मानसिक उथल-पुथल कम होती है। बार-बार चाक घुमाकर बर्तन बनाना या हाथ से आकार देना, दोनों ही क्रियाएं ध्यान की तरह शांतिप्रद और थेरेप्यूटिक होती हैं। 2. तनाव में कमीः मिट्टी को आकार देने का स्पर्श अनुभव व रचनात्मक प्रक्रिया दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने में मदद करती है। इसका सीधा असर होता है कि यह कोर्टिसोल को कम करता है। कोर्टिसोल एक ऐसा हार्मोन है जो तनाव और चिंता से जुड़ा होता है। 3. थेरेप्यूटिक लाभः कुछ लोगों के लिए शब्दों में अपनी बात कहना मुश्किल होता है। उनके लिए कुछ बनाना एक प्रकार का संवाद है। इसका एक स्पष्ट लाभ यह है कि यह स्क्रीन से डिस्कनेक्ट कर प्राकृतिक स्व के साथ जुड़ने का मौका देता है। पॉटरी मूर्त कला के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति की अनुमति देता है। यह प्रक्रिया आत्म-सम्मान और उपलब्धि की भावना को बढ़ा सकती है। 4. शारीरिक लाभः फायदों की सूची में ये सबसे निचले क्रम पर हो सकते हैं। लेकिन मिट्टी को गूंथने, आकार देने और मोल्ड करने की शारीरिक क्रिया उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है जो शारीरिक चोटों से उबर रहे हैं। मिट्टी के साथ काम करना फाइन मोटर स्किल्स और हाथ की दक्षता में सुधार कर सकता है। फंडा यह है कि पॉटरी कला युवाओं को उनकी व्यस्त जिंदगी से बचने का मौका देता है। यह कला, माइंडफुलनेस और रिलैक्सेशन का मिश्रण है और इस तरह यह 'नया योग' बनती जा रही है।

बुरी जीत से अच्छा है, शान से हार जाएं

1960 में दक्षिण अफ्रीका में जन्मे केविन कार्टर रंगभेद युग में पले-बढ़े थे। गोरे होने के नाते उन्हें उन विशेषाधिकारों का आनंद लिया, पढ़ाई की और वायुसेना में शामिल हुए। 1980 में भेदभाव का सामना कर रहे एक अश्वेत का बचाव करने पर उन्हें पीटा गया। यह घटना उनकी जागृति का महत्वपूर्ण मोड़ बनी। 1983 में उन्होंने कुछ भयानक बम विस्फोट देखे और हिंसा से खिन्न होकर उन्होंने रंगभेद की भयावहता को उजागर करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। 1984 में वे जोहान्सबर्ग स्टार अखबार के फोटोग्राफर बन गए। अगले 10 वर्षों में केविन को विरोध प्रदर्शनों, अंतिम संस्कारों और पुलिस व रंगभेद विरोधी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की तस्वीरें लेने के लिए कई बार गिरफ्तार किया गया। 1993 में कार्टर को सूडान में एक असाइनमेंट मिला। सूखे और गृहयुद्ध से बर्बाद इस देश पर दुनिया के मीडिया ने तब तक बहुत कम ध्यान दिया था। केविन संयुक्त राष्ट्र के एक फूड-कैम्प में पहुंचे। वहां उन्होंने एक बच्ची को देखा, जो अकाल से ग्रस्त होकर मिट्टी में पड़ी थी। उसके बगल में एक गिद्ध लालचपूर्ण-धैर्य के साथ

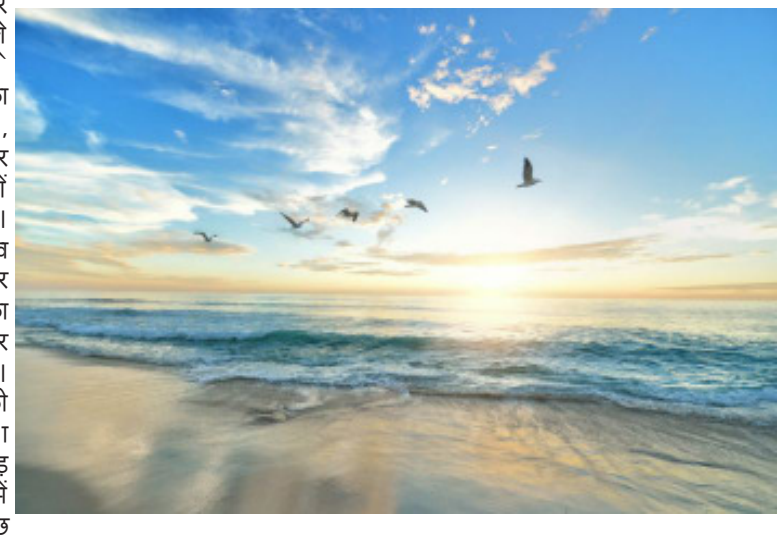

उसके मरने का इंतजार कर रहा था। केविन के शरीर की हर रग उस भयावह दृश्य को देखकर चीख उठी। उन्होंने यंत्रवत ही कैमरा उठाया और अनेक छायाचित्रों में हर कोण से उस बच्ची की पीड़ा को कैमरे में कैद कर लिया। उन्हें इस त्रासदी को दुनिया के सामने लाने वाला भयावह दृश्य मिल गया था। कुछ खबरों के मुताबिक केविन ने गिद्ध को भगा दिया था और उस कृशकाय बच्ची को उठाकर उसके कानों में फुसफुसाते हुए उसे सांत्वना दी थी कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। फिर उन्होंने बच्ची को बचाव दल को सौंप दिया था। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह तस्वीर उन्हें आजीवन परेशान करेगी। वापस लौटने पर उन्हें इस तस्वीर के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। लेकिन प्रशंसा के साथ-साथ आलोचना और पड़ताल भी हुई। कई लोगों ने उनके इरादों पर सवाल उठाए और उन पर अपने निजी मकसद के लिए एक बच्ची की पीड़ा का फायदा उठाने का आरोप लगाया। अप्रैल 1994 में जब केविन को पुलित्जर पुरस्कार मिला तो यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होनी चाहिए थी। लेकिन वह पुरस्कार उन्हें अपने उस असहनीय अपराध-बोध की याद दिलाने लगा। मुझे 1994 में जोहान्सबर्ग में केविन से मिलने का मौका मिला था, जब मैं नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने की घटना को कवर कर रहा था। इसके चार महीने बाद ही केविन ने 33 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। उसी साल (1994) और उसी देश (सूडान) से आठ साल के गुओर मारिअल गृह युद्ध के दौरान दक्षिण सूडान के एक शरणार्थी शिविर से भाग निकले थे। एक रात सैनिकों ने उनके घर पर छापा मारा था और एक राइफल के प्रहार से उनका जबड़ा तोड़ दिया था। वे बेहोश हो गए। बाद में उन्होंने खुद को एक शरणार्थी शिविर में पाया। उनके परिवार के 28 सदस्य मारे गए, लेकिन वे मिस्र भागने में सफल रहे, और फिर 16 साल की उम्र में स्थायी रूप से अमेरिका चले गए। चूंकि वे बचपन से ही सशस्त्र विद्रोहियों से भागते आ रहे थे, इसलिए 28 की उम्र में उन्हें 2012 के लंदन ओलिम्पिक में मैराथन के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला। तब सवाल उठा कि वे किस देश का झंडा लेकर चलेंगे? वे अमेरिकी नागरिक नहीं थे और उनकी मातृभूमि दक्षिण सूडान को 2011 में ही एक स्वतंत्र देश का दर्जा मिला था। वह देश ओलिम्पिक में सम्मिलित होने की पात्रता को पूरा नहीं कर पाया था। यही कारण था कि जब गुओर के समक्ष सूडान का झंडा लेकर चलने की पेशकश की गई, तो उन्होंने विनम्रता से मना कर दिया। क्योंकि सूडान से हुआ गृहयुद्ध ही उनके परिवार की हत्या के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने ओलिम्पिक ध्वज उठाया और वे पहले या तीसरे नहीं, बल्कि 47वें स्थान पर रहे। लेकिन पूरी दुनिया और मीडिया ने उनकी 'विजयी' हार का जश्न मनाया, क्योंकि उन्होंने मात्र एक साल पुराने एक देश को पहचान दी थी। फंडा यह है कि तय करें हमारे बच्चों को क्या चुनना चाहिए- एक विजयी हार को अपनाना या एक बुरी जीत का आनंद लेना।

अच्छी सड़कें सिर्फ जोड़ती नहीं हैं, जीवन को भी समृद्ध बनाती हैं

चेन्नई से 300 किलोमीटर दूर-दराज के एक गांव में एक महिला प्रसव पीड़ा में थीं। उन्हें मदद की जरूरत थी। बच्चा जन्म लेने वाला था। लेकिन उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सिर्फ सात किमी की दूरी तय करने में कई घंटे लग जाते। लेकिन यह जोखिम भरा था क्योंकि रास्ते उबड़-खाबड़ थे, कावेरी नदी उफान पर थी और गर्भवती महिला के साथ तैरकर पार करना संभव नहीं था। ऐसे में सबसे आसान और तेज विकल्प था कि दाई को बुलाया जाए। वह दाई उन सैकड़ों पारंपरिक दाइयों में से एक थी जो आसपास के कई गांवों में प्रसव कराती थीं। दाई पहुंची और उन्होंने सबसे पहले महिला से कहा, 'धैर्य रखो, हम मिलकर बच्चे को जन्म देंगे, बस हम पर भरोसा रखो।' इन शब्दों ने महिला को आत्मविश्वास दिया और उन्हें थोड़ा सुकून मिला। गांव की सभी महिलाएं उस घर के सामने इकट्ठा हो गईं। पुरुषों को थोड़ी दूरी पर खड़ा रहने को कहा गया ताकि दाई को कुछ जरूरत हो तो वे बाजार से ला सकें। और अचानक सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं, जैसे क्रिकेट स्टेडियम में छक्का लगने पर होता है। यह खुशी नवजात के रोने की आवाज सुनकर थी। गली के कोने पर खड़े पुरुषों ने भी राहत की सांस ली। कुछ ने आसमान की ओर देखकर भगवान का धन्यवाद किया, तो कुछ ने अपनी गर्दन में लटके लॉकेट को उतारकर सम्मानपूर्वक अपनी आंखों पर लगाया। यह घटना 1940 की है और इसी तरह

मेरी मां का जन्म हुआ था। एक दशक बाद जब उनके सबसे छोटे भाई का जन्म हुआ, तो यह दृश्य दोबारा नहीं देखा गया, क्योंकि तब तक वहां पक्की सड़क बन चुकी थी और लोग बैलगाड़ी में एक घंटे से भी कम समय में गर्भवती महिलाओं को पास के अस्पताल ले जाने लगे थे। हाल ही में जब मैं उस गांव में गया, तो देखा कि अब वही दूरी, आपस में जोड़ती दो लेन की सड़कों के कारण मात्र 15 मिनट में तय हो जाती है। यह पुरानी यादें इस गुरुवार को तब ताजा हो गईं, जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ नाशिक के इगतपुरी में हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन किया। 701 किमी लंबे नागपुर-मुंबई एक्सप्रेसवे के अंतिम 76 किमी खंड के उद्घाटन के साथ ही महायुति द्वारा राज्य के विकास के लिए किया गया वादा पूरा हुआ। यह एक्सप्रेसवे अब राज्य के बंदरगाह आधारित विकास योजना के तहत 24 जिलों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से बंदरगाहों से जोड़ता है। अपने भाषण में फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार एक और वादा पूरा करेगी, जो है एक्सेस-कंट्रोल्ड शक्तिपीठ हाईवे का निर्माण। महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों में चार शक्तिपीठ हैं। इनके जुड़ने से न केवल तीर्थयात्रियों को लाभ होगा, बल्कि इससे मराठवाड़ा के आर्थिक विकास को बल मिलेगा, जिसकी अमेरिका जैसे विकसित देशों के अंतरराज्यीय हाईवे सिस्टम से तुलना की जा सकती है। इसमें कोई शक नहीं कि अमेरिका की सड़कें दुनिया की सबसे बेहतरीन सड़कों में गिनी जाती हैं। खासकर इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। ये सड़कें न केवल परिवहन को सुगम बनाती हैं, बल्कि लॉजिस्टिक लागत को भी कम करती हैं। इससे व्यापारियों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलती है। यह नेटवर्क, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ता है, सुरक्षा में सुधार करता है और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाता है। इससे जीवन स्तर में भी सुधार होता है। सड़कों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, जो मानव जाति के लिए एक बड़ा लाभ है। इसके अलावा, सड़क नेटवर्क पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और मनोरंजन जैसे संबंधित उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। फंडा यह है कि अच्छी सड़कों का निर्माण केवल कनेक्टिविटी नहीं बढ़ाता, बल्कि जीवन को भी समृद्ध बनाता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा देश भी समृद्ध होता है, क्योंकि इनसे व्यापार और वाणिज्य में उछाल आता है।

भारत अब केवल कूटनीति पर ही निर्भर नहीं रहने वाला है

अब जब ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा होने आया है, उससे जुड़े कुछ निष्कर्षों को ठीक से समझ लेना जरूरी है।

भारत की सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों और अन्य फेसिलिटीज पर जोरदार लेकिन ऐहतियाती और टारगेटेड हमला किया था।यहां तक ??कि आक्रमण का समय भी रात को इसलिए चुना गया ताकि नागरिकों को होने वाली क्षति से बचा जा सके। पाकिस्तान हाई-अलर्ट पर था, इसके बावजूद भारत ने सफलतापूर्वक उसकी डिफेंसिव-लाइंस को भेद दिया और अपने लक्ष्यों पर प्रहार करके कुछ आतंकवादियों का खात्मा करने में सफलता पाई। याद रहे कि इन आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में उच्च-स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी शामिल हुए थे।इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान से भारत के इंगेजमेंट्स की शर्तें हमेशा के लिए बदल गई हैं, क्योंकि अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें बहुत कम हासिल हो सका। यहां तक ??कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद प्रतिबंध समिति ने भी लंबे समय तक पाकिस्तान को अपने एक स्थायी सदस्य की छत्रछाया में रहने की अनुमति दी है।भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को छोड़ नहीं रहा है, लेकिन अब वह केवल उसी पर निर्भर भी नहीं रहेगा। इसके बजाय, भारत अब आतंकवाद का सैन्य-बल से जवाब देगा और किसी भी जवाबी कार्रवाई का स्पष्ट और दृढ़ संकल्प के साथ सामना भी करेगा। लेकिन भारत पाकिस्तान को उसके परमाणु हथियारों की धौंस दिखाने की अनुमति नहीं देने वाला।2016 में सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर 2019 में खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमले तक, भारत ने अपने अभियानों के दायरे का उत्तरोत्तर विस्तार किया है और ऐसा करते हुए नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों को लांघा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के गढ़ में प्रहार किए गए। भारत ने दिखाया है कि आतंकवाद का मुकाबला परमाणु-युद्ध को आमंत्रित किए बिना भी एक संतुलित सैन्य-प्रतिक्रिया से किया जा सकता है।पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व अब जब भविष्य में कश्मीर या अन्य जगहों पर तबाही मचाने के लिए आतंकवादियों को भेजने पर विचार करेगा, तो पहले उसे खुद से पूछना होगा कि क्या वह भारत के जवाबी हमले के लिए भी तैयार है? उलटे इससे पाकिस्तान के लोगों को पानी की किल्लत हो सकती है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यही संदेश दिया था।जहां उसके बाद से भारत ने जलप्रवाह को मोड़ने के लिए कोई इच्छा नहीं दिखाई है, लेकिन इस संदेश ने उपमहाद्वीप की भू-राजनीति को मौलिक रूप से बदल दिया है। भारत अब शांति के लिए बातचीत भर नहीं कर रहा है; वह पानी की निरंतर आपूर्ति के बदले में आतंकवाद की समाप्ति की मांग भी कर रहा है।ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को यह भी याद दिलाया है कि पाकिस्तान के आतंकवाद से कितने गहरे ताल्लुक हैं। युद्ध विराम को अंजाम देने वाली परदे के पीछे की बातचीतों के बारे में नए विवरण निस्संदेह सामने आएंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि यह भारतीय सैन्य दबाव के बिना संभव नहीं था।इसके बाद अब निकट-भविष्य में भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसी कोई भी बातचीत- खासकर कश्मीर मुद्दे पर- फिलहाल दूर की संभावना है।वैसे भी कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मूल कारण नहीं है, यह तो पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अपने दावों को सही ठहराने के लिए फैलाया गया एक मिथक है। यह नैरेटिव एक ऐसे कट्टरपंथी तर्क पर आधारित है- जिसे हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दोहराया था- कि मुसलमान गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देश में नहीं रह सकते।भारत व पाकिस्तान में कोई तुलना नहीं है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से 11 गुना अधिक है और उसकी सैन्य-श्रेष्ठता के आगे भी पाकिस्तान नहीं टिकता। पाकिस्तान में उसकी फौज को हासिल अत्यधिक अधिकार, राष्ट्रीय बजट पर नियंत्रण, चीन और तुर्किए के साथ रणनीतिक गठबंधन उसे सशस्त्र संघर्ष को बनाए रखने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करते हैं, जबकि किसी भी पारंपरिक युद्ध में भारत हमेशा पाकिस्तान पर न केवल जीत हासिल करेगा, बल्कि उसे काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। भारत ने सीमापार आतंकवाद का सामना करने में जैसी दृढ़ता दिखाई, उस पर वह गर्व कर सकता है।अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें क्या हासिल हुआ? (शशि थरूर)

आपका टैरेस भविष्य में आपको 'पॉवर-फुल' बना सकता है!

हमने परिवहन में इलेक्ट्रिक कारों के विचार को स्वीकार कर लिया है। हमने पेसमेकर के विचार को भी अपना लिया है, जिसे दिल की धड़कनों को स्थिर रखने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन अब अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार हो जाइए।आने वाले समय में इलेक्ट्रिक विमान भी होंगे और वही बिजली रुमाटॉइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से लेकर ग्लियोब्लास्टोमा जैसे मुश्किल से इलाज होने वाले मस्तिष्क कैंसर और पैंक्रियाटिक कैंसर को ठीक करने के लिए भी तैयार हो रही है!जी हां, न केवल बीमारियों के संभावित उपचार के रूप में, बल्कि नई ग्रीन-टेक्नोलॉजी को अपनाकर 2050 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के अपने जलवायु-लक्ष्य तक पहुंचने में एविएशन क्षेत्र की मदद करने के लिए भी बिजली तैयार हो रही है।टोरंटो से 135 किमी दूर ओंटारियो के लिंडसे में एक छोटे-से हवाई अड्डे पर आपका स्वागत है। यहां होराइजन एयरक्राफ्ट लिमिटेड नामक कंपनी चुपचाप

दुनिया का पहला हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग विमान बना रही है।इसे 'ईवीटीओएल विमान' के नाम से जाना जाता है! खोज और बचाव कार्यों, टाइट लैंडिंग्स, छोटे समूहों और क्षेत्रीय उड़ानों के लिए डिजाइन किए गए होराइजन का सात सीटर विमान पायलट सहित किसी हेलीकॉप्टर की तरह टेकऑफ और लैंड करता है, लेकिन वह 450 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करने में सक्षम है। कंपनी के सीईओ ब्रैंडन रॉबिन्सन को भरोसा है कि अगले 24 महीनों में उड़ान परीक्षण शुरू करने के लिए एक फुल-स्केल प्रोटोटाइप तैयार हो जाएगा।यदि आप 'ईवीटीओएल विमान' की मदद से दो घंटे की यात्रा करके अमेरिका के सिनसिनाटी विश्वविद्यालय जाते हैं, जो कि वहां से 800 किमी दूर है और पोर्ट्समाउथ, जो कि 900 किमी दूर है, तो आप नोवोक्योर नामक ऑन्कोलॉजी कंपनी के मुख्यालय में पहुंच जाएंगे।वे संयुक्त रूप से पता लगा रहे हैं कि डिवाइस के आकार को कैसे छोटा किया जाए और इलेक्ट्रिक फील्ड्स और पल्सेस को ऐसे कैसे ?उपयोग किया जाए कि इससे कैंसर के इलाज में मदद ली जा सके। उन्होंने पहले से ही ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जो ट्यूमर के विकास को धीमा करने के लिए शरीर के सेल-डि?वीजन में इलेक्ट्र?किल फोर्सेस को बाधित करती है।शरीर में विद्युत-घटकों के होने का यह नया विचार हमारे भविष्य के इलाज के तरीकों के बारे में हमारी सोच को बदल रहा है। नोवोक्योर के सीईओ एशले कॉर्डोवा का तो यही मानना ??है। 62 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर टिम नुगेंट जैसे ग्लियोब्लास्टोमा के रोगी पहले ही अपने सिर पर इलेक्ट्रोड्स युक्त पैचेस पहन रहे हैं, जो एक बैटरी पैक से इलेक्ट्रोड्स डिलीवर करते हैं।इसके पीछे यह सोच है कि सेल-डिवीजन को बाधित करने के लिए कम तीव्रता वाले इलेक्ट्रिकल फील्ड्स का उपयोग किया जाए। इनमें से कुछ निष्कर्ष अभी मानव परीक्षण के चरण में हैं। यह बताता है कि भविष्य में नई तकनीकें इस बात का दायरा बढ़ाने जा रहे हैं कि कैसे बिजली हमारे दैनिक जीवन में और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हो सकता है बिजली कैंसर का इलाज करने में कामयाब हो जाए।आने वाले वर्षों में हमारे जीवन का हिस्सा बन सकने वाली ये वैश्विक गतिविधियां एक प्रमुख बदलाव की ओर इशारा करती हैं।

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब ??संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान-दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है- इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना 'पाकिस्तानी एजेंट' होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है। लोकतंत्र में परिपक्व-संवाद उसकी मजबूती का प्रतीक है, कमजोरी का नहीं। युद्ध विराम का अमेरिकी संस्करण हमारे संस्करण से अलग क्यों है- सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए, या तो संसद के विशेष सत्र के माध्यम से या सर्वदलीय ब्रीफिंग के जरिए। अतीत में नेहरू और वाजपेयी द्वारा स्थापित ऐतिहासिक उदाहरण को हमें नहीं भूलना चाहिए। अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन ??सिंदूर से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

न्यूजीलैंड की सांसद ने संसद में दिखाई अपनी डीपफेक न्यूड,ए.आई से 5 मिनट में बन रही हैं फेक तस्वीरें,जानिए कैसे बचें

नयी दिल्ली। बीते 14 मई को

न्यूजीलैंड की संसद में उस वक्त सब चौंक गए, जब सांसद लॉरा मैक्लेयर ने खुद की एक ए.आई से बनी न्यूड फोटो संसद में सभी के सामने दिखाई। यह तस्वीर असली नहीं थी, बल्कि डीपफेक थी, जिसे उन्होंने खुद ही इंटरनेट से महज 5 मिनट में बनाया था। उनका मकसद यह दिखाना कि डीपफेक टेक्नोलॉजी कितनी खतरनाक हो चुकी है और इसे बनाने में कितना कम समय लगता है। आज सोशल मीडिया और इंटरनेट की दुनिया में डीपफेक सिर्फ एक टेक्नोलॉजी नहीं, एक खतरनाक हथियार बन चुका है। इसका इस्तेमाल किसी की छवि बिगाड़ने, करियर को नुकसान

पहुंचाने या एजेंडा बनाने के लिए हो सकता है। खासकर युवाओं, महिलाओं और किशोरियों को इसका सबसे अधिक खतरा है। इसलिए जरूरी है कि हम सतर्क रहें, जागरूक बनें और दूसरों को भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग करें।डीपफेक एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी है, जिसका इस्तेमाल करके किसी व्यक्ति के चेहरे, हाव-भाव, आवाज या बोलने के तरीके की बिल्कुल नकल तैयार की जा सकती है। इसके जरिए किसी के वीडियो या फोटो को इस तरह बदला जा सकता है कि वह देखने में पूरी तरह असली लगे, जबकि वह फर्जी या नकली होता है। इसे वीडियो, ऑडियो और फोटो तीनों फॉर्म में तैयार किया जा सकता है। यह ए.आई टेक्निक बहुत खतरनाक है क्योंकि ये नकली वीडियो और फोटो इतने असली लगते हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। इससे किसी की छवि खराब हो सकती है, झूठी खबरें फैल सकती हैं और लोग धोखे में पड़ सकते हैं। यह पर्सनल जीवन, समाज और राजनीति सभी के लिए बड़ा खतरा बन गया है। डीपफेक वीडियो या फोटो कैसे बनाए जाते- डीपफेक वीडियो और फोटो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के साथ जेनरेटिव एडवर्सरियल नेटवर्क्स का इस्तेमाल किया जाता है। इसके कुछ स्टेप्स हैं। जैसेकि- सबसे पहले किसी व्यक्ति की फोटोज, वीडियो क्लिप्स और आवाज के नमूने इंटरनेट या सोशल मीडिया से जुटाए जाते हैं। ए.आई मॉडल उस व्यक्ति के चेहरे, हाव-भाव और आवाज की बारीकियों को सीखता है। इसमें दो मुख्य हिस्से होते हैं। जनरेटर जिसमें नकली इमेज या वीडियो बनाता है और डिस्क्रिमिनेटर, जो जांचता है कि वह असली है या नकली। दोनों के बीच तुलना के जरिए मॉडल और भी सटीक होता जाता है।एन्कोडर और डिकोडर- एन्कोडर असली चेहरे से जरूरी फीचर्स निकालता है। डिकोडर इन फीचर्स को किसी और वीडियो या फोटो में लगाकर नकली बनाता है। अगर डीपफेक वीडियो है तो हर फ्रेम पर एडिटिंग होती है ताकि चेहरा और एक्सप्रेशन बिल्कुल रियल लगें।

क्या महिलाओं के लिए बंद ही रहेंगे आरएसएस के दरवाजे:पदाधिकारी बोले- राष्ट्र सेविका समिति ही काफी, प्रचारिका बोलीं- हम खुद संघ

नयी दिल्ली। 'परिवार और समाज में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होती है। देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, इसके लिए संघ से जुड़े संगठन कोशिश करेंगे। 11 क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं से कॉन्टैक्ट करने का फैसला किया गया है। अब तक 12 प्रांतों में कुल 73 सम्मेलन हुए हैं। इनमें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा। सम्मेलन में अब तक 1 लाख 23 हजार महिलाएं शामिल हुई हैं।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने 16 सितंबर 2023 को पुणे में अखिल भारतीय समन्वय बैठक में ये बयान दिया था। इसे संघ में महिलाओं की एंट्री के सीधे इशारे के तौर पर देखा गया। हालांकि, करीब डेढ़ साल का वक्त गुजर चुका है, लेकिन ऐसा कुछ जमीन पर नजर नहीं आया। संघ के पदाधिकारी का मानना है कि राष्ट्र सेविका समिति के तौर पर महिलाओं का एक संगठन संघ की शाखा की तरह पिछले 89 साल से काम कर रहा है। ये रीति-नीति और उद्देश्य में 'मिनी संघ' जैसा ही है। सवाल ये है कि क्या समिति में काम करने वाली महिलाओं को कभी संघ में एंट्री मिलेगी। क्या महिलाओं के लिए संघ 1949 में अपनाया गया अपना संविधान बदलेगा?संघ में महिलाओं की एंट्री को लेकर लगातार सवाल उठते हैं। संघ ने न कभी इनका खंडन किया और न कभी मंजूरी दी। हमने इसे लेकर संघ के राष्ट्रीय स्तर के एक बड़े पदाधिकारी से सवाल किया कि क्या कभी संगठन में महिलाएं बड़े पदों पर दिखेंगी? क्या कभी सर संघचालक का पद संभालेंगी? जवाब मिला- 'इस पर चर्चा होती रहती है, लेकिन अब तक ऐसा कोई प्लान बना नहीं है।''हमारा एक आनुषांगिक संगठन राष्ट्र सेविका समिति है। ये सिर्फ महिलाओं के लिए ही है। संघ जो काम करता है, वही काम समिति भी करती है। अब तक एक बार भी समिति के अंदर से ऐसी कोई डिमांड नहीं आई। जब आएगी तो इस पर बातचीत जरूर करेंगे।'इन सवालों के जबाव तलाशने के लिए हम दिल्ली में हुए 15 दिवसीय प्रदेश शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में पहुंचे। इसमें राष्ट्र सेविका समिति की 137 सेविकाएं भी शामिल हुईं। यहां हम राष्ट्र सेविका समिति अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख रूपा रावल से मिले। हमने पूछा कि संघ के बड़े पदों पर महिलाएं क्यों नहीं हैं? क्या समिति की तरफ से कभी कोई डिमांड नहीं हुई? इस पर मुस्कुराते हुए रूपा रावल कहती हैं,रूपा रावल संघ में महिलाओं की एंट्री के सवाल को बेमतलब बताती हैं। वे कहती हैं, 'क्या कभी कोई महिला कहेगी कि उसे मेन्स क्रिकेट टीम का

कैप्टन बनना है। इसका मतलब ये नहीं कि महिलाएं क्रिकेट नहीं खेलतीं। बल्कि ये है कि उनकी टीम अलग है। खेलते दोनों क्रिकेट ही हैं।' 'ये वैसा ही सवाल हुआ कि कोई पूछे कि श्री हरि के दशावतार में कोई देवी क्यों नहीं? अरे दशावतार श्रीहरि विष्णु का है। विष्णु देव हैं, देवी नहीं। तो उनके अवतार भी देवों के ही होंगे। लेकिन देवी क्या देवों से कम हैं, उनकी भी दश शक्तियां हैं। इसी तरह समिति महिलाओं का संगठन है, जैसे- संघ बंधुओं (भाइयों) का है।'रूपा रावल आगे कहती हैं, 'हमारी समिति की भी प्रमुख संचालिका हैं, जैसे- संघ के सर संघचालक मोहन भागवत हैं। संघ में महिलाओं के न होने का मतलब ये नहीं है कि संघ में उन्हें जगह नहीं मिलती या संघ पुरुष वादी है। या फिर समिति पुरातनवादी है, जो ऐसी मांग ही नहीं करती।''बल्कि ये मतलब है कि संगठन के तौर पर समिति अपना काम वैसे ही कर रही है, जैसे संघ कर रहा है। आप ही सोचिए कि जब हमारा संगठन है तो हम संघ में बड़े पदों की मांग क्यों करेंगे?'जहां संघ को लगता है कि समिति की जरूरत है तो वो हमसे बात करते हैं, जहां समिति को लगता है कि संघ की जरूरत है, हम उनसे बात करते हैं। संघ के सेवाकार्यों, संपर्क और जागरण कार्यक्रमों में महिलाओं तक पहुंचने के लिए समिति की प्रचारिकाएं, सेविकाएं और विस्तारिकाएं ही जाती हैं।रूपा रावल जोर देकर कहती हैं, 'हमारी सिर्फ शाखा की जगह अलग हैं, क्योंकि इसमें शारीरिक गतिविधियां होती हैं। महिलाओं और पुरुषों की स्ट्रेंथ अलग है, कम्फर्ट लेवल भी अलग है। बाकी संघ समिति दोनों एक दूसरे का हिस्सा हैं। हालांकि, ये व्यवस्था अभी के लिए है। अगर आगे जरूरत होगी तो व्यवस्था बदल भी सकती है। दिल्ली प्रांत में समिति की संचालिका चारू कालरा महिलाओं की संघ में एंट्री के सवाल को क्रिएटेड मिथ बताती हैं। वो कहती हैं, 'संघ में महिलाओं का न होना और संघ पर पुरुष वादी छवि का ठप्पा लगाना लोगों का बनाया एक मिथक है।'हाल ही ये भी कहा गया कि संघ ने अब

महिलाओं को मंच पर लाकर पुरुष वादी छवि तोड़ने की कोशिश की है। आपने भी यही पूछा कि 2022 में पर्वतारोही संतोष यादव को संघ के मंच पर लाने के पीछे क्या पुरुष वादी छवि को तोड़ना था? मैं इन सवालों का बस यही जवाब दूंगी कि ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं, जिसमें समिति की महिलाएं और संघ के बंधु मिलकर काम करते हैं।''संघ को महिलाओं से कोई परहेज नहीं। अगर ऐसा होता तो समिति ही नहीं बनाई गई होती। समिति संघ की प्रेरणा और रीति-नीति से बना संगठन है। ये महिलाओं के नेतृत्व वाला और महिलाओं के लिए बना संगठन है। संघ और समिति दोनों का काम एक है।'चारू समिति की स्ट्रेंथ को समझाने के लिए एक किस्से से अपनी बात खत्म करती हैं। वे बताती हैं, 'राष्ट्र सेविका समिति की पहली संचालिका और फाउंडर लक्ष्मीबाई केलकर के पास एक सेविका जेठी देवानी का संदेश आया। कहा कि समिति की 1200 सेविकाएं बंटवारे के बाद कराची के हिस्से वाले क्षेत्र में चली गई हैं। इन सेविकाओं का भरोसा डगमगा रहा है। माहौल भी बहुत भयावह है।' 'ये सुनने के बाद लक्ष्मीबाई जी ने सेविका वेणु ताई को अपने साथ लिया और कराची उन सेविकाओं से मिलने पहुंच गईं। ये 14 अगस्त 1947 के आसपास की बात है। उस वक्त माहौल कैसा था ये बताने की जरूरत नहीं। वे प्लेन के जरिए मुंबई से कराची पहुंची थीं। तब प्लेन में सिर्फ वही दोनों महिलाएं थीं, बाकी सब पुरुष थे। बताइए इतना सक्षम होने के बाद हमारी किसी भी सेविका या कार्यकर्ता को कहीं और जाने की क्या जरूरत है?'संघ की स्थापना 1925 में हुई, तो समिति की 1936 में। दोनों के बनने में फर्क सिर्फ 11 सालों का है, लेकिन विस्तार में कई गुना ज्यादा फर्क है। देशभर में संघ की 83 हजार 179 शाखाएं हैं, जबकि समिति की महज 4 हजार 125 शाखाएं हैं। देश में संघ के प्रचारकों की संख्या 2500 से ज्यादा है, तो समिति में प्रचारिकाओं की संख्या सिर्फ 45 और विस्तारिकाओं की 100 है। अगर सेविका और स्वयंसेवकों की बात करें तो समिति के आकलन के मुताबिक, करीब 4 लाख सेविकाएं हैं। वहीं, संघ के स्वयंसेवक करीब 83 लाख से ज्यादा हैं। आरएसएस या उससे जुड़े संगठन अनरजिस्टर्ड हैं। लिहाजा, रजिस्ट्रेशन न होने की वजह से सेविका और स्वयंसेवकों का सटीक डेटा नहीं है। समिति की सह प्रचार प्रमुख रूपा रावल कहती हैं, 'हम एक गैर रजिस्टर्ड संगठन हैं। इसलिए सेविकाओं के आंकड़े शाखा पट्ट के जरिए ही कैलकुलेट करते हैं। शाखा पट्ट यानी शाखा के वक्त पहना जाने वाला पट्टा। शाखा सदस्य वो भी है जो शाखा ध्वज को प्रणाम भी करके चला जाता है। अगर ये संख्या जोड़ेंगे तो आंकड़ा और भी ज्यादा होगा।'

नड्डा बोले- पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी थी,मोदी सरकार में ये भावना बदल गई, नोटबंदी में लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे

नयी दिल्ली। मोदी सरकार के

सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था। नड्?डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46फीसदी वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63फीसदी वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है।करप्शनः 'यह एक पारदर्शी और भविष्य की सोच वाली सरकार है। 11 साल में विकसित भारत की नींव मजबूत हुई है। पहले की सरकार भ्रष्टाचार और निराशा के माहौल से भरी थी। 2014 के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। आज लोग गर्व से कहते हैं, 'मोदी है तो मुमकिन है।'इकोनॉमीः 'पिछले 11 सालों में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में 10वें से 5वें नंबर पर पहुंच गया है। आईएमएफ के नए आंकड़ों के मुताबिक, अब हम चौथे स्थान पर पहुंचने वाले हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना है।' चुनाव में गड़बड़ीः 'विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने से पहले सोचना चाहिए। जब आप हिमाचल, पंजाब में जीतते हो तो सब ठीक है। जहां हारते हो, वहां धांधलेबाजी का आरोप लगाते हो। हर बार वे यही बात करते हैं कि इतने वोट जुड़ गए, उतने वोट जुड़ गए। ये कैसे सही है?' नोटबंदीः मुझे याद है नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां फायदा उठाने के लिए जनता को उकसा रही थीं। लेकिन भारत का आम आदमी बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के फैसले का समर्थन किया। जब लीडरशिप पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है। आप भूल गए होंगे, लेकिन मैं भूलता नहीं। ऑपरेशन सिंदूरः भगवान राहुल गांधी को सद्बुद्धि दें, क्योंकि उनके मकसद को समझना बहुत मुश्किल है। जब वे ऑल पार्टी मीटिंग में जाते हैं, तो कहते हैं कि देश के साथ खड़े हैं। बाहर निकलने पर सवाल उठाने लगते हैं। ऐसे सवाल जो पूरी तरह से निराधार हैं। मैं केवल यही कह सकता हूं कि वे गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं।मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है।'मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'मीडिया प्रचार की वजह से मोदी ने सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। मैं मोदी सरकार को जीरो नंबर दूंगा। जब वे गुजरात के सीएम थे, तब उन्होंने कहा था कि राज्यों को सेंट्रल टैक्स में 50फीसदी हिस्सा मिलना चाहिए। जब वे पीएम बने तो उन्होंने क्या किया? कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है। जब हम भाजपा से पूछते हैं तो वे कहते हैं कि हम बदनामी कर रहे हैं।'एक दिन पहले रविवार को मोदे ने कहा था कि उज्ज्वला योजना ने लाखों घरों को धुंए से मुक्ति दिलाई। मुद्रा योजना से महिलाओं को खुद का बिजनेस शुरू करने का मौका मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर घर देने से उन्हें संपत्ति में हिस्सेदारी मिली। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा को लेकर देशभर में जागरूकता फैलाई।'

शाह बोले-स्टालिन सरकार ने 4600 करोड़ का खनन घोटाला किया,मेरे पास इनके भ्रष्टाचार की लंबी सूची, 2026 में तमिलनाडु-पश्चिम बंगाल में एनडीए सरकार बनेगी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि मेरे पास स्टालिन सरकार के भ्रष्टाचार की लंबी सूची, इन्होंने 4600 करोड़ का रेत खनन घोटाला किया। लेकिन मैं उन पर बात करके समय बर्बाद नहीं करना चाहता।इन्होंने 4600 करोड़ रुपए के अवैध रेत खनन घोटाले का आरोप भी है, जिसका असर सीधे राज्य के गरीबों पर पड़ा और उन्हें महंगी रेत खरीदनी पड़ी, ताकि पार्टी लाभ कमा सके।तमिलनाडु के मदुरै में बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने मदुरै को परिवर्तन की धरती बताया और कहा कि यह कार्यकर्ता सम्मेलन डीएमके सरकार को हटाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।शाह ने दावा किया कि साल 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में सरकार बनाएगी।शाह ने कहा- 'पिछले चार साल में डीएमके ने भ्रष्टाचार की हर हद पार कर दी है। अमित शाह ने कहा कि केंद्र ने जो 450 करोड़ की पोषण किटें भेजीं, उन्हें निजी कंपनी को देकर गरीबों को खाना तक नहीं मिलने दिया।' कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों की धर्म पूछकर हत्या कर दी थी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का सफाया कर दिया। शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से पहले भी भारत पर कई आतंकी हमले हुए थे मगर कभी कोई जवाब नहीं दिया गया। हमारी वीर सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर जाकर आतंकियों का हेडक्वार्टर जमींदोज कर दिया था।अमित शाह ने 11 अप्रैल को चेन्नई में भाजपा और

ए.आई.ए.डी.एम.के के गठबंधन का ऐलान किया। उन्होंने कहा 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव ए.आई.ए.डी.एम.के प्रमुख ई पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। सीटों का बंटवारा बाद में चर्चा के बाद तय किया जाएगा। शाह ने कहा कि गठबंधन को लेकर ए.आई.ए.डी.एम.के की कोई डिमांड नहीं है, न ही बीजेपी उनके अंदरूनी मामलों में कोई हस्तक्षेप करेगी। पार्टी का एनडीए में शामिल होना दोनों के लिए ही बहुत फायदेमंद है। शाह ने कहा- 'अगला चुनाव डीएमके सरकार के भ्रष्टाचार, दलितों पर, महिलाओं पर अत्याचार के आधार लड़ा जाएगा। लोग डीएमके से घोटालों पर जवाब मांग रहे हैं, चुनाव में इन्हीं मुद्दों पर जनता वोट देगी।' दरअसल, सितंबर 2023 में तत्कालीन तमिलनाडु प्रमुख अन्नामलाई की गई कुछ टिप्पणियों के कारण अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम एनडीए से अलग हो गई थी। इधर, शुक्रवार को ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का नाम भी सामने आ गया। तिरुनेलवेली से भाजपा विधायक नयनार नागेन्द्रन भाजपा के अगले प्रदेश अध्यक्ष बन सकते हैं। नागेंद्रन पहले ए.आई.ए.डी.एम.के में रह चुके हैं, जिससे गठबंधन को मजबूती मिलने की संभावना है। नागेंद्रन के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन शाह के एक एक्स पोस्ट के मुताबिक नयनार का नाम मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष के अन्नामलाई ने प्रस्तावित किया था।

अब गोल्ड पर मिलेगा ज्यादा लोन:1 लाख कीमत के सोने पर रु85,000 तक कर्ज देंगे बैंक; आरबीआई ने बदले नियम

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने गोल्ड लोन के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। रिजर्व बैंक ने 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू रेश्यो 75फीसदी से बढ़ाकर 85फीसदी कर दिया है। यानी अब 1 लाख रुपए की गोल्ड वैल्यू पर 85,000 रुपए तक लोन मिल सकेगा, पहले यह सीमा 75,000 रुपए थी। 2.5 लाख रुपए तक के छोटे गोल्ड लोन पर क्रेडिट अप्रेजल की जरूरत नहीं होगी, यानी कागजी कार्रवाई कम होगी और लोन जल्दी मिलेगा। इससे छोटे कर्जदार खासकर ग्रामीण और छोटे शहर वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए के लिए लोन लेना और आसान हो जाएगा।आरबीआई के नए फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनी मुथूट फाइनेंस के शेयर में 7फीसदी की तेजी रही। शेयर 2,454 रुपए के के स्तर पर बंद हुआ है। इसके अलावा मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर 5.64फीसदी बढ़कर 247 रुपए तक पहुंच गया। आईआईएफएल फाइनेंस का शेयर भी 5.20फीसदी चढ़कर 451 रुपए पर आ गया है।इस पहले वित्त मंत्रालय ने आरबीआई को सुझाव दिया था कि 2 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन को सख्त नियमों से छूट दी जाए, ताकि छोटे कर्जदारों को जल्दी लोन मिल सके। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, नए नियमों से गोल्ड लोन सेक्टर में पारदर्शिता और लचीलापन आएगा। फाइनल गाइडलाइंस सोमवार तक जारी हो जाएंगी।एलटीवी यानी लोन-टू-वैल्यू रेशियो। एलटीवी का मतलब आपके गोल्ड की कुल वैल्यू के अनुपात में आपको कितना लोन मिलेगा। नए नियमों के बाद 1 लाख के गोल्ड पर 85,000 रुपए तक लोन मिल सकेगा।वहीं 2.5 से 5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर ये एलटीवी 80फीसदी रहेगी। 5 लाख रुपए से ज्यादा के लोन पर एलटीवी को 75फीसदी रखा गया है। 2.5 लाख रुपए से ज्यादा के लोन पर क्रेडिट अप्रेजल लेना होगा। इस फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस और आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों में 2फीसदी से 7फीसदी तक की तेजी देखी गई।गोल्ड लोन लेने से पहले कई पहलुओं पर गौर करना जरूरी है। इनमें ब्याज दर, लोन-टू-वैल्यू रेशियो, प्रोसेसिंग फीस और कर्ज चुकाने की शर्त शामिल हैं। इन सबसे बढ़कर आपके द्वारा गिरवी रखे गए सोने की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको प्रतिष्ठित लेंडर (यानी गोल्ड लोन देने वाली फर्म) को चुनना चाहिए, जिनके पास सुरक्षित स्टोरेज या लॉकर फैसिलिटी या फिर इंश्योर्ड वॉल्ट हो। गोल्ड लोन एक सिक्योर्ड लोन है। सोना गिरवी होने से लोन देने वाले का वित्तीय जोखिम कम होता है। गोल्ड लोन की प्रोसेसिंग में तुलनात्मक रूप से कम समय लगता है। इसमें ज्यादा कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं होती। गोल्ड की कीमतें बढ़ने पर आपका निवेश मूल्य बढ़ सकता है, जिससे गोल्ड लोन लेना एक फायदे का सौदा हो सकता है।आम तौर पर आपको लोन चुकाने के लिए 3 से 2 साल तक का समय मिलता है। लेकिन यह बैंक और एनबीएफसी पर निर्भर करता है। जैसे एचडीएफसी बैंक 3 महीने से दो साल तक के लिए कर्ज देता है। एसबीआई तीन साल तक के लिए देता है। मुथूट और मनापुरम ज्यादा समय तक के लिए कर्ज देते हैं।ज्यादा से ज्यादा आपको एक लाख के सोने पर 90 हजार रुपए का लोन मिलेगा। एसबीआई 50 लाख रुपए तक का गोल्ड लोन देता है। वहीं 1500 रुपए भी लोन देती हैं। चूंकि यह कंपनियां केवल गोल्ड लोन ही देती हैं इसलिए यहां अधिकतम की कोई सीमा नहीं है।एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार आपको पैन कार्ड, आधार और 2 पासपोर्ट साइज देना होगा। इसके अलावा पते का भी प्रूफ देना होगा।गोल्ड लोन एक तरह का सिक्योर्ड लोन होता है। इसीलिए इसमें आपका क्रेडिट स्कोर मायने नहीं रखता है। ये लोन आपको पर्सनल लोन की तुलना में आसानी से और कम ब्याज पर मिलता है।बैंक या एनबीएफसी आपको लोन की रकम और ब्याज का भुगतान (रीपेमेंट) करने के लिए कई ऑप्शन देते हैं, आप इनमें से अपनी जरूरत के हिसाब से किसी को भी चुन सकते हैं। आप समान मासिक किस्तों में भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा आप एकमुश्त मूल भुगतान के दौरान ब्याज भर सकते हैं। इसे बुलेट रीपेमेंट कहते हैं, और इसमें बैंक मासिक आधार पर ब्याज लेते हैं।यदि आप समय पर लोन नहीं चुका पाते हैं, तो कर्ज देने वाली कंपनी को आपके सोने को बेचने का अधिकार है। इसके अलावा अगर सोने की कीमत गिरती है, तो कर्जदाता आपसे अतिरिक्त सोना गिरवी रखने के लिए भी कह सकता है। गोल्ड लोन लेना तभी सही है जब आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत हो। घर खरीदने जैसे बड़े खर्च के लिए उनका इस्तेमाल न करना सही नहीं होगा।

पंचायत चुनाव के गुणा-भाग से तय होगा बीजेपी देश अध्यक्षःकोर वोट बैंक साधने वाले को ही मिलेगी यूपी की कमान

लखनऊ। यूपी में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का नाम कब सामने आएगा? इंतजार बढ़ता जा रहा है। पार्टी की ओर से निर्धारित तारीख के 5 महीने बाद भी नया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नहीं मिला है। सियासी गलियारों में इसे लेकर चर्चा तेज है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भाजपा पंचायत और विधानसभा चुनाव- 2027 का गुणा-भाग करने के बाद बड़ा वोट बैंक साधने वाले को प्रदेश अध्यक्ष बनाएगी।भाजपा अध्यक्ष चुनने में देरी की वजह क्या है?। रेस में कौन-कौन नेता हैं? देरी का कार्यकर्ताओं और भाजपा के अभियान पर क्या असर है? 29 अगस्त, 2022 को उस समय के पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। चौधरी का कार्यकाल यूं तो जेपी नड्?डा के कार्यकाल के साथ ही जनवरी, 2023 में समाप्त हो गया था। लेकिन, जैसे-जैसे नड्?डा का कार्यकाल बढ़ा, भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल भी बढ़ता जा रहा है। यूपी में संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 16 मार्च को 98 में से 70 जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त हो गए थे। जिलाध्यक्ष नियुक्ति के करीब पौने तीन महीने बीतने के बाद भी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर तैयारी नहीं है।बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष ने जनवरी में लखनऊ दौरे के दौरान 15 जनवरी तक नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित होने की बात कही थी। संतोष की बात को कार्यकर्ताओं ने भी ब्रह्म वाक्य माना। सभी उम्मीद कर रहे थे कि 15 जनवरी नहीं, तो कम से कम 30 जनवरी तक नया प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। लेकिन, अब 5 महीने बीतने के बाद भी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है। न ही पार्टी की ओर से कोई संकेत हैं कि चुनाव कब तक होगा।यूपी में बीजेपी के नए अध्यक्ष को लेकर पिछड़े वर्ग में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद, एमएलसी अशोक कटारिया के नाम रेस में हैं। एससी वर्ग में पूर्व मंत्री रामशंकर कठेरिया और एमएलसी विद्यासागर सोनकर पर चर्चा है। ब्राह्मण समाज से बस्ती के पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, विधायक श्रीकांत शर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के नाम प्रमुख हैं। हालांकि बीजेपी के एक बडे पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने इस संबंध में अभी कोई चर्चा भी शुरू नहीं की है। लेकिन, नेता केंद्रीय नेतृत्व और आरएसएस के जरिए अपनी दावेदारी जता रहे हैं।वरिष्ठ पत्रकार आनंद राय का कहना है कि भाजपा रणनीति पर काम करती है। हर एक्शन के पीछे निहितार्थ छिपा होता है। बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती पंचायत चुनाव हैं। प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति भी उसी को देखते हुए होगी। पार्टी पंचायत चुनाव के गुणा-भाग को जानने में लगी है। भाजपा में कुछ भी तय करना कठिन होता है। बहुत मशक्कत के बाद तय होता है कि किसे प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए? कई फोरम हैं, हर जगह से एनओसी मिलने के बाद ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर फैसला होगा।आनंद राय कहते हैं- पहलगाम की घटना ने भी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति में अड़चन पैदा की है।

सोनम कपूर 40वा बसंत, सेक्शुअल हैरेसमेंट का शिकार हुईं,वेटर की नौकरी की, उधार के कपड़े भी पहने,पिता से कहा था- जिंदगी बर्बाद कर दी

नयी दिल्ली। बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेस मानी जाने वाली सोनम कपूर अपनी बेबाकी के लिए काफी मशहूर हैं। अपनी बेबाक और स्पष्टवादिता के लिए जानी जाने वाली सोनम अक्सर कुछ ऐसा बोल जाती हैं, जिसकी वजह से उनकी काफी आलोचना होती है। कभी नेपोटिज्म के मुद्दे पर ट्रोल किया जाता है, तो कभी सेक्शुअल हैरेसमेंट जैसे मुद्दे पर खुलकर बात करती हैं। 9 जून 1985 को मुंबई में बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर के घर में जन्मी सोनम आज अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं।सोनम कपूर को पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) नामक बीमारी थी। इसकी वजह से उन्हें कई हार्मोनल समस्याएं थीं। बरखा दत्त की मोजो स्टोरी में बातचीत के दौरान सोनम ने बताया था- 16 साल की हुई तो मेरा वजन बढ़ गया। मेरे चेहरे पर बाल थे और मुंहासे निकलने लगे थे। लोग मेरा मजाक उड़ाते थे और कहते थे कि ओह, ये अनिल कपूर की बेटी है। हालांकि, वह बीमारी उम्र के साथ खत्म हो गई, लेकिन मैं इससे बहुत दुखी थी।पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के अलावा सोनम को 17 साल की उम्र में डायबिटीज के बारे में भी पता चला। उनको लग रहा था कि यह जेनेटिक है। वह अपने पिता अनिल कपूर को दोषी ठहराती थीं। फिर उनकी मां ने उन्हें समझाया कि ऐसा हार्मोनल इम्बैलेंस और गलत खाने की आदतों की वजह से होता है। इसमें पेरेंट्स का कोई दोष नहीं होता है।जब सोनम हार्मोनल समस्याओं से परेशान थीं तब उनकी मां ने उन्हें कम्फर्टेबल करने के लिए एक्ट्रेस काजोल की फोटो दिखाई। उस वक्त काजोल की आईब्रो में गैप नहीं था। उन्होंने कभी अपनी आईब्रो नहीं बनवाई थी। काजोल की फोटो दिखाते हुए सोनम की मां ने कहा था, उसे देखो! वह इस समय सबसे बड़ी हीरोइन है।' सोनम ने कहा- वह देखकर मैंने काजोल से प्रेरणा ली थी। फिर 17 साल की उम्र में मुझे संजय लीला भंसाली ने काम करने का मौका दिया।अनिल कपूर जैसे बड़े स्टार की बेटी होने के बाद भी सोनम कपूर को वेटर की नौकरी करनी पड़ी थी। इस बात का खुलासा खुद सोनम कपूर ने अनुपम खेर के शो में किया था। एक्ट्रेस बताया था- मुंबई में 10वीं के बाद सिंगापुर में

जाकर पढ़ाई कर रही थी। उन दिनों मुझे ज्यादा पॉकेट मनी नहीं मिलती थी। फास्ट फूड खाने का बहुत शौक था, इसलिए मैंने कुछ दिनों के लिए मेक्सिकन रेस्टोरेंट में वेटर की जॉब भी की थी।शुरुआती दौर में सोनम कपूर फैशन डिजाइनर्स से कपड़े उधार लेकर पहनती थीं। इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया था। एक्ट्रेस ने कहा था- अपनी मां के कारण मैं अंतरराष्ट्रीय और भारतीय फैशन डिजाइनर्स को स्टार मानती थी। यह किसी इमेज को पेश करने की बात नहीं, बल्कि फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार था। मुझे एहसास हुआ कि लोग अक्सर कपड़े उधार नहीं लेते, इसलिए मैंने उन्हें उधार लेना शुरू कर दिया। हर समय सब कुछ खरीदना समझदारी नहीं थी। मैंने बहुत कुछ खरीदा, लेकिन उधार लेना ज्यादा व्यावहारिक लगा। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम बात थी, लेकिन भारत में नहीं। मैंने वही किया जो उस समय मुझे अच्छा लगा। उस समय मैं 20 साल की थी, बिना किसी इरादे के बस फैशन के प्रति अपने जुनून पर काम करती थी।फिल्मों में एंट्री से पहले लोग सोनम के मोटापे का खूब मजाक उड़ाते थे। सोनम सबकी बातों को नजरअंदाज कर देती थीं, लेकिन जब उनके बॉयफ्रेंड ने मजाक उड़ाया तो बात उनके दिल पर लग गई। सिमी गरेवाल के एक चैट शो में सोनम कपूर ने बताया था कि उनका पहला बॉयफ्रेंड नीदरलैंड का रहने वाला था। बताया जाता है कि सोनम जब 19 साल की थीं तब उनके बॉयफ्रेंड ने उनके वजन का मजाक उड़ाया था। इसीलिए सोनम ने उससे ब्रेकअप कर लिया था।फिल्म 'सांवरिया' की शूटिंग के दौरान सोनम और रणबीर के बीच नजदीकियों की खबरें उड़ी थीं।

सोनम ने खुद करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में रणबीर से अपने अफेयर की बात स्वीकार भी की थी, लेकिन कहा जाता है कि रणबीर ने दीपिका के लिए सोनम को डिच कर दिया था। फिर सोनम कपूर ने कसम खाई कि वो किसी एक्टर को डेट नहीं करेंगी।रणबीर कपूर से ब्रेकअप के बाद सोनम का नाम मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के भतीजे और डायरेक्टर पुनीत मल्होत्रा से जुड़ा। बताया जाता है कि जब पुनीत फिल्म 'आई हेट लव स्टोरीज' डायरेक्ट कर रहे थे तब दोनों का अफेयर शुरू हुआ था। करीब 2 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इनके बीच ब्रेकअप हो गया।पुनीत मल्होत्रा के साथ ब्रेकअप के बाद सोनम कपूर का नाम बिजनेसमैन साहिर बेरी के साथ जुड़ा। हालांकि, सोनम से जब इंटरव्यू में साहिर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करने के साफ मना कर दिया। सोनम कपूर ने अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन आनंद आहूजा से 8 मई 2018 को शादी की थी। एक्ट्रेस ने बेटे वायु को 22 अगस्त 2022 को जन्म दिया था।सोनम कपूर अपनी बेबाक और स्पष्टवादिता के लिए जानी जाती हैं। अक्सर वह कुछ ऐसा बोल जाती हैं, जिसकी वजह से उनकी काफी आलोचना होती है। ऐश्वर्या राय कई सालों से लॉरियल की ब्यूटी ब्रांड से जुड़ी हुई थीं, लेकिन 2009 में सोनम कपूर को लॉरियल का एंबेसडर बनाया गया। उसके बाद एक इंटरव्यू के दौरान जब सोनम कपूर से ऐश्वर्या राय बच्चन को ब्रांड एंबेसडर से हटाने के निर्णय के बारे में पूछा गया, तब सोनम ने ऐश्वर्या को आंटी कहते हुए कहा था- ऐश्वर्या दूसरी पीढ़ी की आंटी हैं। यह बात सुनकर ऐश्वर्या भड़क गई थीं। बाद में सोनम कपूर ने अपनी सफाई में कहा था कि ऐश्वर्या ने उनके पिता अनिल कपूर के साथ काम किया है, इसलिए उन्हें आंटी कहना स्वाभाविक है। सोनम कपूर अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं।सोनम कपूर को नेपोटिज्म के मुद्दे पर भी काफी ट्रोल किया जाता है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही सभी स्टारकिड्स ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए थे। नेपोटिज्म के मुद्दे पर सोनम कपूर, सोनाक्षी सिन्हा और अनन्या पांडे समेत कई एक्ट्रेस को लगातार आलोचना झेलनी पड़ी थी। लगातार आपत्तिजनक कमेंट्स और मैसेज देखकर सोनम कपूर ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए नेपोटिज्म के मुद्दे पर ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था। सोनम कपूर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा था- ये कुछ कमेंट्स है जो मुझे आ रहे हैं। मीडिया और सभी तरह के लोग जो इसे बढ़ावा दे रहे हैं और भड़का रहे हैं। ये सब आप पर है। लोग बातें कर रहे हैं कि किसी व्यक्ति को कैसे दयालु होना चाहिए और खुद दूसरों के साथ उससे भी बुरा कर रहे हैं।दरअसल, सोनम कपूर ने सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या को लेकर एक ट्वीट किया, जो खूब वायरल हुआ था। सोनम ने अपने ट्वीट में लिखा था- किसी की मौत के लिए उसकी गर्लफ्रेंड, एक्स गर्लफ्रेंड, परिवार और कलीग को दोषी ठहराना अज्ञानता है। सोनम ने उन लोगों पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा था जो सुशांत की खुदकुशी के लिए उनकी गर्लफ्रेंड और एक्स गर्लफ्रेंड को जिम्मेदार बता रहे थे। सोनम के इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर नेपोटिज्म पर बहस छिड़ गई थी। इसके बाद सोनम कपूर को अपने कमेंट सेक्शन को बंद करना पड़ा था।सोनम सेक्शुअल हैरेसमेंट जैसे मुद्दे पर खुलकर बात करती हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म क्रिटिक राजीव मसंद के ईयर एंडिंग शो 'द बॉलीवुड राउंड-टेबल 2016' में बचपन में हुई छेड़खानी के बारे में खुलकर बात की थी। सोनम ने कहा था- हर कोई बचपन में यौन शोषण का शिकार होता है। बचपन में मेरे साथ ऐसा हादसा हुआ था, जो भयावह था। इसके बारे में मैंने 2-3 साल तक किसी को बताया नहीं था।

'हम दोस्त नहीं थे':सोनाली बेंद्रे ने बताया- क्यों सलमान को नहीं करती थीं पसंद,कैसे कैंसर के वक्त उनकी मदद ने बदली सोच

नयी दिल्ली। एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने हाल ही में सलमान खान के साथ अपने रिश्ते को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि सलमान के साथ उनकी दोस्ती धीरे-धीरे बनी। शुरुआत में दोनों के बीच खास तालमेल नहीं था। सोनाली ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'मैं उस वक्त सलमान को पसंद नहीं करती थी, जब हम 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे। मतलब, मैं अपने क्लोजअप सीन कर रही होती थी और सलमान कैमरे के पीछे खड़े होकर मेरे सामने चेहरे बना रहे होते थे। लेकिन यही है सलमान वो एक मस्तीखोर हैं, एकदम बच्चे जैसे। पर उस वक्त मुझे ये बर्ताव बहुत बुरा लगा था। मैं सोचती थी, ये क्या कर रहे हैं? मैं तो उनसे बात तक नहीं करूंगी। उस समय मुझे बहुत बुरा लगा था।'सोनाली बेंद्रे ने आगे कहा, 'लेकिन धीरे-धीरे जब मैं उन्हें और जानने लगी, तो समझ में आया कि वो एकदम बच्चे जैसे हैं। उनका हर इमोशन बहुत एक्सट्रीम होता है। अगर वो आपकी केयर करेंगे तो हद से ज्यादा करेंगे।'बता दें कि जब सोनाली को स्टेज-4 मेटास्टेटिक कैंसर हुआ था, तब सलमान ने उनकी बहुत केयर की थी। सोनाली बेंद्रे ने कहा, 'और वही इंसान, जो शूट के वक्त कैमरे के पीछे से मुझे चिढ़ाता था, वही

इलाज के लिए वहां थी। वो देखने आया कि मैं ठीक हूं या नहीं। इतना ही नहीं, वो मेरे पति गोल्डी को फोन करता था और पूछता था, क्या तुमने सही डॉक्टर चुने हैं? मुझे लगता है, इन डॉक्टरों से भी बात कर लो। वो डॉक्टरों के नाम भी भेजता था, कहता था मुझे पता है कि तुमने यहां इलाज शुरू कर दिया है, पर इनसे भी एक बार बात कर लो।' सोनाली ने कहा, 'उस समय मुझे महसूस हुआ कि सलमान कितने सेंसिटिव और केयरिंग इंसान हैं। मुझे लगा कि इंडस्ट्री के एक बड़े भाई की तरह वो यह सब कर रहे थे। जब उन्हें भरोसा हो गया कि हमने बेस्ट इलाज का ऑप्शन चुना है, तब जाकर वो शांत हुए।' सोनाली ने यह भी कहा कि वह सलमान के साथ अपने रिश्ते को लेकर पॉलिटिकली करेक्ट नहीं होना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच पहले काफी मतभेद रहे, लेकिन अब मैं उनकी उस साइड को समझती हूं।'बता दें कि सोनाली बेंद्रे और सलमान खान ने साल 1999 में आई फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' में साथ काम किया था। इस फिल्म में सलमान 'प्रेम' और सोनाली 'प्रीति' के रोल में थे। फिल्म में दोनों की लव स्टोरी को खासतौर पर दिखाया गया था।

सूरत में मॉडल ने फांसी लगाई,आत्महत्या से पहले भावुक रील पोस्ट की,लिखा-आज उसने अहसास कराया, मैं उसके लिए कुछ नहीं

नयी दिल्ली। गुजरात के सूरत की रहने वाली 23 साल की मॉडल अंजलि वर्मोरा ने शुक्रवार देर रात अपने कमरे में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में मानसिक तनाव आत्महत्या की वजह माना जा रहा है। फिलहाल अठवा पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से एक दिन पहले अंजलि ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो भावुक रील पोस्ट की थीं। एक में लिखा था, अगर सब जाए तो कोई समस्या नहीं, लेकिन जब प्रियजन चले जाते हैं तो बहुत तकलीफ होती है। वहीं, दूसरी में लिखा था, 'आज उसने अहसास कराया कि मैं उसके लिए कुछ नहीं हूं।' पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है और परिवारजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। अंजलि की दो साल पहले सगाई हो चुकी थी। हालांकि आत्महत्या की पुख्ता वजह अब तक सामने नहीं आई है।पुलिस के अनुसार, अंजलि अपने परिवार के साथ

रहती थी, जिसमें उसकी मां, एक भाई और एक बहन शामिल हैं। वह पिछले कुछ महीनों से 'रेवेन्यू मॉडल कास्टिंग एजेंसी' के साथ काम कर रही थी और सूरत और अहमदाबाद में मॉडलिंग प्रोजेक्ट करती थी। शुक्रवार रात में जब परिवार को कुछ अनहोनी की आशंका हुई, तब दरवाजा खटखटाया गया लेकिन न खुलने पर तोड़ा गया। कमरे में अंजलि फांसी पर लटकी मिली। तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।इससे पहले 2 मई को सूरत के सारोली इलाके में 19 साल की मॉडल सुखप्रीत कौर ने भी आत्महत्या कर ली थी। मूल रूप से मध्यप्रदेश की रहने वाली सुखप्रीत मॉडलिंग के सिलसिले में अपनी तीन बहनों के साथ सूरत आई थी। चार दिन पहले ही वह सूरत पहुंची थी। बहनों के घर लौटने पर वह फांसी पर लटकी मिली थी।

दिशा पाटनी को एयरपोर्ट पर नहीं मिली एंट्री!टीम के साथ सिक्योरिटी चेक तक पहुंचकर लिया यू-टर्न, वीडियो वायरल

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी को रविवार सुबह उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। वे सफर के लिए तैयार नजर आईं, लेकिन अचानक एक गड़बड़ी हो गई। दरअसल, दिशा का एक वीडियो सामने आया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि दिशा अपना पासपोर्ट घर पर भूल गईं। वीडियो में दिशा व्हाइट फिटेड फुल स्लीव टी-शर्ट और लाइट ब्लू बैगी जींस में नजर आईं। गेट पर जाने से पहले उन्होंने कैमरे की तरफ मुस्कुराकर पोज भी दिया। वापस लौटते वक्त एक फोटोग्राफर ने पूछा, 'क्या हुआ?' दिशा ने मुस्कुराकर कहा, 'कुछ नहीं।' इसके बाद हंसते हुए अपनी कार में बैठ गईं। बता दें कि हाल ही में दिशा पाटनी को लेकर खबर आई थी कि वो जल्द ही सुपरनैचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' में नजर आएंगी। खास बात यह है कि इस फिल्म से ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी लगभग दो दशक बाद निर्देशन में लौट रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मैक्सिको में हुई है और इसमें कई इंटरनेशनल स्टार्स भी नजर आएंगे। दिशा के साथ फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रियाना हिलडेब्रांड भी अहम भूमिकाओं में हैं।'होलीगार्ड्स'एक फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसका नाम 'स्टेटिगार्ड्स बनाम होलीगार्ड्स' है। फिल्म में एक्शन, हॉरर और सुपरनैचुरल एलिमेंट्स की भरमार होगी। पोस्ट-प्रोडक्शन के दौरान ही फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।कुछ समय पहले दिशा पाटनी की शूटिंग के दौरान की एक तस्वीर

यह तस्वीर मेक्सिको के डुरैंगो की थी, जहां फिल्म की शूटिंग हो रही थी। इंडस्ट्री के एक सूत्र के मुताबिक, 'दिशा इस साल जनवरी में मेक्सिको में थीं। उन्होंने टायरेस गिब्सन और हैरी गुडविन्स के साथ शो के पायलट की शूटिंग की थी। उनकी शूटिंग के सीन विजुअली बेहद शानदार हैं।' यह दिशा का पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट नहीं है। इससे पहले वह जैकी चैन के साथ 'कुंग फू योगा' में भी नजर आ चुकी हैं। हॉलीवुड प्रोजेक्ट के साथ-साथ दिशा फिलहाल 'वेलकम टू द जंगल' की भी तैयारी कर रही हैं, जो साल 2025 में रिलीज होगी।दिशा पाटनी ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साउथ इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने साल 2015 में तेलुगु फिल्म 'लोफर' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें हिंदी सिनेमा में ब्रेक मिला साल 2016 में, जब वो 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में सुशांत सिंह राजपूत के साथ नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने प्रियंका झा का रोल निभाया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया। उन्होंने 2017 में जैकी चैन के साथ इंटरनेशनल फिल्म 'कुंग फू योगा' में भी काम किया। इसके बाद दिशा ने 'बागी 2' (2018) में टाइगर श्रॉफ के साथ धमाकेदार एक्शन किया। फिर 2019 में सलमान खान के साथ फिल्म 'भारत' में नजर आईं। 2020 में आई फिल्म 'मलंग' में दिशा ने एक डार्क और इंटेंस किरदार निभाया। दिशा 2024 में दो बड़ी फिल्मों 'कालकी 2898 ए.डी.' और 'कंगुवा' में भी नजर आईं।

24 घंटे नशे की हालत में रहते हैं जस्टिन बीबर?:सोशल मीडिया पोस्ट देखकर यूजर्स बोले- लगता है कि सिंगर की हालत ठीक नहीं है

नयी दिल्ली। सिंगर जस्टिन बीबर इन दिनों लगातार चर्चा में हैं। उनकी सोशल मीडिया पोस्ट्स और कॉन्सर्ट्स में व्यवहार को लेकर अब फैंस को उनकी चिंता सताने लगी हैं। इतना ही नहीं इसको लेकर सोशल मीडिया पर बहस भी छिड़ गई है। कुछ लोगों का मानना है कि उन्हें मदद की जरूरत है, जबकि कुछ का कहना है कि वह अब 24 घंटे नशे की हालत में रहते हैं। दरअसल, जस्टिन बीबर ने हाल ही में अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की है। इस फोटो में वह वीडियो कॉल करते नजर आ रहे हैं और उनके साथ एक महिला की धुंधली

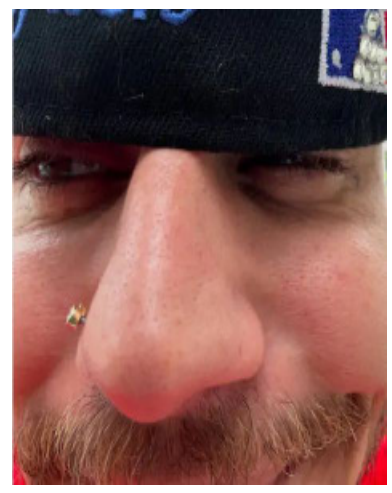

सी झलक भी दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर को देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स की ओर से तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'लगता है जस्टिन के पास कोई सोशल मीडिया टीम नहीं है।', दूसरे ने लिखा, 'वो बहुत दुखी लग रहा है, मजबूत रहो।', तीसरे ने लिखा, 'ब्रो 247 हाई रहता है।', इसके अलावा कई का दावा है कि यह महिला उनकी पत्नी हैली है।सिर्फ यही नहीं, जस्टिन ने इसके अलावा कुछ अजीबोगरीब तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मैं स्वीकार करता हूं कि आज सुबह भगवान ने मुझे माफ कर दिया है। तो क्या अब मैं खुद को और दूसरों को माफ कर सकता हूं? अगर आप चाहें तो मेरे साथ जुड़ें।'बता दें, जस्टिन बीबर और हैली बीबर की शादी साल 2018 में हुई थी। कपल का एक बेटा है, जिसका नाम जैक ब्लूज बीबर है। हाल ही में जस्टिन और हैली के तलाक की खबरें सामने आई थीं। लेकिन बाद में हैली ने इन्हें महज अफवाहें बताया और बकवास करार दिया।

'नॉक नॉक कौन है?' में आध्या आनंद का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन,बोलीं- कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर बोल्ड किरदार निभाया, पैनिक अटैक तक आए

नयी दिल्ली। नए दौर की दोस्ती, मोबाइल ऐप्स की खतरनाक दुनिया और प्यार में होने वाली जलन कुछ ऐसी ही कहानी पर आधारित है वेब सीरीज 'नॉक नॉक कौन है?'। यह एडल्ट थ्रिलर वेब सीरीज मई में 'अमेजन एमेक्स प्लेयर' पर स्ट्रीम हुई है। इस सीरीज में 'तान्या' का किरदार निभाने वालीं आध्या आनंद ने खास बातचीत में कहा कि वह हमेशा से कुछ अलग करना चाहती थीं और इस सीरीज ने उन्हें वही मौका दिया। 'नॉक नॉक कौन है? में काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। जितना आप स्क्रीन पर देख रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा मजा मैंने सेट पर किया। इस सीरीज में जो किरदार मैंने निभाया, वह मेरे लिए एकदम नया और चुनौतीपूर्ण था। इससे पहले मैंने ज्यादातर शोज में भोली-भाली और सीधी-सादी लड़कियों के किरदार निभाए हैं। लेकिन इस बार मेरा रोल काफी अलग है। यह एक बहादुर लड़की की कहानी है, जो अकेले ही मुश्किल हालातों का सामना करती है और हर चुनौती को मजबूती से संभालती है। जब सीरीज का टीजर आया, तो लोगों को यह देखकर हैरानी हुई कि मैं इतना बोल्ड और स्ट्रॉन्ग किरदार निभा रही हूं। मुझे खुशी है कि मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर कुछ नया करने का मौका मिला।इस सीरीज में मेरा जो किरदार था, वह वास्तव में मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। वैसे तो हर किरदार अपने आप में एक चैलेंज होता है, लेकिन अब तक के सभी किरदारों के मुकाबले यह रोल एकदम अलग था। पहले जिन किरदारों को निभाया, उनके लिए मुझे यह अंदाजा होता था कि उन्हें कैसे निभाना है। लेकिन यह थोड़ा अलग था। कई बार ऐसा भी हुआ जब किरदार में डूब जाना इतना भारी पड़ गया कि उससे बाहर आना मुश्किल हो गया। मुझे पैनिक अटैक तक आने लगे थे। कई बार तो मैं इतना ज्यादा नर्वस हो जाती थी कि समझ नहीं आता था क्या करूं, किससे बात करूं। लेकिन मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं कि सेट पर मुझे डायरेक्टर का जबरदस्त सपोर्ट मिला।शुरुआत में इस सीरीज का नाम नॉक नॉक कौन किलर? था। जब मैंने ये नाम पहली बार सुना, तो मेरा रिएक्शन था वाह, इसमें तो किसी न किसी का मर्डर जरूर होने वाला है। उस वक्त लग रहा था कि कहानी बहुत थ्रिलिंग और सस्पेंस से भरपूर होगी। लेकिन लास्ट मोमेंट पर इसका टाइटल बदलकर नॉक नॉक कौन है? रख दिया गया। हालांकि नाम बदला, लेकिन कहानी का थ्रिल और सस्पेंस बना रहा। जब मेरी प्रोड्यूसर से पहली बार मीटिंग हुई, तो उन्होंने मेरे किरदार के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह किरदार कहानी की रीढ़ है। पूरी कहानी उसी के इर्द-गिर्द घूमती है। आखिर में वही किरदार है जो अपने दोस्तों के साथ मिलकर इस रहस्य से पर्दा उठाने की कोशिश करता है कि ये सब हो क्या रहा है और इसके पीछे कौन है। इस वेब सीरीज की सबसे बड़ी यूएसपी इसका सस्पेंस है। आखिरी एपिसोड तक यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है कि असली किलर कौन है। मेकर्स ने हमसे भी किलर की पहचान को अंत तक छुपाए रखा। शुरुआती 8 एपिसोड तक हमें स्क्रिप्ट ही नहीं दी गई थी। इसके अलावा यह वेब सीरीज आज के युवाओं के लिए काफी प्रासंगिक है। इसमें दिखाया गया है कि सोशल मीडिया किस तरह हमारी जिंदगी को प्रभावित कर सकता है।सोशल मीडिया पर आप दो तरीकों से दोस्ती कर सकते हैं या तो किसी से बात करके उसे जान सकते हैं या फिर उसके जरिए लोगों से जुड़ सकते हैं। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए लोग एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं, इस लिहाज से यह काफी उपयोगी है। हालांकि, कुछ लोग आज भी यह नहीं समझ पाए हैं कि सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल कैसे किया जाए। मस्ती और मौज-मस्ती में वे भूल जाते हैं कि इसे बड़ी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करना चाहिए। फिर भी आजकल के युवा काफी स्मार्ट हैं। उन्हें अच्छी तरह मालूम है कि उनके लिए क्या सही है और क्या नहीं।प्यार में जलन होना एक आम बात है। जब कोई किसी रिश्ते में होता है, तो कहीं न कहीं थोड़ी-बहुत जलन ज़रूर महसूस होती है। लेकिन मेरा मानना है कि हर स्थिति को समझदारी से लेना ज़रूरी होता है, क्योंकि कभी-कभी प्यार में जलन खतरनाक भी साबित हो सकती है। मैं यह भी मानता हूं कि जो आपका है, वह किसी भी हाल में आपका ही रहेगा। और अगर कोई छोटी-सी बात पर नाराज होकर चला जाए, तो समझ लेना चाहिए कि वो कभी आपका था ही नहीं।बॉम्बे बेगम्स में पूजा भट्ट के साथ काम करने का अनुभव वाकई शानदार रहा। मैं उन्हें अपनी दूसरी मां मानती हूं। उस समय मैं काफी छोटी थी, और उन्होंने हर कदम पर मेरी मदद की। उन्होंने मुझे गाइड किया कि किसी सीन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है, किस तरह से परफॉर्म करना है और सेट पर कैसे पेश आना चाहिए। उनके साथ काम करना न सिर्फ सीखने का मौका था, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव भी था। कुल मिलाकर मेरा अनुभव बहुत ही खास और यादगार रहा।'

हेरा फेरी 3: 'बाबूभैया' परेश रावल की 'हेरा फेरी 3' में होगी वापसी? खुद अभिनेता ने दे दिया जवाब

नयी दिल्ली।बॉलीवुड की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्म 'हेरा फेरी' का तीसरा पार्ट इन दिनों सुर्खियों में है, लेकिन फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ उसकी रिलीज या कहानी को लेकर नहीं है, बल्कि फिल्म से जुड़े विवादों ने भी तूल पकड़ लिया है। खासतौर पर जबसे यह खबर सामने आई कि परेश रावल 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे, जो बाबूराव गणपतराव आप्टे के किरदार में दर्शकों के दिलों पर राज कर चुके हैं।हाल ही में एक सोशल मीडिया यूजर ने एक्स पर परेश रावल से भावुक अपील करते हुए लिखा, 'सर, एक बार फिर से सोचिए, आप इस फिल्म के हीरो हैं।' इस पर परेश रावल ने जो जवाब दिया उसने फैंस को हैरानी में डाल दिया। उन्होंने लिखा, 'नहीं, हेरा फेरी में तीन हीरो हैं।'उनके इस जवाब से यह साफ हो गया कि वो अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और शायद अपने फैसले पर अडिग भी हैं। सोशल मीडिया पर ये बयान तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस के बीच निराशा का

माहौल है।सूत्रों की मानें तो परेश रावल और 'हेरा फेरी 3' के निर्माता अक्षय कुमार के बीच कुछ वित्तीय और कानूनी मुद्दे सामने आए थे। कहा जा रहा है कि परेश रावल को फिल्म से बाहर किए जाने के बाद अक्षय कुमार ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की थी, जिसके जवाब में परेश रावल ने फिल्म निर्माताओं को ब्याज सहित साइनिंग अमाउंट लौटा दिया। इससे यह भी संकेत मिलता है कि यह सिर्फ एक रचनात्मक मतभेद नहीं, बल्कि एक गंभीर विवाद था।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि बाबूराव का किरदार 'हेरा फेरी 3' में कौन निभाएगा? सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का मानना है कि इस रोल के लिए पंकज त्रिपाठी एक दमदार विकल्प हो सकते हैं। उनकी कॉमिक टाइमिंग और अभिनय क्षमता को देखते हुए, कई दर्शकों का मानना है कि वह इस चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाने में सक्षम हैं। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।फिल्म 'हेरा फेरी' और उसके सीक्वल ने बॉलीवुड कॉमेडी को एक नई पहचान दी थी। बाबूराव, श्याम और राजू की तिकड़ी ने लोगों को जितनी हंसी दी, उतनी ही यादें भी दीं। ऐसे में तीसरे भाग से लोगों की उम्मीदें भी बहुत ज्यादा हैं। लेकिन जब इस तिकड़ी में से एक सदस्य की कमी हो जाए, तो फिल्म की आत्मा पर सवाल उठना लाजिमी है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।